NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 14 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-256

हिंदुओं के लिए सीताराम येचुरी के थे 'अभूतपूर्व-योगदान'

नेपाल से हिंदू-राष्ट्र खत्म होने के पीछे था येचुरी-फार्मूला

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर तमाम नेता शोक ज्ञापित कर रहे हैं। नेता के मरने पर नेता को शोक होता है, क्योंकि उन सबकी एक ही प्रजाति होती है। हिंदुओं के लिए सीताराम येचुरी के अभूतपूर्व योगदान हैं। येचुरी फार्मूले पर ही विश्व के इकलौते हिंदू राष्ट्र नेपाल से हिंदू राष्ट्र शब्द का खात्मा किया गया था। इसीलिए येचुरी के निधन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, वे मेरे अच्छे दोस्त थे। वे भारत के विचार के सच्चे रक्षक थे। वे देश को अच्छी तरह समझते थे। मैं उनके साथ की गई लंबी चर्चाओं को बहुत याद करूंगा। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

चेन्नई के तेलुगू भाषी ब्राह्मण परिवार में 12 अगस्त 1952 को जन्मे सीताराम येचुरी नेपाल के राजा वीरेंद्र सिंह की लोकतांत्रिक पद्धति के खिलाफ और चरम वामपंथियों के सहयोगी थे। वे नेपाल के विद्रोही वामपंथियों की समय-समय पर मदद और समर्थन दोनों किया करते थे। दुनिया के इकलौते हिंदू राष्ट्र के खिलाफ माकपा के सीताराम येचुरी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के डीपी त्रिपाठी ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

येचुरी और त्रिपाठी की मुलाकात माओवादी नेता बाबूराम भट्टाराई से दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हुई थी, जहां वे छात्र नेता थे। साल 2006 में नेपाल में हिंदू राजशाही खत्म हो गई और वह हिंदू राष्ट्र से एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बन चुका था। उस दौरान येचुरी और त्रिपाठी नेपाली संसद में भी शामिल हुए थे।

शुभ-लाभ विमर्श

नेपाल के पूर्व विदेश मंत्री और भारत के अच्छे मित्र चक्र प्रसाद बस्तोला सहित नेपाली नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया था। संसद में येचुरी ने कहा था, यह पूरी तरह से नेपाली लोगों की जीत है। अक्सर भारत को बड़े भाई के रूप में देखा जाता है। भारत और नेपाल भाई हैं, लेकिन जुड़वां हैं। एक की पीड़ा दूसरे में झलकती है। एक की जीत का जश्न दूसरा मनाता है।

येचुरी और त्रिपाठी ने साउथ एशिया फाउंडेशन के राहुल बरुआ के साथ मिलकर साल 2005 में भारत में नेपाल डेमोक्रेसी सॉलिडेरिटी कमेटी की स्थापना की थी। नेपाल में लोकतंत्र लाने के लिए येचुरी ने माओवादियों के साथ-साथ अपने प्रभाव का खूब इस्तेमाल किया। वहीं, त्रिपाठी नेपाली कांग्रेस और शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाले उसके अलग हुए गुट नेपाली कांग्रेस (डेमोक्रेटिक) के करीब थे।

▶10पर

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में चल रहा एजेंडा

शंकराचार्य पहाड़ी तख्ते सुलेमान और हरि पर्वत हुआ कोहे मारन

पुरातन संस्कृति नष्ट करने की साजिश में नेशनल कॉन्फ्रेंस

प्रख्यात संत लल्लेश्वरी देवी को लैला आरिफ कह रहे दुष्ट

श्रीनगर, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख निकट आती जा रही है, वैसे-वैसे यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि कश्मीर की राजनीति में कश्मीर की पुरातन पहचान मिटाने का एजेंडा लाया जा रहा है। ऋषि कश्यप के नाम पर बसे इस क्षेत्र की कश्मीरी पहचान मिटाकर कश्मीरियत करने का षड्यंत्र आज का नहीं है। यह आदि गुरु शंकराचार्य की पहचान मिटाने का भी षड्यंत्र है।

ऋषियों और तपस्वियों की भूमि कश्मीर के क्षेत्रों के नामों के साथ जो छल किए गए हैं, वह वराहमूल जिले के वर्तमान में वारामूला तक की यात्रा से समझा जा सकता है। शेक्सपियर ने कहा था कि नाम में क्या रखा है? मगर क्या नाम में कुछ भी नहीं रखा है? यदि नाम में कुछ भी नहीं रखा है तो भारत पर जिन आततायियों ने आक्रमण किया था तो उन्होंने भारत के स्थानों के नाम क्यों बदल दिए? नाम दरअसल पहचान बताते हैं। वह एक संस्कृति को आगे लेकर जाने वाला होता है। वह उस क्षेत्र के इतिहास का विस्तारक होता है। जैसे भारत में राम नाम है! प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाले दल के लोगों के नाम भी सीताराम जैसे ही हैं।

▶10पर

सिखों को भड़काने में लगे राहुल गांधी की पार्टी की असलियत

84 के सिख दंगों में लिप्त थे कांग्रेस नेता टाइटलर

जगदीश टाइटलर के खिलाफ पर्याप्त सबूत : अदालत

टाइटलर ने कांग्रेसियों को हिंसा के लिए उकसाया था

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में सिखों को भड़काने के लिए अनाप शनाप बोलने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पार्टी की असलियत 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद ही पता चल गई थी। लेकिन अब उसकी प्रामाणिकता भी सामने आने लगी है। अदालत ने कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर को 1984 के सिख विरोधी दंगों में लिप्त पाया है और उन पर आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने कहा कि सिख विरोधी दंगों में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के लिप्त होने के पर्याप्त प्रमाण मिल चुके हैं, लिहाजा उन पर आरोप तय किए जाते हैं।

इस तरह कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में शुक्रवार 13 सितंबर को जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप तय किए। विशेष न्यायाधीश राकेश सियाल ने यह निर्देश दिया कि टाइटलर को अब इन आरोपों का सामना अदालत में करना होगा, क्योंकि उन्होंने इन अपराधों के लिए खुद को निर्दोष बताया है। अदालत का यह आदेश सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले के संबंध में आया है।

अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में शुक्रवार को जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या और अन्य अपराधों के आरोप तय किए, लेकिन जगदीश ने आरोपों से इनकार कर दिया। जिसके बाद विशेष न्यायाधीश राकेश सियाल ने निर्देश दिया कि टाइटलर द्वारा अपराध के लिए दोषी न होने की बात स्वीकार करने के बाद उन्हें मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। उन पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत है।

इससे पहले, 30 अगस्त को अदालत ने कहा था कि टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। इस मामले में एक गवाह ने आरोप लगाया था कि 1 नवंबर, 1984 को टाइटलर ने गुरुद्वारा पुल बंगश के पास एक सफेद एम्बेसडर कार से उतरकर भीड़ को उकसाया। गवाह के अनुसार, टाइटलर ने भीड़ से कहा,

▶10पर

अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

सीएम ऑफिस जाने पर रोक, बोलेंगे भी नहीं

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त जमानत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं जाएंगे और मामले से संबंधित की बयान नहीं देंगे। केजरीवाल को सीबीआई मामले में 10 लाख रुपए के बेल बॉन्ड पर जमानत दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे यह समझ पाने में असफल हैं कि केजरीवाल को गिरफ्तार करने में सीबीआई को इतनी जल्दबाजी क्यों थी,

▶10पर

भाजपा ने अप्रासंगिक सीएम से इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल को जमानत दिए जाने पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने

▶10पर

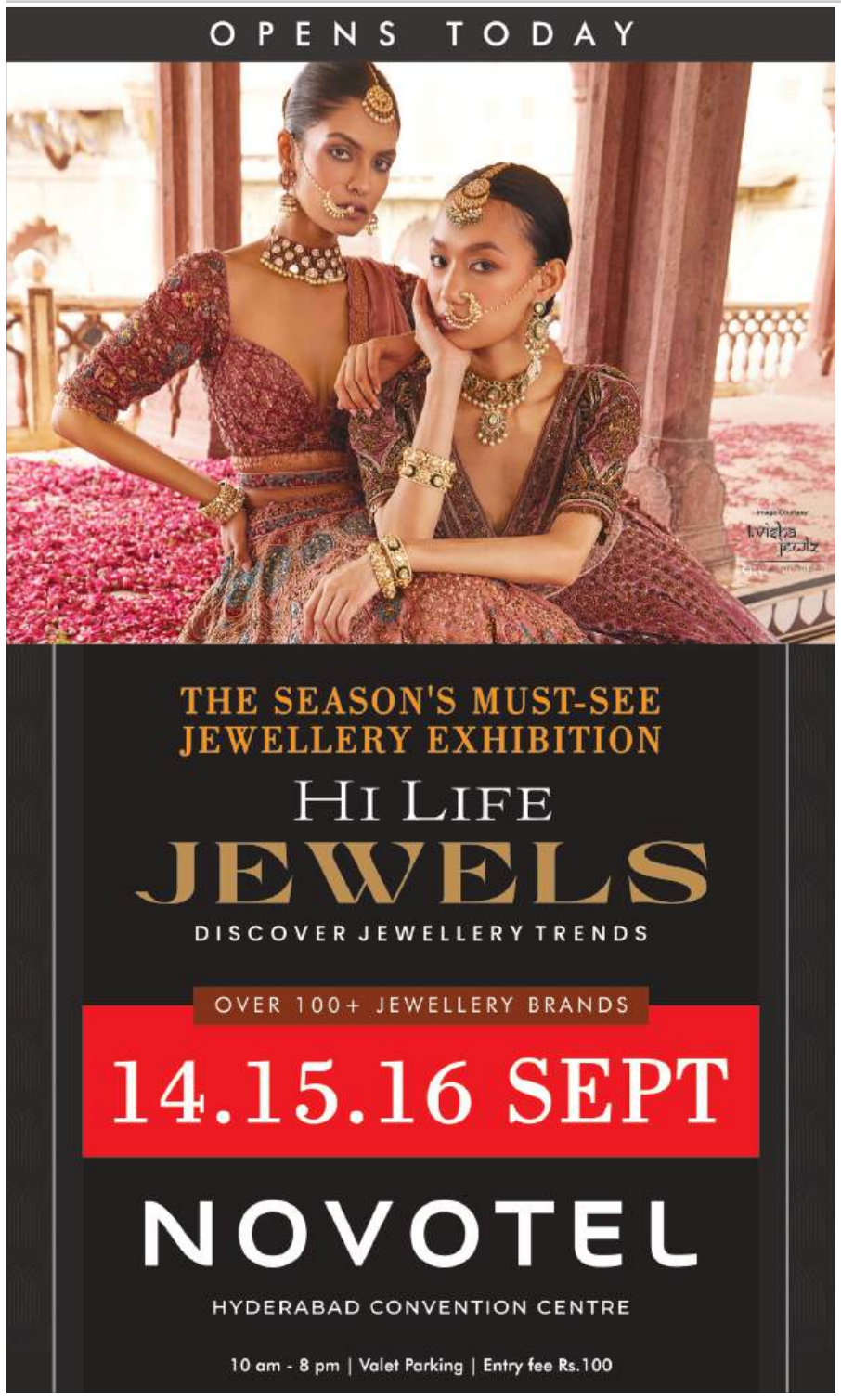

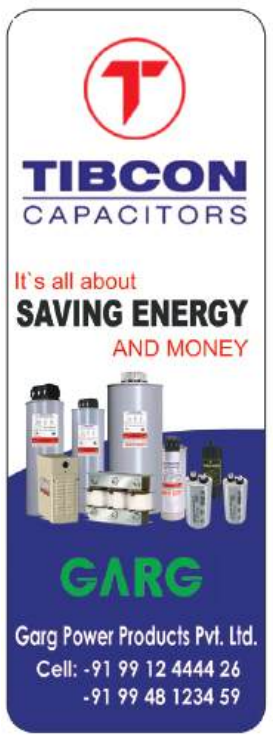

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 23^0

भारत की उर्वर मिट्टी से उपजी है हिंदी

हिंदी भाषा भारत की आजादी की लड़ाई की सबसे महत्वपूर्ण साधन थी। यह भाषा भारत की उर्वर मिट्टी में उपजी भाषा है। इस भाषा में पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधने की ताकत है। आजादी से पूर्व हमारे पूर्वजों ने इस भाषा की ताकत न केवल समझी बल्कि उस ताकत का सही इस्तेमाल भी किया। पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक के सारी जनता ने इस भाषा में संवाद स्थापित किया और 1857 की अधूरी लड़ाई को पूरा किया। अंग्रेजों से अपनी बात मनवाई। उन्हें भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया। भारत की आजादी की लड़ाई में हिंदी ने किस तरह से एक उपादान की भूमिका निभाई आइए देखते हैं–

तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा– 4 जुलाई 1944 को बर्मा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जनता को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि लोगों के कठोर निर्णयों और एकजुटता के बल पर ही आजादी हासिल की जा सकती है। उसके लिए खून बहाने की जरूरत पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा था कि एक लंबी लड़ाई हमारे सामने है। आज हमारे अंदर बस एक ही इच्छा होनी चाहिए– मरने की इच्छा ताकि भारत जी सके– एक शहीद की मृत्यु की इच्छा, ताकि आजादी के रास्ते शहीदों के खून से प्रशस्त हो सकें। उसी भाषण में नेताजी ने नारा लगाया था–

तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हे आजादी दूंगा। इस नारे ने न केवल जवानों बल्कि समाज के प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों में, महिलाओं और पुरुषों में एक नया जोश भर दिया था।

करो या मरो– महात्मा गांधी ने 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवालिया टैंक मैदान में दिए गए अपने भाषण में लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा था– करो या मरो। इस नारे ने भारत छोड़ो आंदोलन में बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी। इस नारे का मतलब है कि या तो भारत को आज़ाद कराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दें या उस प्रयास में मर जाएं। इस नारे को अगस्त आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 9 अगस्त, 1942 को औपचारिक रूप से इस नारे की शुरुआत की। इस नारे की ताकत को न केवल भारतवासियों ने बल्कि विदेशियों ने भी माना। वायसराय लिनलिथगो ने इस आंदोलन को 1857 के बाद से अब तक का सबसे गंभीर विद्रोह बताया था। इस नारे के माध्यम से गांधी जी ने हिंदुस्तानियों के दिलों में आज़ादी की आग लगा दी थी।

इंकलाब जिंदाबाद– भगत सिंह और उनके साथियों का प्रिय नारा था – इंकलाब जिंदाबाद। जिसका अर्थ है क्रांति अमर रहे। आजादी के दिवानों को इस नारे ने युवाओं को आजादी की लड़ाई में जान गंवाने के डर से उबारा। शहीद होने के जो आनंद है, उससे परिचित कराया। यह नारा केवल कोरा नारा नहीं था। यह एक हथियार था जो उस समय के जवानों को आजादी की लड़ाई में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता था। वैसे इस नारे के लेखक उर्दू शायर हसरत मोहानी हैं, लेकिन इसे प्रसिद्ध क्रांतिकारियों ने किया। इस नारे को भगत सिंह और उनके साथियों ने 1920 के दशक के अंत में लोकप्रिय बनाया था। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त का मानना था कि क्रांति के लिए केवल बम-पिस्तौल का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। भगत सिंह और उनके साथियों ने 8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली की असेंबली में एक आवाजी बम फोड़ते हुए इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाया था और अपने-आप को गिरफ्तार करवाकर देश सामने एक बड़ा आदर्श प्रस्तुत किया था कि देश की आजादी के लिए बलिदान देना ही पड़ेगा। इस नारे को बाद में भगत सिंह की पार्टी हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन ने अपना नारा बनाया।

डॉ. बी. बालाजी
प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि

सरफ़रोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है /देखना है ज़ोर कितना, बाज़ु–ए–कातिल में है?– इन पंक्तियों ने हज़ारों-लाखों लोगों के दिलों में भारत की आजादी के लिए लड़ने वालों के लिए सम्मान का भाव जगाया। ये पंक्तियां आत्मोत्सर्ग की भावना जगाने में सफल रही हैं। इन पंक्तियों को गाते-गाते क्रांतिकारी फांसी पर खुशी-खुशी लटक जाते थे। इस गज़ल के शायर थे अज़ीमाबाद के बिस्मिल अज़ीमाबादी। चूंकि रामप्रसाद बिस्मिल ने उनका शेर फांसी के फंदे पर झूलने के समय कहा था, तो, ये पंक्तियां और भी मशहूर हो गईं। और, इसीलिए भी बहुत से लोग इसे राम प्रसाद बिस्मिल की रचना मानते हैं। फिर भी, रचनाकार चाहे जो हो, ये पंक्तियां जनता के लिए थीं, जनता की हो गईं। भारत की आजादी के एक महत्वपूर्ण अमूर्त सिपाही कदापि बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वन्दे मातरम जैसे सुप्रसिद्ध गीत के बाद बिस्मिल अज़ीमाबादी की यह अमर रचना, जिसे गाते हुए न जाने कितने ही देशभक्त फांसी के तख़्ते पर झूल गए।

वंदे मातरम– बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ में वंदे मातरम् का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म आनंदमठ उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। वैसे इस गीत की रचना बंगाल के कांतल पाडा नाम के गांव में 7 नवंबर 1876 को की गई थी। लेकिन इसे पहली बार 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। अर्थात भारत को आजादी मिलने से करीब 51 साल अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्ज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत ने बड़ी भूमिका निभाई थी। लोगों को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित करने का काम किया था। अंग्रेजों के विरोध के स्वर के रूप में प्रत्येक स्वतंत्रता सेनानी के मुख से यह शब्द निकलता था– वंदे मातरम्। इन दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूंक दिए थे और आज भी इसी भावना से वंदे मातरम गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियां बीत गई पर वंदे मातरम् का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में वंदे मातरम् ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

इस तरह हम देखते हैं कि हिंदी में रचित नारों व गीतों ने देश की आजादी के लिए भारतवासियों को एकता के सूत्र में न केवल पिरोया बल्कि बल भी दिया। हिंदी ताकत की भाषा है। इस ताकत को आजादी के बाद अंग्रेजी के प्रयोग ने हानी पहूंचाई है। आजादी के बाद की पीढ़ी ने एक तरह से आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाली भाषा हिंदी को मजबूत करने की बजाय गुलामी की भाषा को मजबूती प्रदान करने की भूल करती रही है। समय रहते अपनी भाषा की खूबियों को पहचानना जरूरी है। भारत की सारी भाषाएं दिल और दिमाग की भाषाएं हैं। हिंदी इन सबकी चहेती बहना है। आइए, हिंदी दिवस के शुभअवसर पर हम सब भारतवासी प्रण करें कि हम सभी हिंदी में काम करेंगे और सब काम हिंदी में करेंगे।

'श्री अन्न' जागरूकता में हिंदी की अहम भूमिका

'श्री अन्न (मिलेट्स)' नाम से ही उनकी महिमा का उद्घाटन हो रहा है। श्री अन्न अर्थात ऐसे अन्न जो कई दृष्टि से श्रेष्ठ हैं और वैश्विक रूप में परिभाषित करना चाहें तो उन्हें स्मार्ट फसलें कह सकते हैं। श्री अन्न समूह में बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी, सावां, चेना आदि का समावेश होता है। ये फसलें जलवायु परिवर्तन हो, चाहे खाद्य एवं पोषण की समस्या, सभी का समाधान प्रस्तुत करती हैं तथा किसानों को भी निरंतर आय प्रदान करती हैं, परिणामस्वरूप इन्हें श्री अन्न की संज्ञा दी गई। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद श्री अन्न अनुसंधान एवं विकास हेतु समर्पित संस्थान है तथा इसने ज्वार, बाजरा तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं (अभासअनुप) के साथ मिलकर भारत में ज्वार तथा बाजरे की उच्च उपज युक्त किस्मों एवं संकरों तथा लघु श्री अन्न की उच्च उपज युक्त किस्मों के विकास के साथ-साथ नए उत्पादन, संरक्षण एवं उत्पाद प्रौद्योगिकियों के विकास में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह संस्थान मूलभूत तथा नीतिपरक अनुसंधान कार्यों में संलग्न है जबकि ज्वार पर 11 राज्यों में 18 केंद्रों के साथ, बाजरे पर 10 राज्यों में 12 केंद्रों के साथ तथा लघु श्री अन्न पर 9 राज्यों में 13 केंद्रों के साथ अभासअनुप, नेटवर्क के रूप में प्रायोगिक अनुसंधान तथा पथ-प्रदर्शक विस्तार कार्यों में व्यस्त है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नत यह संस्थान, श्री अन्न के गुणों के प्रति भारत ही नहीं, अपितु वैश्विक जागरूकता हेतु कार्यरत है।

यह सर्वविदित है भारत के प्रयासों से ही आज श्री अन्न, स्मार्ट फसलों के रूप में वैश्विक लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं। वैश्विक होने के साथ-साथ हमें अपने देश, राज्य, समाज, परिवार व स्वयं के प्रति भी ज्यादा उत्तरदायी होना होता है। अतः हमने श्री अन्न की खेती, सेवन आदि के संबंध में सर्वप्रथम हमारे आसपास के लोगों को जागरूक किया और उसके लिए स्थानीय भाषाएं हमारी सहायक रहीं। तत्पश्चात राज्य वासियों को इनके गुणों से अवगत कराया,जिसमें उस राज्य की भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इन्हें अखिल भारतीय स्तर पर प्रचारित करने व लोकप्रिय बनाने हेतु हमने हिंदी का सहारा लिया और इसमें हिंदी एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हुई। अंत में मैं यही कहना चाहूंगी कि भारत की आत्मनिर्भरता में हिंदी का महत्वपूर्ण योगदान है तथा इसने भारत की विविधता के मध्य सभी को एक साथ जोड़कर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए। जयहिंद।

डॉ. (श्रीमती) सी. तारा सत्यवती
निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

हिंदी भारत की पहचान बने

हिंदी कोई एक प्रांत, धर्म या संप्रदाय की भाषा नहीं है बल्कि भारत और भारतियों की पहचान है हिंदी। हर भारतीय को हिंदी को बढ़ावा देना है तो इसे रोजमर्रा के जीवन में शामिल करना होगा। हिंदी बोलें, पढ़ें, सुनें। हिंदी सिखाएं। अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का संकल्प लें। 14 सितम्बर को ही नहीं, साल के हर दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाये जाने की दरकार है।

14 सितंबर का दिन हिंदी भाषा को समर्पित है। भारत विविधताओं से भरा देश है। हिंदी भाषा भारत के अलग अलग राज्यों के अलग अलग धर्मों, जातियों, संस्कृति, वेशभूषा व खान-पान वाले लोगों को एकता के सूत्र में बांधती है। देश को एक रखती है। इतना ही नहीं हिंदी विदेशों में बसे भारतीयों को आपस में जोड़ने का काम भी करती है। हिंदी अलग अलग क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के दिलों की दूरियों की मिटाती है। हिंदी इन सभी लोगों की भावनाओं को जाहिर करने का सबसे सरल व सहज तरीका है। हिंदी की अहमियत और इसके सम्मान के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस हर साल मनाया जाता है। इस दिन का मकसद हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना है।

दुनिया भर में बसे भारतीयों को भावनात्मक रूप से एक साथ जोड़ने का काम भी हिंदी ही करती है। इसी अहमियत को ध्यान में रखकर हर साल 10 जनवरी का दिन विश्व हिंदी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। वर्ष 2006 में इसकी शुरुआत हुई थी। मंदारिन, इंग्लिश के बाद विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी है। हिंदी की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से पता चलता है कि भारत के अलावा मॉरीशस, फिलीपींस, नेपाल, फिजी, गुयाना, सुरिनाम, त्रिनिदाद, तिब्बत और पाकिस्तान में कुछ परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन हिंदी बोली और समझी जाती है। दुनिया के अनेक देशों में हिंदी पढ़ाई भी जाती है। विश्वविद्यालयों में उसके लिए अध्यापन केंद्र खुले हुए हैं।

विजयप्रकाश अग्रवाल

हिंदी के माध्यम से हम विश्वभर में पहचाने जाते हैं

भारत की आजादी का अमृतकाल अभी तीन वर्ष पहले ही हमने मनाया। आज हम आजादी की लड़ाई में हमारे पूर्वजों का साथ देने वाली, अंग्रेजों से लोहा लेने वाली भाषा का अमृतकाल मना रहे हैं। मैं राजभाषा हिंदी की बात कर रहा हूं। जी हां, इस वर्ष हम राजभाषा के जन्म की हीरक जयंती मना रहे हैं। आप सभी को राजभाषा हिंदी की हीरक जयंती की शुभकामनाएं।

राजभाषा ने इन 75 वर्षों में अपने स्थान को बनाए रखने के लिए बहुत ही सूझ-बूझ के साथ कदम बढ़ाएं हैं। संविधान निर्माताओं ने जो भरोसा इस भाषा पर किया था, वह धीरे-धीरे ही मगर सही साबित हो रहा है। संघ सरकार की राजभाषा नीति सभी भारतीय भाषाओं को साथ लेकर आगे बढ़ने की रही है। माननीय प्रधान मंत्री का नारा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास। इस नारे पर हिंदी भाषा पूरी तरह खरी उतरती है। बिना किसी भाषी को नाराज किए उसे अपने साथ लेकर आगे चलती है। वह भारत की अन्य भाषाओं की न कभी प्रतियोगी रही है, न है। वह तो अपने साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी विकसित होने का अवसर प्रदान करती है। हिंदी सभी भारतवासियों को विश्वास में लेना चाहती है कि वह विकसित होगी तो भारत की अन्य भाषाएं भी विकसित होंगी। इसे बल्कि इस तरह कहना चाहिए कि भारत की भाषाएं विकसित होंगी तो हिंदी भी साथ में विकसित होगी। यह तभी संभव है जब सारे भारतवासी मिलकर प्रयास करेंगे।

अंग्रेजी कोई बुरी भाषा नहीं है, लेकिन अपनी मातृभाषा की कीमत पर अंग्रेजी को हम लोगों ने 75 वर्षों से सिर चढ़ा रखा है। यह सत्य है कि हम सेवा प्रदान करने वाले राष्ट्र के रूप में विश्व के सामने प्रस्तुत होते आए हैं। इसीलिए हमें अंग्रेजी का सहारा लेना पड़ा। इसी भाषा के दम पर हमने आज विश्वभर में सेवा प्रदान करने वाले देश के रूप में खूब नाम कमाया है। खूब दाम भी कमाया है। लेकिन अब हम सेवा लेने वाले बन रहे हैं। अर्थात हम क्रय करने वाले बन रहे हैं। उत्पादक बने रहे हैं। विक्रेता बन रहे हैं। आयातक से निर्यातक बनते जा रहे हैं।

भारत आज विश्व का एक बड़ा बाजार है। सारे विश्व को हमारे देश में व्यापार की अपार संभावनाएं दिख रही हैं। विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में निवेश करना चाहती हैं। यही सही मौका है कि हम विक्रेताओं को बताएं कि यदि उन्हें हमारे देश में माल बेचना है तो हमारी भाषा में बेचना होगा। हम हमारी भाषा में माल खरीदेंगे। उनकी भाषा में नहीं। इसकी शुरुआत हो चुकी है। आप देखते होंगे कि विदेशी उत्पादों के विज्ञापन अब हमारी भाषा में आ आरे हैं। अंग्रेजी फिल्में हिंदी तथा भारत की अन्य भाषाओं में डब हो रही हैं। इसी तरह अन्य उत्पादों की बिक्री के लिए विदेशी व्यापारी हिंदी सीख रहे हैं। हिंदी में बोल रहे हैं। हिंदी में लिख रहे हैं।

हिंदी सरलता के साथ सभी विषयों के शब्दों को ग्रहण कर सकती है। तभी तो कंप्यूटर, टेलिफोन, टेलिविजन, वाट्सअप, सोशल मीडिया, ट्विटर, फेसबुक जैसे आधुनिक शब्द अब हिंदी के लगने लगे हैं। नए से नए विषय की संकल्पनाओं को व्यक्त करने के लिए हिंदी सक्षम बनती जा रही है। भारत सरकार इस बात पर बल दे रही है कि हिंदी राजभाषा के रूप में प्रशासनिक कामकाज की भाषा बनने के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान की भाषा बने। बाजार व व्यापार की भाषा बने। विदेशी मुद्रा कमाने की भाषा बने। हम जब कभी रूस, जर्मनी, फ्रांस आदि विदेशों से तकनीकी का हस्तांतरण करते हैं तो वे अपनी तकनीकी को अपने देश की भाषा में लिखकर देते हैं। हम उसका अनुवाद अंग्रेजी में करते हैं और उसे ही आगे बढ़ाते हैं। हमें चाहिए कि अब उसका अनुवाद हिंदी में करें और उस तकनीक का प्रसार हिंदी के माध्यम से करें। हम यह भी कर सकते हैं कि उन देशों से कहें कि वे अपने उत्पादों व तकनीक की जानकारी हिंदी में दें। उन्हें देना ही पड़ेगा।

डॉ. संजय कुमार झा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि

मिधानि में तकनीकी के प्रयोग से हिंदी के प्रसार में तेजी आई है। हमारे अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त हैं। इसीलिए मिधानि का नाम भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया जा चुका है। मिधानि में ई-ऑफिस और ई-मेल में हिंदी का प्रयोग दिन-प्रति बढ़ रहा है। मिधानि की वेबसाईट हिंदी और अंग्रेजी में है। सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से हमारे अधिकारीगण हिंदी में बड़ी आसानी से अपने ग्राहकों व विक्रेताओं से संभाषण कर रहे हैं। हर वर्ष मिधानि में आयोजित किए जाने वाली हिंदी की प्रतियोगिताओं में भी तकनीकी का प्रयोग कर हिंदी का प्रसार करने के प्रयास जारी हैं। मिधानि के उत्पादनों के ब्राऊचर हिंदी में बनाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से हम अपने ग्राहकों तक हिंदी ले जाने के संकल्प को पूरा करेंगे। राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिधानि को नराकास (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा लगातार तीन बार पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ है। मिधानि की राजभाषा गृह पत्रिका संकल्प को भी ई-पत्रिका की श्रेणी में गत वर्ष उत्तम पत्रिका का पुरस्कार मिला है।

मिधानि एक रक्षा उपक्रम है। यह बताते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है कि रक्षा मंत्रालय हमें हमेशा हिंदी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करता है। माननीय रक्षा मंत्री हिंदी सलाहकार समिति के मंच से हमें हिंदी में काम करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। हिंदी दिवस के पावन अवसर पर पाठकों को यह भी बताना चाहूंगा कि हम हिंदी के माध्यम से रक्षा क्षेत्र में कदम आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे माननीय रक्षा मंत्री जहां कहीं जाते हैं, वहां माननीय प्रधान मंत्री की तरह हिंदी में ही चर्चा व संबोधन करते हैं। मुझे विश्वास है कि रक्षा मंत्रालय को दिए गए निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में हिंदी की बड़ी भूमिका हो सकती है। यह विदित ही है कि रक्षा मंत्रालय आयात पर निर्भरता कम करने और देशीकृत रक्षा उत्पादों को बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भारत में निर्माण (मेक इन इंडिया) के तहत रक्षा उपक्रम स्वदेशीकरण में तेज गति से आगे काम रहे हैं। ज्ञान-विज्ञान-उत्पादन के क्षेत्र में देश को विकसित व समृद्ध करने रक्षा उपक्रमों की बड़ी भूमिका होगी। उसमें मिधानि भी अपने पूरे समर्पण के साथ रक्षा मंत्रालय का साथ देगी। इसकी स्थापना ही विशेष धातुओं के लिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हुई थी। इसका नामकरण भी हिंदी में ही किया गया था - मिश्र धातु निगम। वर्ष 2023-24 में रक्षा उत्पादों के निर्यात से भारत ने लगभग 21 हजार करोड रुपये का व्यापार किया था। 2028-29 तक के लिए लगभग 50 हज़ार करोड़ रुपये का व्यापार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए मैं रक्षा उपक्रमों के सभी अध्यक्षों व उच्च कार्मिकों से अपील करता हूं कि वे हिंदी को अवश्य अपने काम काज का हिस्सा बनाएं। इससे हमारी पहचान और बढ़ेगी। राजभाषा हिंदी की हीरक जयंती के शुभ अवसर पर मैं कहना चाहूंगा कि हिंदी के माध्यम से हम विश्वभर में पहचाने जाते हैं और पहचाने जाते रहेंगे।

जय हिंद, जय हिंदी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) हैदराबाद निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद राजभाषा अधिनियम, नियम तथा विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन में निरंतर अग्रसर है। राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के प्रति नराकास (उपक्रम) के पास महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। पूर्ण विश्वास है कि नराकास (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के माननीय अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। इसके लिए समिति के समन्वय कार्यालय ईसीआईएल ने प्रयोजनमूलक स्टार पर अत्यंत महत्वपूर्ण अनुप्रयोग किए हैं। इन अनुप्रयोगों की अखिल भारतीय स्तर पर प्रशंसा की गई। इन अनुप्रयोगों में

डॉ. राजनारायण अवस्थी
सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वपयन समिति (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद

- ❋ नराकास (उपक्रम) की प्रत्येक छमाही बैठक में सदस्य कार्यालयों की प्रस्तुति।
- ❋ बैठक में सदस्य कार्यालयों को राजभाषा प्रदर्शनी के लिए प्रोत्साहित करना।
- ❋ नराकास समन्वय कार्यालय में राजभाषा हेल्पलाइन का प्रावधान।
- ❋ समन्वय कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वायन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को राजभाषा गरिमा सम्मान।
- ❋ समिति के सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के आलेख यदि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष प्रकाशित होने वाली राजभाषा स्मारिका में विशेष आलेख प्रकाशित होने पर राजभाषा सौरभ सम्मान।
- ❋ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, (उपक्रम) के तत्वावधान में विभिन्न सदस्य कार्यालयों में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में महिला प्रतिभागियों को राजभाषा विदुषी सम्मान।
- ❋ प्रत्येक प्रतियोगिता आयोजक कार्यालय प्रमुख को भी नराकास समन्वय-कार्यालय द्वारा सम्मानित करना।

नराकास (उपक्रम) ने आगामी वर्षों के लिए प्रशिक्षण आधारित अत्यंत महत्वापूर्ण कार्ययोजना बनाई है जिसमें पत्रिका संपादन कौशल, प्रौद्योगिकी अनुवाद, कोषनिर्माण, कंठस्थ् 2.0 तथा क्लाउड ट्रांसलेशन पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उपर्युक्त अनुप्रयोगों से अत्यंत सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हुए। अत्यंत गौरव का विषय है कि वर्ष 2023-24 में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए हमारे सदस्य-कार्यालय, एनएमडीसी लिमिटेड को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार तथा नराकास, हैदराबाद (उपक्रम) को ग क्षेत्र में अखिल भारतीय स्तर पर नराकास राजभाषा सम्मान प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पूर्ण विश्वास है कि पुरस्कार एवं उपलब्धियों का यह क्रम निरंतर इसी प्रकार बना रहेगा। यह नराकास राजभाषा सम्मान हमारे सभी सदस्य कार्यालयों भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, बीएचईएल - रामचंद्र पुरम, बीएचईएल (अनुसंधान एवं विकास), भारत इलेक्ट्रॉनिक्सि लिमिटेड (बीईएल), भारत संचार निगम लिमिटेड, (सर्कल कार्यालय), भारत संचार निगम लिमिटेड (कोर नेटवर्क एवं अनुरक्षण), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, बीईएमएल, केन्द्रीय भंडारण निगम, ईसीजीसी, भारतीय खाद्य निगम, गेल (इंडिया) लिमिटेड, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हडको, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, आईटीआई लिमिटेड, एमएसटीसी लिमिटेड , मिश्र धातु निगम लिमिटेड, भारत सरकार टकसाल, एनटीपीसी, एनएमडीसी, नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड, पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, रेलटेल, आरसीएफ, आरईसी, आरईसी-आईपीएमडी, आरआईएनएल, राइट्स लिमिटेड, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, प्रतिभूति मुद्रणालय, वाप्कोस, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का सामूहिक प्रयास है।

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केन्द्र
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500 030 तेलंगाना, दूरभाष : 040-24599300 वेबसाइट : www.millets.res.in
IIMR भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ICAR-Indian Institute of Millets Research

माननीय प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षित-श्री अन्न (मिलेट्स) के वैश्विक प्रसार की ओर अग्रसर

राष्ट्रीय स्तर पर श्री अन्न अनुसंधान एवं प्रसार संबंधी कार्य
- किसानों तथा छात्रों को प्रशिक्षण
- राज्य मिलेट मिशन में सहयोग
- किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को सहयोग
- श्री अन्न प्रसार हेतु विभिन्न सार्वजनिक व निजी संस्थानों के साथ समझौते
- श्री अन्न की विविध प्रौद्योगिकियों हेतु लाइसेंस प्रदान करना
- श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्य-वर्धन प्रौद्योगिकियों का सतत विकास
- नवोद्यम उज्ज्वलन तथा उष्मायन (इन्कुबेशन) सुविधाएं
- श्री अन्न व्यंजन पर व्यवहारिक प्रशिक्षण

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर श्री अन्न अनुसंधान एवं प्रसार संबंधी कार्य
- भारत सरकार के द्वारा भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नयन
- महर्षि योजना का सचिवालय
- जी 20 बैठक के दौरान कई देश के कृषि मंत्रियों का दौरा
- 18 विविध देशों के साथ समझौते विचाराधीन
- विदेशी प्रशिक्षार्थियों के दौरे
- चार सौ से ज्यादा स्टार्टअपों को सहायता तथा उनके द्वारा निर्यात को बढ़ावा

श्री अन्न विशेषताओं के संदर्भ में डॉ. सी तारा सत्यवती एवं किसानों से चर्चा करते हुए भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

श्री अन्न आहार

स्वस्थ परिवार

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
- डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक

प्रगति पथ पर प्रशस्त हिन्दी महाविद्यालय

दक्षिण की भूमि हैदराबाद के केंद्र में स्थापित संपूर्ण दक्षिण भारत का कल्पवृक्ष हिन्दी महाविद्यालय वर्ष 1961 से अपनी अविराम गतिविधियों एवं उपलब्धियों के कारण नगरद्वय की शिक्षण संस्थाओं का प्रेरणास्रोत रहा है। महाविद्यालय को सर्वप्रथम वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन समिति द्वारा मान्यता प्रदान की गई। वर्ष 2012 में स्वायत्तता प्रमाण पत्र के साथ संस्था की प्रगति की दिशा में नया अध्याय जुड़ गया है। सितंबर 2017 को महाविद्यालय ने राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन एवं प्रत्यायन का तीसरा चक्र सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए बी. प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। इसी क्रम में अगस्त 2018 को हिन्दी महाविद्यालय ने स्वायत्तता की द्वितीय प्रक्रिया पूर्ण कर ली है।

स्थापना के समय से जिन लक्ष्यों को लेकर यह शिक्षण संस्था आगे बढ़ी उन्हें प्राप्त करते हुए महाविद्यालय प्रबंध समिति के नेतृत्व में ज्ञान ज्योति से निरंतर प्रज्वलित हो रहा है। स्व. चेयरमैन एमिरेटस सुरेंद्र लूणिया, अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, कार्यदर्शी श्री शीलकुमार जैन संयुक्त कार्यदर्शी सुरेशचंद्र लाहोटी, कोषाध्यक्ष सीए एस.बी. काबरा एवं समिति के सक्रिय सदस्यों के दिशा-निर्देश में कई कीर्तिमान स्थापित कर रही है और हीरक जयंती पूर्ण कर चुकी है। राष्ट्र के प्रति सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का निर्वाह करते हुए विभिन्न वर्गों के छात्रों को अद्यतन एवं शिक्षाजन्य हर संभव सहायता उपलब्ध कराना, तकनीकी ज्ञान प्रदान करना तथा महाविद्यालय में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराना समिति का ध्येय है। इसी को ध्यान में रखते हुए छात्र एवं छात्राओं के लिए हॉस्टल की व्यवस्था की गयी है।

हैदराबाद के पूर्व वित्त मंत्री माननीय विनायक राव विद्यालंकार की इच्छा शक्ति का साकार रूप हिन्दी महाविद्यालय ने विगत 57 वर्षों में बार-बार यह सिद्ध किया है कि हिन्दी माध्यम से उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों का भविष्य उत्कृष्ट एवं उज्जवल बना है। सुप्रसिद्ध समाज सेवी पन्नालाल पित्ती जी का संस्था की स्थापना में जो अतुल्य योगदान है वह चिरस्मरणीय है। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय भवन का शिलान्यास आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीलम संजीव रेड्डी के करकमलों से हुआ था।

संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त, पूर्व कार्यदर्शी गंगाराम, खंडेराव कुलकर्णी सहित अनेक हिन्दी सेवियों के निःस्वार्थ योगदान और समर्पण की यहां की हर शिला साक्षी है। कला महाविद्यालय के रूप में स्थापित हिन्दी महाविद्यालय ने प्रगति के सोपान तय करते हुए अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। वर्ष 1969 में वाणिज्य तथा वर्ष 1971 में विज्ञान का अध्ययन-अध्यापन प्रारंभ हुआ। वर्ष 1991 में माननीय राज्यपाल कृष्णकांत के आशीर्वाद से संस्था ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम.एम. हिन्दी के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वास्तव में इस संस्था ने उत्तर को दक्षिण से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

सभी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में इस संस्था ने दक्षिण भूमि पर असंभव को संभव बनाया। छात्रों के चतुर्दिक विकास को

केंद्र में रखते हुए नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम से क्रमशः वर्ष 2007-08 में बी.एससी तथा 2011-12 में बी.बी.ए. पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। उपलब्धियों की दृष्टि से वर्ष 2012-13 महत्वपूर्ण रहा है। उसी वर्ष हिन्दी स्नातकोत्तर विभाग स्वायत्तता की परिधि में आ गया तथा स्वतंत्र परीक्षा विभाग की स्थापना हुई। स्वायत्तता के अंतर्गत परीक्षाओं से जुड़ी गतिविधियों के लिए गठित परीक्षा विभाग को भी आधुनिक तकनीक से युक्त किया गया है। छात्रों के लिए सभी सूचनाएं वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। स्वायत्तशासी संस्था के रूप में हिन्दी महाविद्यालय ने विकास के कई चरण पूर्ण किये हैं। संस्था अपने विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता के लिये कटिबद्ध है। संस्था उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध रहते हुए नवीन पाठ्यक्रमों की रचना करने और उनका संचालन करने में स्वतंत्र है।

छात्रों को उच्चतम शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हुए सुप्रसिद्ध सामाजिक विभूति स्वर्गीय माणिकचंद गुप्त के आर्थिक सहयोग से महाविद्यालय परिसर में जेएनटीयू से संबद्ध एम सी गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एमबीए) की स्थापना की गयी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से कौशल विकास योजना से जुड़े पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की नीति के अंतर्गत वर्ष 2015 से बी. वोकेशनल स्टडीज के अधीन स्नातक स्तर पर बैंकिंग एंड इंश्योरेंस तथा हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि अकादमिक वर्ष 2016-17 में बी.एससी स्तर पर बायोटेक्नॉलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, गणित, सांख्यिकी, भौतिकशास्त्र तथा कंप्यूटर साइन्स से जुड़े पाठ्यक्रमों का नवीनीकरण हुआ है। आज इन सभी पाठ्यक्रमों में छात्रों की प्रवेश संख्या बढ़ी है। विज्ञान विषयों की सभी प्रयोगशालाएं आधुनिक उपकरणों से लैस हैं।

कंप्यूटर ज्ञान एवं अंग्रेजी संप्रेषण कौशल को महत्व देते हुए सभी संकायों के विद्यार्थियों के लिये विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। अंग्रेजी विभाग वाणिज्य विभाग एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र लगभग 78 इंटरनेट युक्त कंप्यूटरों से संपन्न है। महाविद्यालय समिति द्वारा आधारभूत शिक्षा के विकास एवं विस्तार के तहत प्रतिवर्ष नगर स्थित एकल शिक्षक विद्यालयों को भी अनुदान राशि दी जा रही है।

यहां का पुस्तकालय इस संस्था की धुरी है और नगरद्वय के शोधार्थियों का लिए आकर्षण का केंद्र है। यह कला, वाणिज्य, विज्ञान, सामान्य ज्ञान संदर्भ ग्रंथों और साहित्य से जुड़ी 45,000 पुस्तकों से समृद्ध है। इसके अतिरिक्त विद्यालय एवं विद्यालयेतर अध्येताओं के लिए पृथक रूप से अध्ययन कक्ष की व्यवस्था की गयी है। छात्रों के चतुर्दिक विकास को ध्यान में रखते हुए सन् 1998 में स्थापित क्रिकेट कोचिंग अकादमी में प्रशिक्षित विद्यार्थी क्रिकेट जगत में कीर्ति अर्जित कर रहे हैं। अकादमी की प्रमुख विशेषता यह है कि यह नगरस्थ विकलांग, खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षण दे रही है। महाविद्यालय के विशाल खेल मैदान में ओपन स्टेडियम बनाया गया है। यह राज्य स्तर की खेल स्पर्धा और प्रतियोगिताओं का आकर्षण स्थल है। युवा शक्ति का प्रतीक एनसीसी इकाई वर्ष 1994 से सक्रिय है। इस इकाई में संप्रति 125 से अधिक कैडेट्स प्रशिक्षणाधीन हैं। वर्ष 2017 में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का नवीनीकरण किया गया है, जिसमें वर्तमान में 100 से अधिक छात्रों ने राष्ट्रसेवक के रूप में प्रवेश लिया है। इस इकाई का उद्देश्य श्रेष्ठ नागरिक के रूप में छात्रों को सामाजिक सेवा कार्यों की दिशा में प्रोत्साहित करना है।

सेल्फ फाइनांस संस्था के रूप में महाविद्यालय द्वारा शिक्षा का निरंतर विस्तारीकरण करते हुए अकादमिक वर्ष 2017-18 से अंग्रेजी माध्यम से ही बी.कॉम कंप्यूटर तथा वर्ष 2018-19 से स्नातकोत्तर स्तर पर एम.कॉम प्रारंभ किया गया है। यहाँ स्नातक स्तर पर बीएससी मेथमेटिक्स, फिजिक्स, केमेस्ट्री, बी.वोकेशनल योगा तथा अकाउंटेंसी एवं स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एससी मेथमेटिक्स, स्टैटिसटिक्स, एम. कॉम तथा एम.ए. स्तर पर शिक्षा प्रदान की जा रही है। स्वर्गीय चेयरमेन एमिरेट्स श्री सुरेंद्र लूणिया जी का स्वप्न डायमंड जुबिली ब्लॉक स्टेडियम के ऊपरी भाग में करीब 3,300 वर्ग फीट पर पूर्ण हो चुका है। इस भवन में वाणिज्य, प्रबंधन एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (स्किल डेवलपमेंट) की कक्षाएँ सुचारू रूप से चल रही हैं। भवन में 33 कक्षाओं तथा स्टॉफ रूम की व्यवस्था है। उत्तम शिक्षा के सभी मानदंडों को चरण दर चरण पूर्ण करने में क्रियाशील तथा दृष्टि 2030 के लक्ष्यों की सृष्टि की ओर निरंतर अग्रसर हिन्दी महाविद्यालय आज प्रगति के उच्च शिखर पर विराजमान है।

*** डॉ. सुरभि दत्त**
एवं डॉ. रजनी धारी

विश्वभाषा हिंदी

सहस्त्रों वर्षों की संपत्ति है हिंदी भाषा
सकल जन संघ की संगी भाषा
सुधा की निधि है हिंदी भाषा
भारत की यह भव्य भाषा
नवरस साहित्य की भाषा
नवनीत स्वाद,सुनाद-सुराग भाषा
सुवर्ण,सुविशाल इतिहास की भाषा

आदिकाल की अमृत भाषा
वीरगाथाओं की विपुल भाषा
चंदबरदाई की कीर्ति की चंदन भाषा
जगनिक कलम की जनपद भाषा
विद्यापति के विख्यात लोकगीत की भाषा

रीतिकाल की ख्याति भाषा
कविवर वृंद की नीति भाषा
भूषण का आभूषण भाषा
चिंतामणि के चित्त-मन की भाषा
बिहारी के गागर में सागर की भाषा

भक्तिकाल के ऐक्य राग की आध्यात्मिक भाषा
भजन कीर्तन की मनभावन भाषा
संत कबीर के मानवीय मूल्यों की भाषा
सूर के कंठ में कृष्ण लीलाओं की भाषा
तुलसी कृति-सुधा रामचरित की रमणीय भाषा
मीरा के हिय में गोपाल के गान की भाषा
रैदास के पद में अमूल्य रत्न की भाषा
रहीम की नीति और प्रेम संदेश की भाषा

आधुनिक काल का आधार है यह हिंदी भाषा
भारतेंदु के निज विचार उन्नत की अत्युत्तम भाषा
हरिऔध के प्रिय प्रवास की प्रीति भाषा
प्रेमचंद का सम समाज पथ निर्माण की भाषा
यशपाल के यश गाने वाली क्रांति की भाषा
पंत के वर्णन में, प्रकृति के सरगम की भाषा
आज्ञेय की यात्रा में नावों की झंकार भाषा
हिंदीतर भाषी, रंगेयराघव की संगी भाषा
दिनकर के कुरुक्षेत्र में धर्मोपदेश की भाषा
जयशंकर की कामायनी की कमनीय भाषा
लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा, सुभद्रा की रौद्र भाषा

विश्व पटल पर अटल बिहारी का
अद्भुत भाषण की गौरव भाषा
विजय ध्वज फहराने विजयी भाषा
अनंत कलमों की आत्मीय भाषा
ज्ञानपीठ सम्मान की भाषा
विद्यालयों में छात्रों के
भविष्य निर्माण पाठ की भाषा

आजादी की अमर कहानी समर की भाषा
राष्ट्र विकास में चैतन्य की भाषा
राज-काज के भार संभालने वाली
भारत का भाग्य राजभाषा

विदेशी विश्वविद्यालयों में
विराजमान है हिंदी भाषा
विश्व भर में अपनी सुगंध फैलाकर
सुना रही है जय-जयकार
विश्व के कंठ में हिंदी की अमृत धार
बिन हिंदी के जग में सांझ न भोर।

के.एल.प्रभाकर प्राणसुमन,
जहीराबाद, तेलंगाना।

हिंदी भाषा भारत की गौरवमयी संस्कृति एवं परंपरा की प्रतीक

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं। भारत विविधताओं का देश है। यह विविध भूमि, विविध लोगों, विविध संस्कृतियों और विविध भाषाओं का देश है। हिन्दी भाषा भारत की गौरवमयी संस्कृति एवं परंपरा की प्रतीक है । हिन्दी संवैधानिक रूप से भारत की राजभाषा के साथ-साथ भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हिन्दी दिवस हर साल 14 सितंबर को देशभर में मनाया जाता है। वर्ष 1949 में 14 सितंबर को संविधान सभा ने एकमत होकर इसे भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।

राजभाषा विभाग के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए हमारा संस्थान इस वर्ष 14-29 सितंबर, 2024 के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन कर रहा है। संस्थान द्वारा हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ 14 सितम्बर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली से किया जायेगा। हमारा संस्थान गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए वचनबद्ध है। मैं ग्रामों में बसे करोडों भारतवासियों के विकास द्वारा राष्ट्र के विकास में पिछले 6 दशकों से कार्यरत राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के महानिदेशक के रूप में कार्य कर रहा हूं और इस संस्थान में हिन्दी भाषा के माध्यम से ग्राम विकास कार्यों से जुड़ा हुआ हूं। हमारा संस्थान ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है जो ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है। संस्थान में ग्रामीण विकास से जुड़े

व्यवसायियों से लेकर उच्च कार्यपालकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं, पीआरआई के चयनित प्रतिनिधियों, बैंकर्स, एनजीओ तथा अन्य स्टेकहोल्डरों का प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्श जैसे अंतर संबंधित क्रियाकलापों द्वारा क्षमता निर्माण करता है। एक शीर्ष क्षमता निर्माण संस्थान होने के नाते एनआईआरडीपीआर की पूरे भारत में एक अद्वितीय पहुंच है। हमारे संस्थान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। हमारा कार्यालय ग्रामीण विकास मंत्रालय के विचार भंडार के रूप में भी कार्य करता है।

ग्रामीण विकास की अवधारणा को साकार करने और इसे सही दिशा देने के लिए जन सहयोग और जन भागीदारी जरूरी है। ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाने की प्रतिबद्धता के साथ ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित मनरेगा, दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, प्रधान मंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, दीन-दयाल उपाध्याय-गामीण कौशल्य योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना इत्यादि अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रचार-प्रसार हिन्दी भाषा में किया जा रहा है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से हमारा कार्यालय गरीबी मुक्त गांव के सपने को साकार करने का प्रयास कर रहा है।

डॉ. जी. नरेन्द्र कुमार, आईएएस
महानिदेशक,एनआईआरडीपीआर
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान,राजेंद्रनगर, हैदराबाद

हिंदी एक ऐसी सशक्त और जीवंत भाषा है जो राष्ट्रीय चेताना जागृत करने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाती रही है। भारत में अनेक भाषाएं बोली जाती है, इसलिए हम संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय एवं प्रांतीय भाषाओं को बढ़ावा देते हैं। भाषा न केवल जनता और सरकार के बीच संवाद सेतु का काम करती है बल्कि यह हमारे कार्यक्रमों में जन सहयोग और जन भागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिंदी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग हमें उन लोगों के नजदीक ले जाता है जिनके जीवन स्तर को सुधारना और समृद्ध बनाना हमारे संस्थान के कार्यक्रमों का उद्देश्य है । हमारा संस्थान भी इस दिशा में प्रयासरत है। संस्थान राजभाषा विभाग के दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य करता है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति 2 का अध्यक्ष होने के नाते मैं समिति की नियमित बैठकों की अध्यक्षता करता हूं और उपस्थित सदस्य कार्यालय के उच्च अधिकारियों को राजभाषा हिन्दी का पूर्णतः अनुपालन करने का निर्देश भी देता हूं।

संस्थान तेलंगाना राज्य के ऐतिहासिक शहर हैदराबाद में स्थित है। हैदराबाद में मुख्य परिसर के अलावा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की आवश्यकता की पूर्ति के लिए संस्थान का उत्तर-पूर्वी प्रादेशिक केन्द्र, गुवाहाटी, और दिल्ली में भी कार्यरत है। हिंदी दिवस के अवसर पर मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि भाषा की मधुरता, सरलता, सुबोधता और सहजता से हिंदी विश्व भाषा अवश्य बनेगी, हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि हमारी सामाजिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करनेवाली तथा देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने की एक मजबूत डोर भी है जिसका प्रचार-प्रसार करना सभी की जिम्मेदारी है।

समाज, उपनिवेश, देश के आधार स्तंभ भाषा एवं संस्कृति

संस्कृति अर्थात परिष्कृत अथवा सुधारित रूप। जब कच्चे माल या सामग्री का प्रसंस्करण किया जाता है तब हमें उच्च गुणता एवं मूल्य का उत्पाद प्राप्त होता है। समाज के संदर्भ में भी हमारे आचार-विचार, रहन-सहन, भाषा-भाव का सुधारित रूप उस समाज, उपनिवेश, देश की संस्कृति कहलाती है। भारतीय संस्कृति अत्यंत सर्वसमावेशी, विशद व अनन्य है, क्योंकि भारत के एक छोर से दूसरे छोर तक विविधता अपने चरम पर होते हुए भी वह भारत को एक सूत्र में बांधे हुए है और संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने में भाषा का अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान होता है। भाषा एवं संस्कृति अनवरत रूप से एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहती हैं।

संस्कृति लोगों के रहन-सहन, वेषभूषा, आचार-विचार, भाषा-व्यवहार आदि को परिभाषित ही नहीं उनका सेवन भी करती है और उक्त सभी का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में अंतरण भी करती है और उसका माध्यम वहां की भाषा होती है। अतः किसी भी संस्कृति व भाषा को एक दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। भारत की संस्कृति एवं भाषा के संदर्भ में देखें तो भारत में संयुक्त परिवार की संकल्पना है अर्थात यहां की भाषाओं में कुछ रिश्तों के द्योतक शब्द कई हैं जैसे मामा, काका, मौसा ताऊ आदि, परंतु इनके लिए अंग्रेजी में केवल एक शब्द अर्थात अंकल पर्याप्त है। यह कहना अत्युक्ति न होगी कि किसी भी संस्कृति को वहां की भाषा एवं वहां की भाषा को संस्कृति से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। अतः भाषा एवं संस्कृति अन्योन्याश्रित है।

भारत के संदर्भ में हिंदी को वहां की सामासिक संस्कृति का संवाहक कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि भारत की विविधता को वर्षों से एकता रूपी पानी से सींचने का काम हिंदी करते रही है और आज भी बखूबी कर रही है। यह इस देश की विडंबना है कि यहां अलग-अलग समय में विदेशी आक्रांतियों का प्रभूत्व रहा, परिणास्वरूप हमनें उनकी संस्कृति के भी कुछ अंश को अपनाया और उसे अनुचित भी नहीं कहा जा सकता। परंतु विकास के नाम पर आज हम जो कर रहे हैं वह हमारी भाषा एवं संस्कृति के लिए उपयुक्त नहीं है। भारत में न्यूनतम प्राथमिक स्तर तक शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषाओं को वरीयता दी जानी चाहिए और उच्च पदों पर भर्ती हेतु आयोजित परीक्षाओं में एक विषय के रूप में अंग्रेजी की अनिवार्यता को हटाया जाना चाहिए। अन्यथा इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त कार्यों हेतु भारतीय भाषाएं सक्षम नहीं हैं। भारत की वर्तमान शिक्षा नीति काफी हद तक इसी दिशा में आगे बढ़ रही है जिसे हमें पूर्ण समर्थन देने की आवश्यकता है। हम अपनी भाषाओं के साथ ही हमारी संस्कृति का संरक्षण कर सकते हैं।

डॉ. महेश कुमार
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

देश को एकता के सूत्र में बांधती है हिंदी

भारत विविधताओं से भरा देश है। यहां अलग-अलग धर्म व जाति के लोग रहते हैं। अलग-अलग भाषाएं, बोलियां बोलने वाले, अलग-अलग वेश-भूषा, खानपान व संस्कृति के लोग रहते हैं। ये हिंदी भाषा ही है जो देश के सभी लोगों एकता के सूत्र में पिरोती है। देश को एक रखने में हिंदी का बहुत बड़ा योगदान है। साथियों हमारे देश की महान हस्तियां भी हिंदी को प्रोत्साहित करने के लिए पुरजोर समर्थन देती रही हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी को जनमानस की भाषा कहा था। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा था कि जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं पर मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता।

ये हिंदी भाषा ही है जो देश के विभिन्न धर्मों और

संस्कृतियों के लोगों को एकता के सूत्र में पिरोती है। देश को एक रखने में हिंदी का बहुत बड़ा योगदान है। 14 सितंबर का दिन इसी हिंदी को समर्पित है। मातृभाषा की उन्नति बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है तथा अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को दूर करना भी मुश्किल है। हिंदी के महत्व के मद्देनजर हर वर्ष 14 सितंबर के दिन देश में हिंदी दिवस मनाया जाता है। आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितबंर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। 14 सितंबर 1953 को पहली बार देश में हिंदी दिवस मनाया गया। तब से हर साल पूरे देश में हिंदी दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है।

रामप्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा एंड गोयल ड्रग्स, हैदराबाद

हिंदी एक भाषा नहीं बल्कि भावना है

भारतीयों के लिए हिंदी एक भाषा नहीं बल्कि एक भावना है। 14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है। इस दिन को इसलिए चुना गया क्योंकि यह ब्योहर राजेंद्र सिम्हा की जन्मतिथि है। वह एक प्रमुख हिंदी विद्वान थे और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे।

सतीश गुप्ता

हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी लिपि देवनागरी है। यह भाषा विविध भाषाई और सांस्कृतिक परिदृश्य को एक साथ जोड़ने में एकीकृत भूमिका निभाती है। एक भाषा के रूप में हिंदी संचार के माध्यम के रूप में कार्य करती है जो लोगों और क्षेत्रों को जोड़ती है, राष्ट्रीय पहचान की भावना को बढ़ावा देती है।

हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर हमें अपनी भाषा का सम्मान करने और इसके संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने की शपथ लेनी चाहिए। हिंदी दिवस का उत्सव भाषाई और सांस्कृतिक बहुलवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आधुनिकीकरण के इस दौर में विकसित होने के साथ-साथ हमारा हिंदी का ज्ञान भी कम होता जा रहा है। इस प्रकार, हिंदी दिवस का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण हिंदी को एक भाषा के रूप में बढ़ावा देना है। दूसरा कारण राष्ट्र में भाषाई इकाइयों को बढ़ावा देना है। हिंदी दिवस का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत और बहुभाषावाद को बढ़ावा देना भी है। इससे हम अपनी राष्ट्रीय पहचान, शिक्षा और साक्षरता की रक्षा कर सकते हैं। दार्शनिकों और महान शिक्षाविदों ने कहा है कि जो राष्ट्र अपनी भाषा का सम्मान और पालन नहीं करता, उसका विनाश आसान होता है। इस प्रकार, हमें अपनी विरासत को जीवित रखना चाहिए और अपनी भावी पीढ़ियों और उनकी जड़ों के ज्ञान को मजबूत करने के लिए इसका पालन करना चाहिए। आइए मिलकर इस हिंदी दिवस को मनाएं।

वर्तमान में हिंदी की प्रचलित स्थिति क्या है इसकी गति कैसी और किस ओर है

श्रुतिकान्त भारती
संचालक
मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद

दक्षिण भारत में हिंदी के पद का प्रयोग जब भी हम करते हैं तो हमारे मन में कई प्रकार के विचार आने लगते हैं। हिंदी तो उत्तर भारत के कुछ राज्यों में बोली जाने वाली भाषा है। तब फिर दक्षिण भारत में हिंदी का क्या अर्थ हुआ। इसका पहले का रूप आज से थोड़ा भिन्न था। इसे तंजाऊरी हिंदी, कर्नाटकी हिंदी या फिर दक्खिनी हिंदी आदि के नामों से अभिहित किया जाता था। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह हिंदी, हिंदवी या हिन्दुस्तानी आदि के रूप में संपूर्ण भारत में फैलती गयी। महात्मा गांधी के प्रोद् बल से यह दक्षिण में तेजी से फैलने लगी। लोग स्वतंत्रता आंदोलन, महात्मा गांधी, हिंदी का प्रचार प्रसार, देशाटन, इन सभी को एक दूसरे का पर्याय और जनता के हृदय से निकले राष्ट्र सेवा के उद्गागार मानते थे। इन जीवनोत्सर्ग की भावनाओं को लेकर वे, गांधी जी के नेतृत्व में आजादी के लिए आगे ही आगे बढ़ने में अपने-आपको और अपने जीवन को कृतार्थ समझते थे। कहीं पर भी, किसी में भी, लेश मात्र भी तेरी-मेरी की भावना नहीं थी। सभी का एक मात्र लक्ष्य था हमें विदेशी राज से आजादी पाना है। इसके लिए चाहे हमें अपनी आहुति ही क्यों न देना पडे, हम उसके लिए भी तैयार हैं। मुक्त कंठ से संपूर्ण भारतीय जनमानस की यह वाणी थी। यह वाणी अखंड थी। तभी तो हम आजाद हो पाए।

आजादी के बाद जब हमारा अपना संविधान बनने लगा, तब स्वतंत्रता आंदोलन को सुचारू रूप से चलाने में, सभी को एक सूत्र में ले आने में सफल, भारतीय जन-जन फैली जनता की वाणी देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली खडी-बोली हिंदी को, केन्द्र सरकार के सरकारी क्रिया-कलापों को चलाने के लिए तथा अपने-अपने प्रान्तों में अपनी-अपनी प्रान्तीय भाषाओं को राजकाज चलाने वाली राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया। सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक धरातल पर कहीं-कहीं, छुट-पुट संघटनाओं के अतिरिक्त संपूर्ण दक्षिण भारत में हिंदी का विकास, शिक्षा, साहित्य, व्यवसाय, प्रौद्योगिकी आदि जैसे जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रोत्साहनजनक रहा है। हिंदी की ऐसी सबल स्थिति के आधार पर उदारीकरण, वैश्वीकरण, कंप्यूटरीकरण, प्रौद्योगिकीकरण के बढ़ते चरणों के चलते हिंदी की गति न केवल दक्षिण भारत में अपितु भारत में, विश्वस्तरीय एवं विश्वव्यापी भाषाओं में द्वितीय स्थान से भी आगे अव्वल बनने के लिए अपनी सार्वभौम क्षमताओं के आधार पर दिन दूनी रात चौगुनी के रूप में बढ़ती जा रही है। अस्तु।

सीएसआईआर - भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
तारनाका, उप्पल रोड, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
औद्योगिक दृष्टिकोण एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता

दृष्टिकोण
रसायन विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट ज्ञान आधार तैयार करते हुए समाज की सेवा

- अग्रणी आधारभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान
- उन्नत अनुसंधान एवं विकास सुविधा
- प्रभावशाली प्रकाशन
- उत्कृष्ट नियोजन रिकॉर्ड
- हरा-भरा परिसर

विभाग
- विश्लेषणात्मक एवं संरचनात्मक रसायन विज्ञान
- अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान
- उत्प्रेरण एवं सूक्ष्म रसायन
- रासायनिक अभियांत्रिकी एवं प्रक्रिया प्रौद्योगिकी
- ऊर्जा एवं पर्यावरणीय अभियांत्रिकी
- फ्लोरो एवं कृषि-रसायन
- प्राकृतिक उत्पाद एवं औषधीय रसायन विज्ञान
- तेल, लिपिड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- कार्बनिक संश्लेषण एवं प्रक्रिया रसायन विज्ञान
- बहुलक एवं क्रियात्मक पदार्थ

हम रसायन और रासायनिक प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराते है। विज्ञान के भावी नायकों को तैयार करते हैं।
क्या आप हमसे जुड़ना चाहेंगे !

संपर्क:
निदेशक
सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
तारनाका, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
दूरभाष: +91-40-2719-3030
फैक्स: +91-40-2719-0387
ई-मेल: director@iict.res.in
वेबसाईट: www.iict.res.in
हमसे जुड़ें : csiriict_official iictindia @csiriict iict-csir-b371221b3

हिंदी राष्ट्र की संपर्क भाषा है

भारत एक विविधता से भरा देश है, जहां विभिन्न भाषाएं और संस्कृतियां प्रचलित हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण भाषा है हिंदी, जो भारत की राष्ट्रभाषा है। हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है, जिस दिन संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।

हिंदी भाषा का इतिहास बहुत पुराना है, जिसकी जड़ें संस्कृत में हैं। हिंदी ने समय के साथ-साथ विभिन्न रूपों में विकसित होते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। हिंदी दिवस के अवसर पर हमें हिंदी भाषा के महत्व को समझना चाहिए और इसके संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहिए। हमें हिंदी को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करना चाहिए और इसके प्रचार-प्रसार में योगदान देना चाहिए।

हिंदी भाषा भारत की राष्ट्रभाषा है, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाती है। हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह विभिन्न जातियों, वर्गों, रंगों और क्षेत्रों के लोगों को एक साथ जोड़ने की क्षमता रखती है। हिंदी भाषा का उपयोग देश के विभिन्न हिस्सों में एक संपर्क भाषा के रूप में किया जा सकता है, जो लोगों को एक दूसरे से जुड़ने और संवाद करने में मदद करती है।

डॉ. अजय अग्रवाल
ब्रिटिश संसद में अंतर्राष्ट्रीय भारत गौरव पुरस्कार प्राप्तकर्ता
गिनीज बुक रिकॉर्ड धारक और अंतर्राष्ट्रीय चैंबर ऑफ पब्लिक रिलेशंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में, सांस्कृतिक विविधता को प्रमोट करने में, शिक्षा और संचार में एक माध्यम के रूप में और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक साथ जोड़ने में हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है। आइए हम सभी हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं और इसके संरक्षण के लिए काम करें। हिंदी भाषा को संपर्क भाषा के रूप में उपयोग करने से देश में एकता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा मिल सकता है। आइए हम हिंदी भाषा को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करके इसके महत्व को समझें और इसके प्रचार-प्रसार में योगदान दें।

MIDHANI

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।
बिन निजभाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।।

हिंदी दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ

मिश्र धातु निगम लिमिटेड
(मिश्र धातुओं के लिए एकल समाधान)
www.midhani-india.in
हम हर जगह हैं मौजूद, समुद्र की गहराई से अंतरिक्ष की ऊंचाई तक

हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ

भारत डायनामिक्स लिमिटेड
BHARAT DYNAMICS LIMITED
शांति का आधार अस्त्र-बल
THE FORCE BEHIND PEACE

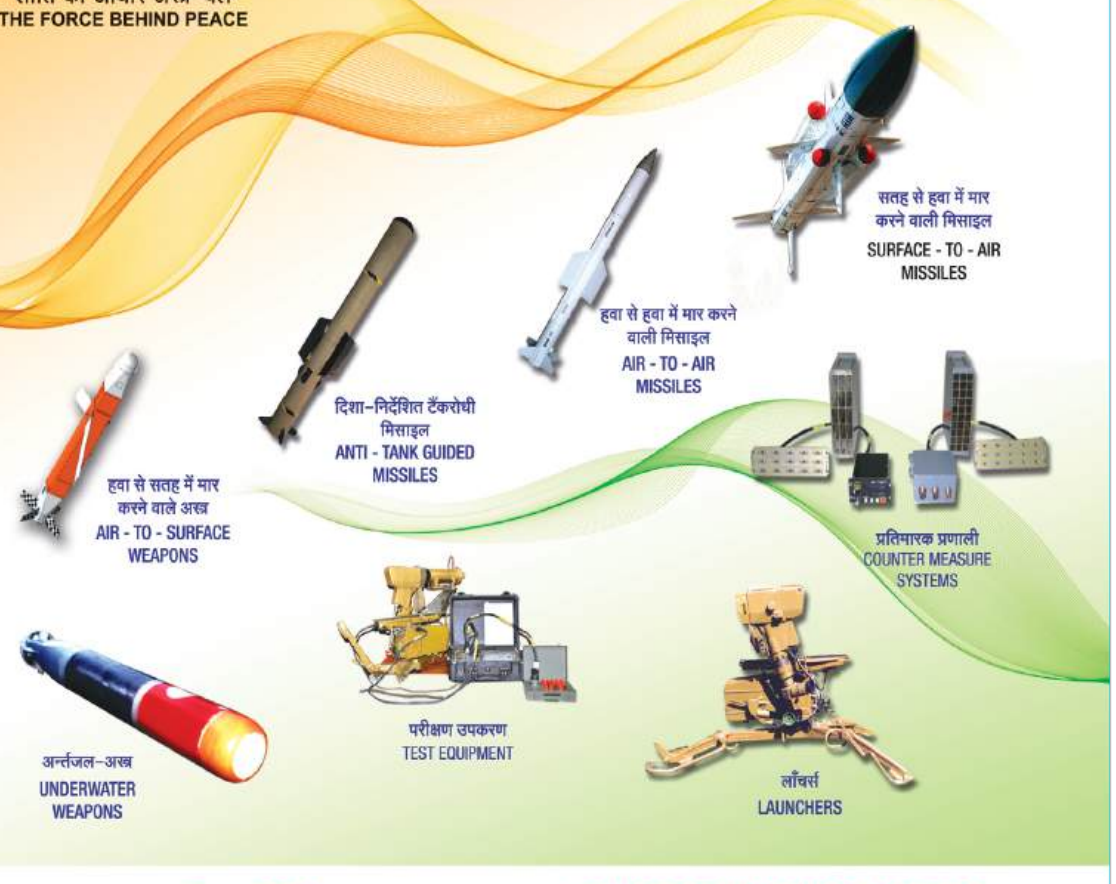

भारत डायनामिक्स लिमिटेड
- मिनीरत्न श्रेणी-1 का सार्वजनिक रक्षा उपक्रम
- एन एस ई और बी एस ई मे सूचीबद्ध
- जुलाई, 1970 में स्थापित
- परिचालन के प्रमुख क्षेत्र :
  - संचलित प्रक्षेपास्त्र और संबद्ध उपकरण
  - अंतर्जल-अस्त्र
  - वायुवाहक उत्पाद
  - भू-आधारित उपकरण
  - उत्पाद के चलने तक हमकदम

BHARAT DYNAMICS LIMITED
- A Miniratna Category - I Defence PSU
- Listed in NSE and BSE
- Incorporated in July, 1970
- Core areas of operation:
  - Guided Missiles and allied equipment.
  - Underwater Weapons.
  - Airborne Products.
  - Ground Support Equipment.
  - Product Life Cycle Support.

(भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Enterprise, रक्षा मंत्रालय Ministry of Defence)

निगम कार्यालय : प्लॉट नं 38-39, टी एस एफ सी बिल्डिंग , फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, गच्ची बाउली, हैदराबाद - 500032. तेलंगाना, भारत
ई-मेल: bdbdl@bdl-india.in वेबसाइट : www.bdl-india.in
Corporate Office : Plot No. 38-39, TSFC Building, Financial District, Gachibowli, Hyderabad - 500032. Telangana State, India
E-mail: bdbdl@bdl-india.in Website: www.bdl-india.in

किन वजहों से टूट सकता है आपका एकादशी व्रत

जान लेंगे तो नहीं करेंगे गलती

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को बहुत ही खास माना जाता है। इस तिथि पर जगत के पालनहार कहे जाने वाले भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसे में भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष में आने वाली एकादशी को परिवर्तिनी या जलझूलनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, इस बार परिवर्तिनी एकादशी का व्रत शनिवार, 14 सितंबर को किया जाएगा। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आपकी किन गलतियों की वजह से आपका एकादशी व्रत टूट सकता है।

भोग लगाते समय इस बात का रखें ध्यान

भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है और इसके बिना विष्णु जी का भोग अधूरा माना जाता है। ऐसे में जब आप एकादशी तिथि पर श्रीहरि को भोग अर्पित करें, तो तुलसी दल जरूर डालें। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि एकादशी तिथि पर तुलसी नहीं तोड़नी चाहिए। इसलिए तुलसी के पत्ते एक दिन पहले उतार कर रख लें। इसी के साथ एकादशी की पूजा में व्रत कथा का पाठ जरूर करें, तभी आपका व्रत पूर्ण माना जाता है।

न करें ये काम

एकादशी के दिन चावल खाना वर्जित माना गया है। इससे आपका व्रत टूट सकता है। यहां तक की व्रत न करने वाले व्यक्ति को भी चावल ग्रहण नहीं करना चाहिए। एकादशी पर दिन सोना भी शुभ नहीं माना जाता। ऐसा करने से भी साधन का व्रत टूट सकता है। इसके स्थान पर आप श्री हरि का ध्यान करें और भजन कीर्तन करें।

इस बात का रखें ध्यान

एकादशी के दिन भूलकर भी काले रंग के कपड़े न पहने, ऐसा करना बहुत ही अशुभ माना जाता है। इसके स्थान पर आप भगवान विष्णु के प्रिय रंग यानी पीले रंग के वस्त्र धारण कर सकते हैं। साथ ही एकादशी की पूजा में भी अधिक-से-अधिक इस रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे पूजा में पीले फूल-फल, पीली मिठाई आदि का इस्तेमाल करें।

अनंत चतुर्दशी क्यों मनाई जाती है

इस दिन अनंत सूत्र बांधने का क्या है महत्व

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर अनंत सुख देने वाला अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। मान्यता है सालभर में इस दिन श्रीहरि की पूजा कर ली जाए तो 14 साल तक अनंत फल प्राप्त होता है।

पांडवों को भी इस व्रत के प्रताप से खोया राजपाठ मिला था। इस साल अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर 2024 को है। जानें अनंत चतुर्दशी क्यों मनाई जाती है, इस दिन का महत्व, कथा।

अनंत चतुर्दशी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय में सुमंत नामक ब्राह्मण अपनी बेटी दीक्षा और सुशीला के साथ रहता था। सुशीला जब विवाह लायक हुई तो उसकी मां का निधन हो गया। सुमंत ने बेटी सुशीला का विवाह कौंडिन्य ऋषि से कर दिया। कौंडिन्य ऋषि सुशीला को लेकर अपने आश्रम जा रहे थे, लेकिन रास्ते में रात हो गई तो एक जगह पर रुक गए। उस जगह कुछ स्त्रियां अनंत चतुर्दशी व्रत की पूजा कर रही थीं।

सुशीला ने भी महिलाओं से उस व्रत की महीमा जानी और उसने भी 14 गांठों वाला अनंत धागा पहन लिया और कौंडिन्य ऋषि के पास आ गई लेकिन कौंडिन्य ऋषि ने उस धागे को तोड़कर आग में डाल दिया, इससे भगवान अनंत सूत्र का अपमान हुआ। श्रीहरि के अनंत रूप के अपमान के बाद कौंडिन्य ऋषि की सारी संपत्ति नष्ट हो गई और वे दुखी रहने लगे।

फिर कौंडिन्य ऋषि उस अनंत धागे की प्राप्ति के लिए वन में भटकने लगे। एक दिन वे भूख-प्यास से जमीन पर गिर पड़े, तब भगवान अनंत प्रकट हुए।

उन्होंने कहा कि कौंडिन्य तुमने अपनी गलती का पश्चाताप कर लिया है। अब घर जाकर अनंत चतुर्दशी का व्रत करो और 14 साल तक इस व्रत को करना। इसके प्रभाव से तुम्हारा जीवन सुखमय हो जाएगा और संपत्ति भी वापस आ जाएगी। कौंडिन्य ऋषि ने वैसा ही किया, जिसके बाद उनकी धन, संपत्ति वापस लौट आई और जीवन खुशहाल हो गया।

गणेश विसर्जन के बाद दूर्वा और नारियल का क्या करें?

गणेश चतुर्थी पर बप्पा का आगमन हुआ था अब अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन किया जाएगा। गणेश विसर्जन के बाद बप्पा को चढ़ाई दूर्वा, नारियल से ये उपाय करें, सुख-समृद्धि आती है।

गणेश चतुर्थी पर स्थापना के दौरान जो कलश स्थापित किया है बप्पा के विसर्जन के बाद उस जल को पूरे घर में छिड़कें और बचे हुए जल नीम, पीपल, बरगद के पेड़ में डाल दें या घर के ही गमलों में भी डाल सकते हैं। इससे सुख-समृद्धि का वास होता है। गणेश विसर्जन के दिन गणपति जी को पूजा में दूर्वा अर्पित करें। विसर्सन के दौरान थोड़ी सी दूर्वा बचा लें और इसे धन स्थान या तिजोरी में रख दें। कहते हैं इससे धन की कभी कमी नहीं होती। पैसों की तंगी दूर होती है। बरकत आती है। गणेश विसर्जन के समय कलश पर रखा नारियल फोड़ें फिर इसे सभी में बांट दें। गणेश विसर्जन के समय कलश पर रखा नारियल फोड़ें फिर इसे सभी में बांट दें। गणेश विसर्जन के लिए अनंत चतुर्दशी का दिन सबसे शुभ माना जाता है। इस दिन गणेश उत्सव के 10 दिन पूरे होते हैं। बप्पा अपने भक्तों को आशीर्वाद लेकर अपने लोक लौट जाते हैं। गणेश विसर्जन से पहले हवन करने का विधान है। इससे पूजा पूर्ण मानी जाती है। हवन सामग्री में जीरा और काली मिर्च डालकर हवन करें। तंत्र शास्त्र के अनुसार यह धनदायक होता है।

लक्ष्मी जी की कृपा दिला सकते हैं केवल ये 8 नाम

महालक्ष्मी व्रत पर करें जाप

हिंदू पंचांग में माना गया है कि हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से महालक्ष्मी व्रत की शुरुआत होती है। वहीं इस व्रत की समाप्ति आश्विन माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर होती है। ऐसे में महालक्ष्मी व्रत लगभग 16 दिनों तक किया जाता है। इस साल इस व्रत की शुरुआत बुधवार, 11 सितंबर से हो चुकी है, जिसका समापन मंगलवार, 24 सितंबर पर होगा।

ये हैं अष्ट लक्ष्मी के नाम -

आदि लक्ष्मी – मां लक्ष्मी के पहले स्वरूप का नाम आदि लक्ष्मी है। लक्ष्मी जी के इस स्वरूप की पूजा-अर्चना करने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

धनलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के दूसरे स्वरूप को धनलक्ष्मी कहा जाता है। पुराणों में वर्णन मिलता है कि मां लक्ष्मी ने यह स्वरूप भगवान विष्णु को कुबेर के कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिया था। ऐसे में देव के इस स्वरूप की आराधना से साधक को कर्ज से मुक्ति मिल सकती है।

धान्यलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के तीसरे स्वरूप का नाम धान्य लक्ष्मी है। जैसा कि नाम से ही ज्ञात होता है, मां लक्ष्मी का यह स्वरूप संसार में धान्य यानी अन्न के रूप में वास करती हैं।

संतान लक्ष्मी – मां लक्ष्मी के चौथे स्वरूप को संतान लक्ष्मी कहा जाता है। देवी के इस रूप की आराधना से देवी भक्तों की रक्षा अपने संतान के रूप में करती हैं।

गजलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के पांचवें स्वरूप का नाम गज लक्ष्मी है। इस स्वरूप में मां लक्ष्मी हाथी के ऊपर कमल के आसन पर विराजमान हैं। ऐसा कहा जाता है कि मां गजलक्ष्मी की उपासना से कृषि में लाभ देखने को मिलता है।

वीर लक्ष्मी – मां लक्ष्मी के छठे स्वरूप का नाम वीर लक्ष्मी है। माता लक्ष्मी ने इस स्वरूप में अपने हाथों में तलवार और ढाल जैसे अस्त्र-शस्त्र लिए हुए हैं। मां लक्ष्मी का यह स्वरूप युद्ध में विजय दिलाता है।

विजयलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के सातवें स्वरूप का नाम विजय या जय लक्ष्मी भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि विजयलक्ष्मी की पूजा-अर्चना से जीवन के हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है।

विद्यालक्ष्मी – मां लक्ष्मी के आठवें स्वरूप का नाम विद्या लक्ष्मी है। मां लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा ज्ञान, कला तथा कौशल की प्राप्ति के लिए की जाती है। साथ ही विद्यालक्ष्मी की साधना से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

13 नंबर को क्यों माना जाता है इतना अशुभ

ज्योतिष शास्त्र में बताए गए हैं इसके कारण

ईसाई धर्म में माना जाता है कि जब भी 13 तारीख शुक्रवार के दिन पड़ती है, उस दिन कोई-न-कोई अशुभ घटना जरूर घटती है। इस तारीख पर फ्राइडे द 13 नामक एक फिल्म भी बनी है, जो काफी हिट भी रही। साथ ही आपने यह भी देखा होगा कि कई इमारतों में 12वीं मंजिल के बाद सीधा 14वीं मंजिल होती है। ऐसे में चलिए ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जानते हैं कि 13 नंबर को इतना अशुभ क्यों माना जाता है।

ज्योतिष शास्त्र से जुड़ी मान्यताएं

अंक 13 पर बृहस्पति का भी प्रभाव होता है। बृहस्पति ग्रह को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, लेकिन जब बृहस्पति किसी राशि में 13वें स्थान पर होते हैं, तो इसका अशुभ प्रभाव पड़ता है।

करना पड़ता है संघर्ष

चंद्रमा चक्र में 13 चरण होते हैं, लेकिन 13वें चरण में चंद्रमा घटने लगता है। इसलिए इसे गिरावट से जोड़कर देखा जाता है। वहीं मंगल ग्रह को ऊर्जा और आक्रामकता से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में जब यह ग्रह किसी राशि के 13वें अंश में होता है, तो उस जातक को संघर्ष का सामना करना पड़ता है।

क्या कहती हैं हिंदू धर्म की मान्यताएं

लेकिन अगर धार्मिक दृष्टि से देखा जाए, तो 13 तारीख को काफी शुभ माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, त्रयोदशी तिथि को भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए शुभ माना जाता है। वहीं, महाशिवरात्रि का पर्व भी माघ माह के 13वें दिन पर पड़ता है। इतना ही नहीं सावन और भाद्रपद की इसी तिथि पर महिलाओं द्वारा तीज का किया जाता है।

इस दुर्लभ पेड़ के नीचे आराम करते थे श्रीकृष्ण

लोग आज भी बांधते हैं डोर, सारी मुरादें हो जाती हैं पूरी!

भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं के कई किस्से आपने सुने होंगे। मथुरा से गोकुल पहुंचने के बाद जब श्री कृष्ण ने यहां पर चलना सीखा। चलने के साथ-साथ यहां पर अपनी लीलाओं को भी किया। गोकुल में एक

वृक्ष ऐसा है, जिसके नीचे भगवान कृष्ण विश्राम करते थे।

सप्तमी की वह काली रात और कड़कड़ाती बिजली, घनघोर बारिश के बीच श्री कृष्ण को मथुरा की जेल से गोकुल ले जाया गया। यहां से वासुदेव श्री कृष्ण को गोकुल के लिए ले गए। यहां से चलने के साथ-साथ यमुना जी भी श्री कृष्ण के चरणों को स्पर्श करना चाहती थीं। जैसे ही वासुदेव ने यमुना में कदम रखा तो एक बार तो यमुना जी उनके चरणों को स्पर्श करने के लिए धीरे-धीरे अपना रूप बदलने लगीं। जब तक कृष्ण के चरणों का स्पर्श नहीं किया, तब तक वह उफान लेती रहीं।

श्री कृष्ण के चरणों का स्पर्श होने के बाद वह स्वत ही अपनी अवस्था में पहुंच गईं। वासुदेव ने बाबा नंद के यहां कृष्ण को छोड़ दिया और वहां से योग माया लेकर उन्हें मथुरा कारागार में आ गए। नंद भवन में आज भी एक पेड़ द्वापर कालीन समय से खड़ा हुआ है। इस पेड़ को पारस नाम से जाना जाता है। यहां पर यह द्वापर कालीन समय से लगा हुआ है।

इस पेड़ को भगवान श्री कृष्ण के जमाने से देखा चला आ रहा है। यह पेड़ देखने में पीपल से अलग-अलग लगता है। इसलिए इसे पारस नाम दिया गया है। क्योंकि यह पेड़ अद्भुत है। नंद भवन के अलावा आपको कहीं भी देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस पेड़ पर जो भी अपनी मनौती की डोर बांधता है। उसकी सारी मनोकामना पूर्ण हो जाती है और यहां आने के बाद जो व्यक्ति मनौती पूर्ण हो जाती है। वह अपनी श्रद्धा के अनुसार भगवान को भोग अर्पित करते हैं।

दुर्गा पूजा कब है, नोट कर लें महालया से दशहरा तक की तिथियां

हिंदू धर्म में दुर्गा पूजा का उत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान मां दुर्गा ने अलग-अलग नौ रूपों की अराधना की जाती है।

महालया से शुरू होकर दुर्गा पूजा का उत्सव विजयादशमी तक चलता है। आइये जानते हैं इस साल कब है दुर्गा पूजा। साथ ही जानते हैं महालया से लेकर विजयादशमी तक की महत्वपूर्ण तिथियां और इससे जुड़े महत्व-

दुर्गा पूजा 2024 कब

पंचांग के अनुसार दुर्गा पूजा अश्विन महीने के शुक्ल की प्रतिपदा तिथि से दशमी तिथि तक मनाया जाता है। जो आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर के महीने में पड़ती है। इस साल दुर्गा पूजा 2 अक्टूबर 2024 को शुरू होगी और इसका समापन 12 अक्टूबर 2024 को होगा। दूर्गा पूजा में षष्ठी से लेकर दशमी तक की तिथियां महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

महालया 2024 कब

मान्यता है कि महालया के दिन ही मां दुर्गा का आगमन धरतीलोक पर होता है। महालया का दिन 15 दिनों के पितृपक्ष के अंत का भी प्रतीक है। पितृपक्ष के अंतिम दिन ही महालया होती है, जोकि इस साल 2 अक्टूबर 2024 को है। इस दिन को सर्वपितृ अमावस्या या महालया अमावस्या के नाम से जाना जाता है।

दुर्गा पूजा 2024 कैलेंडर

महालया	2 अक्टूबर
महापचंमी	8 अक्टूबर
महाषष्ठी	9 अक्टूबर
महा सप्तमी	10 अक्टूबर
महाअष्टमी	11 अक्टूबर
महानवमी	12 अक्टूबर
विजयादशी या दशहरा	12 अक्टूबर

दुर्गा पूजा का महत्व

दुर्गा पूजा को लेकर कई कथाएं व मान्यताएं प्रचलित हैं। धार्मिक पौराणिक कथा के अनुसार, दुर्गा पूजा के दौरान देवी दुर्गा अपने बच्चों संग मायके जाती हैं।

साथ ही यह पर्व भारतीय हिंदू संस्कृति की आध्यात्मिकता, एकता, महिला शक्ति, अधर्म के प्रति धर्म की जीत और सांस्कृतिक विधिवता का भी प्रतीक है।

धार्मिक मान्यता यह है कि, मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस के साथ 9 दिनों तक युद्धि किया और आश्विन शुक्ल की दशमी के दिन ही उसका वध किया। इसलिए हिंदू धर्म में दुर्गा पूजा के दौरान नौ दिनों तक देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा होती है और दसवें दिन विजयादशमी मनाई जाती है।

योगी के मंत्रियों ने अखिलेश यादव पर किया चौतरफा हमला

लुटेरों डकैतों की कोई जाति नहीं होती

सिपाही शैलेश राजभर को किसने मारी थी गोली?

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई कैबिनेट मंत्रियों ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर निशाना साधा। सुल्तानपुर डकैती प्रकरण पर उनके बयान को लेकर मंत्रियों ने आईना दिखाते हुए कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। सर्राफा एसोसिएशन ने भी सुल्तानपुर डकैती के खुलासे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस की तारीफ की है। इन लोगों ने पूछा कि अब अखिलेश यादव बताएं मंगेश अपराधी था कि नहीं। वह किसी अपराधी को लेकर भला कैसे प्रेस कांफ्रेंस कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जबसे उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से कानून व्यवस्था चुस्त और

अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं। सुल्तानपुर में ज्वेलर्स के यहां हुई दिनदहाड़े डकैती में सपा समेत विपक्षी पार्टियों के लोग डकैतों के संरक्षण का काम कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सुल्तानपुर की घटना में सरकार ने गंभीरता से जांच कराई है। तथ्यों पर जानकारी एकत्र की है, जो लोग वांछित थे सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन निकाल, वांछित लोगों की पहचान कर कार्रवाई की। सुल्तानपुर की घटना हो या प्रदेश की अन्य घटना, समाजवादी पार्टी हमेशा अपराधियों के समर्थन में रही है। जिसके यहां अपराध हुआ उस ज्वेलर्स के समर्थन समाजवादी पार्टी के मुखिया की तरफ से एक भी शब्द नहीं निकले। समाजवादी पार्टी अपराधियों के साथ खड़ी रहती है। जिस बेटी के साथ रेप हुआ है, सपा उसकी बजाय अपराधियों के साथ खड़ी नजर आई।

सुल्तानपुर घटना में वांछित अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान अपराधी के एनकाउंटर पर अब समाजवादी पार्टी जाति के आधार पर उसके समर्थन में जुट गई है।

हमारे सरकार की प्रतिबद्धता है कि अपराधी अपराधी होता है, अपराधी कोई जाति नहीं होता। हमारे साथ सर्व समाज के लोग जुड़े हुए हैं। घटना में वांछितों के घर से लूट का 2.5 किलो से अधिक सोना बरामद हुआ। जनता जानती है कि समाजवादी पार्टी की जब-जब सरकार रही है, अपराधियों को पुष्पित पल्लवित करती रहती है। सपा राज में राजधानी लखनऊ में हजरतगंज के क्षेत्राधिकारी को लोहिया वाहिनी के गुंडो ने बोनट पर घुमाया था।

जीप को ले जाकर एसएसपी लखनऊ के बंगले में घुसा दिया गया था। आज तक उस घटना में कितनों की सजा हुई। यह समाजवादी पार्टी जानती है। बदायूं और मथुरा के जवाहर बाग कांड को कौन भूल सकता है। इसमें पुलिस अधिकारी वीरगति को प्राप्त हुए थे। मुजफ्फरनगर में हमारी एक बहन बेटी के साथ दुर्व्यवहार हुआ था। मुजफ्फरनगर दंगे में कितने निर्दोष मारे गए थे, समाजवादी पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि सुल्तानपुर एनकाउंटर के बारे में विपक्ष के लोग उल्टा-पुल्टा बयान दे रहे हैं। अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। इनकी सरकार में अखिलेश निषाद को मार दिया गया था। उन्होंने कहा कि अयोध्या मछुआ समुदाय के लिए ऐतिहासिक जगह है। अयोध्या में गोली चलाने वाले उसके विकास को क्या जानेंगे।

अयोध्या के बारे में कुछ बोलने का मतलब निषाद समाज के बारे में कहना है। यूपी पहले बीमारू राज होता है, आज उत्तर प्रदेश विकास की राजधानी है।

कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि योगी सरकार जाति के आधार पर काम नहीं करती है। मैं उत्तर प्रदेश पुलिस को बधाई देता हूं कि सुल्तानपुर डकैती का निष्पक्ष तरीके से

अनावरण किया है। आखिर अखिलेश यादव किसी अपराधी को लेकर कैसे प्रेस कांफ्रेंस करते हैं जबकि आज प्रदेश के लॉ एंड आर्डर को लेकर हर जगह सराहना हो रही है। उन्होंने अयोध्या मामले पर अखिलेश यादव के बयान को गलत बताया है। लोकसभा चुनाव में झूठ बोलकर अखिलेश यादव जीते चुके हैं, लेकिन काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सर्राफा एसोसिएशन ने सुल्तानपुर डकैती के खुलासे पर पुलिस की तारीफ है। अब अखिलेश यादव ही बताएं कि वह अपराधी था या नहीं। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई में जब पुलिसकर्मी भी शहीद हो जाते हैं तब अखिलेश यादव क्यों कुछ नहीं बोलते हैं। ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव से पूछा कि सिपाही शैलेष राजभर को गोली किसने मारी, यह जवाब भी मिलना चाहिए। सपा अब कांग्रेस के अलगावाद पर चल रही है। अखिलेश यादव अब चोर और लुटेरों की तस्वीर में अपने लोगों को खोज रहे हैं। अपराधियों को टिकट देना और उनको नेता बनाना पहले से इनका इतिहास रहा है।

सपा नेता अखिलेश यादव के बयान पर भड़के साधु-संत

मुख्तार-अतीक को गोद में बिठाने वाले क्या जानेंगे संत और माफिया का फर्क

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के बयान पर सूबे के साधु-संत नाराज हैं। धर्माचार्यों ने अखिलेश पर कहा कि मुख्तार-अतीक को गोद में बिठाने वाले मठाधीश और माफिया का फर्क और मठ-मंदिर की मर्यादा क्या जानेंगे। संतों ने कहा कि मानसिक संतुलन खो बैठे अखिलेश को ईश्वर सद्बुद्धि प्रदान करें। मठाधीश को माफिया से जोड़ना निकृष्टता का परिचायक है। संतों ने कहा, अखिलेश यादव का बयान बेहद निंदनीय है।

श्री पंचायती अखाड़ा उदासीन निर्वाण के महंत दुर्गा दास ने कहा,

योगी आदित्यनाथ जिस गद्दी के पीठाधीश्वर हैं, वह बहुत पूज्यनीय है। मठाधीश तो सभी संत होते हैं, सबकी गद्दी होती है। अखिलेश यादव का ऐसा कहना गलत बात है। मठाधीश की तुलना सनातन धर्म में भगवान से की गई है। मठाधीश को माफिया से जोड़ना निकृष्टता का परिचायक है।

आगरा स्थित श्री मनकामेश्वर मंदिर के महंत योगेश पुरी महाराज ने कहा, मठाधीश तो वो भी हैं, राज सत्ता वो भी चलाते हैं। अखिलेश अगर कह रहे हैं कि मठाधीशों और माफिया में कोई अंतर नहीं है तो पहले वह अपने को देखें। उन्होंने क्या किया है? जिसके पिता ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाई थीं, जिनके मंत्री श्रीराम के बारे उल्टी सीधी बातें करें। उनकी मंशा मठों के प्रति क्या होगी, यह सब समझ सकते हैं। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें।

श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के सचिव संत यमुना पुरी ने कहा, अखिलेश यादव मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। जिसके पिता ने अपने शासन में अयोध्या में राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। उनका रक्त बहाया। जिन्होंने मुख्तार और अतीक अहमद जैसे माफिया को गोद में बिठाकर उनका संरक्षण किया, उन्हें मठाधीश और माफिया में फर्क कैसे समझ आएगा।

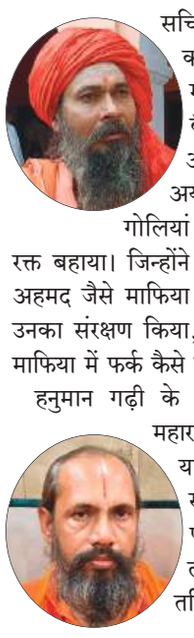

हनुमान गढ़ी के संत वरुण दास जी महाराज ने कहा, अखिलेश यादव को लुटेरों और सज्जनों में अंतर नहीं पता है। यह तुलनात्मक दृष्टिकोण से तनिक भी ठीक नहीं है। माफिया विध्वंस-असामाजिक कार्यों में शामिल होता है और मठाधीश संस्कृति बचाने के लिए सार्वभौमिक जनकल्याण में लगा रहता है। उसका प्रथम ध्येय सर्वे भवन्तु सुखिनः होता है। मठाधीश भारतीय संस्कृति का संवर्धन करते हैं। यूपी का नेतृत्व कर चुके अखिलेश यादव का यह बयान अशोभनीय है।

हनुमानगढ़ी के संत डॉ. देवेशाचार्य जी महाराज ने कहा, जिस प्रदेश में सर्वाधिक संतों का निवास हैं, वहां के पूर्व मुख्यमंत्री का यह दुर्भाग्यपूर्ण बयान है। उन्हें मठाधीश व माफिया का अंतर बिल्कुल भी नहीं पता है। माफिया अराजकता फैलाकर समाज को पीड़ा देते हैं, जबकि मठाधीश मठ-मंदिर के माध्यम से संस्कार-संस्कृति फैलाते हैं और विश्व को शिक्षित-संस्कारवान बनाते हैं।

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा, अखिलेश यादव का बयान राजनीति में नीचता की पराकाष्ठा है। राजनीति में दुष्चरित्र व्यक्तियों को परिवार मानने वाले से और क्या अपेक्षा की जा सकती है। यह सनातन धर्म व हिंदू धर्माचार्यों से उनकी नफरत को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश की जनता माफिया के इन दलालों को ठीक समय पर जवाब देगी। आवश्यकता पड़ने पर संत समाज अखिलेश यादव के विरुद्ध अभियान भी चलाएगा।

सुल्तानपुर के सराफा व्यापारियों ने दी अपनी प्रतिक्रिया

अपराधी डरेंगे नहीं तो अपराध रुकेगा कैसे!

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता दोहराई है। सुल्तानपुर डकैती कांड में पुलिस के गुडवर्क पर सराफा व्यापारियों ने हर्ष और संतोष जताया है। सभी ने एक स्वर से कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारियों का इकबाल दिख रहा है। अपराधी के एनकाउंटर पर व्यापारियों ने एक सुर में बोला कि डकैत डर की ही भाषा समझते हैं, जब तक डर नहीं होगा, तब तक घटनाएं नहीं रुकेंगी।

उत्तर प्रदेश रिटेलर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नेश कुमार अग्रवाल ने कहा, सुल्तानपुर में हुई डकैती की बड़ी घटना को सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में पुलिस ने सुमगता से सुलझा लिया। इस मामले में पूरे मॉल की बरामदगी व्यापारियों के लिए हर्ष का विषय है। पुलिस के टीमवर्क से इतनी बड़ी घटना का खुलासा और पूरे माल की बरामदगी हुई। इसके लिए सभी सराफा व्यापारी सीएम योगी आदित्यनाथ व डीजीपी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाकर हमें विश्वास दिलाया था कि उप्र में कानून-व्यवस्था निरंतर मेंटेन रहेगी। इसके प्रति वे प्रतिबद्ध भी रहे। प्रतिबद्धता दोहराने के लिए ज्वेलर्स सीएम के आभारी हैं। लूटकांड का खुलासा कर पांचों अपराधी पकड़े गए और पूरा मॉल बरामद हुआ। उन्होंने जाति-धर्म देखकर यह कार्य नहीं किया। उम्मीद है कि इसी तरह पुराने पेंडिंग केस भी खुलेंगे। हमारी टीम सीएम योगी, डीजीपी व अन्य अधिकारियों का सम्मान करेगी।

लखनऊ महानगर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा ने कहा, सुल्तानपुर में हुई डकैती में पुलिस ने शानदार गुडवर्क किया है। सभी बदमाश पकड़े गए। पहली बार है कि प्रशासन और पुलिस ने पूरा माल बरामद किया है। इसके लिए प्रदेश के सराफा व्यापारियों की तरफ से सीएम योगी के नेतृत्व में सुल्तानपुर पुलिस टीम को धन्यवाद देता हूं। एक अपराधी का एनकाउंटर होने से व्यापारी प्रसन्न हैं, क्योंकि डकैत डर की ही भाषा समझते हैं। जब तक डर नहीं होगा, तब तक घटनाएं नहीं रुकेंगी।

लखनऊ सराफा एसोसिएशन के संरक्षक और चौक सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन ने कहा, मुझे याद है कि विपिन सिंह ने चौक में रात में डकैती डाली थी। उसमें आंशिक

माल बरामद हुआ था। पूरा माल बरामद होता या उसे कड़ी सजा मिल जाती तो दोबारा वह दुस्साहस नहीं करता। सीएम योगी के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों का इकबाल दिख रहा है। कम समय में माल की बरामदगी होने से व्यापारियों में फिर विश्वास बढ़ा है कि यूपी में कानून है। कोई अपराधी बच नहीं पाएगा। कानून का राज कायम रखने के लिए योगी जी का धन्यवाद। 42 से लगातार अध्यक्ष हूं। डकैती की रिकवरी साहसिक कार्य है।

विदेशों तक फैला है मोहम्मद उमर गौतम का नेटवर्क

फतेहपुर में चला रहा था धर्मांतरण की फैक्टरी

50 से अधिक मुकदमे 400 आरोपी

फतेहपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पूरे देश में धर्म परिवर्तन का जाल बिछाने वाले जिले के मौलाना उमर गौतम को एनआईए कोर्ट ने महज तीन साल में आजीवन कारावास की सजा सुनाकर आस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है। वहीं जिले में धर्मपरिवर्तन की फैक्टरी चलाने वाले कानूनी दाव पेंच की वजह से बेखौफ घूम रहे हैं।

बीते दो साल में ईसाई मिशनरी और मुस्लिम धर्म में परिवर्तन के दो बड़े मामले सामने आए। इनमें पुलिस प्रशासन की लाख कोशिशों के बाद मजबूत कार्रवाई नहीं दिखी। पंथुआ के मौलाना उमर गौतम का आजीवन कारावास के बाद लोग इलाकाई लोग घृणित कार्य के लिए माफ नहीं कर रहे हैं। इस सजा को लोग कम मान रहे और फांसी की सजा चाहते हैं। मौलाना उमर व नुरुल हुदा प्रबंधक समेत तीन पर चार्जशीट लगने के करीब दो साल बीतने वाले हैं। यहां के मुकदमे में अभी कोई फैसला नहीं आ सका है। शहर के हरिहरगंज स्थित ईसीआई और प्रेस बिटेरियन चर्चों पर अवैध धर्मांतरण की फैक्टरी तीन से चार दशकों से चलती आ रही है।

मिशनरी का भांडाफोड़ 14 अप्रैल 2022 की शाम ईसीआई चर्च में विहिप के हंगामे के बाद हुआ। उस समय पादरी मुकुल समेत 55 नामजद हुए। इस मामले की जांच में प्रयागराज नैनी स्थित एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के चांसलर, वीसी समेत करीब 150 लोग नामजदगी बढ़ी। इस एक मुकदमे के चार मामले धर्मपरिवर्तन पीड़ितों की ओर 150-150 लोगों पर दर्ज कराए गए। इस जांच में वर्ल्ड विजन संस्था, मिशन हास्पिटल संस्था समेत मिशनरी की कई संस्थाएं कार्रवाई के दायरे में आई। संस्थाओं को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल सकी। सदर कोतवाली क्षेत्र तुराबअली का पुरवा सईद गार्डेन में 21 जून 2022 सामूहिक धर्मपरिवर्तन की फैक्टरी का भांडाफोड़ वाराणसी के सुधांशू की शिकायत पर हुआ था। यहां दो कमरों में 60 छात्र मिले थे। दूर-दूर के जिलों से बेरोजगारों को रोजगार का लालच देकर युवकों को बिहार के इकलाख और उसके गैंग के सदस्य बुलाते थे। उन्हें मौलवी से रोजगार प्रशिक्षण के नाम पर मुस्लिम धर्म की शिक्षा दिलाई जाती थी। उनके केंद्र आबूनगर, लखनऊ बाईपास समेत कई इलाकों में चलते थे। सुधांशू की शिकायत पर कंपनी के हेड इकलाख, अरमान अली, मोहसिन, यासीन, आलिम कई अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। बताया जाता है कि इकलाख अभी तक फरार है।

मोहम्मद उमर गौतम अलीगढ़ की गरीब बस्तियों में अपनी पैठ बना रहा था। यहां रहने वाले लोगों की छोटी मोटी मदद करने के लिए एक टीम भी बना ली थी। मदद के नाम पर यह लोग गरीब परिवारों के घरों में जाकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए कहते थे। कई प्रकार के लालच दिए जाते थे। एटीएस की जांच में भी यह बात सामने आई थी। अवैध धर्मांतरण और अन्य अपराधों में उम्रकैद की सजा पाने वाले मोहम्मद उमर गौतम का अलीगढ़ से जुड़ाव पुराना माना जा रहा है। वह यहां आयोजित होने वाले कई धार्मिक कार्यक्रमों में भी शरीक हुआ था। एएमयू में हुए कई कार्यक्रमों में भी वह आया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद एटीएस एएमयू में भी जांच करने पहुंची थी।

उस वक्त अलीगढ़ में ही दस से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई थी। एएमयू के माली नवीन का नाम भी उस वक्त काफी उछला था। कहा तो यहां तक गया था कि नवीन का भी धर्म परिवर्तन कराया गया है मगर बाद में खुद ही उसने इसका खंडन किया था। एजेंसी की जांच में यह बात जरूर सामने आ गई थी कि उमर ने गरीब बस्तियों में अपनी पैठ बनानी शुरू कर दी थी।

एटीएस की जांच में पता चला था कि उमर गरीब बस्तियों में जाकर लोगों को झांसा देता था वह मुस्लिम देशों में उन्हें नौकरी के लिए भेजेगा। वहां भेजने की पूरी व्यवस्था उनकी संस्था करेगी। इतना ही नहीं लोगों को धर्मांतरण के बाद एक मोटी रकम देने का लालच भी देता था। उस वक्त करीब तीन परिवारों को वह अपने जाल में फंसाने में कामयाब भी हो गया था। लेकिन उसके कुछ ही दिन बाद उसकी गिरफ्तारी हो गई थी। यह तीन परिवार अलीगढ़ की गरीब बस्ती के बताए जा रहे हैं।

पंथुआ मजरे रमवा गांव के क्षत्रिय परिवार के उमर गौतम का जन्म साल 1964 को हुआ था। उसका असली नाम श्याम प्रताप सिंह गौतम है। पिता स्व. धनराज सिंह बड़े काश्तकार व एडीओ पंचायत थे। उमर का 20 साल की उम्र में धर्म परिवर्तन करना ग्रामीणों के जेहन में कई सवाल पैदा करता है। एटीएस की जांच के दौरान पूरे परिवार के सदस्यों की टीम ने जांच की थी। उमर गौतम के पुश्तैनी मकान में अभी ताला पड़ा है। उसके हिस्से में 12 बीघा खेत हैं। उसकी संपत्ति पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई।

वह शादी के बाद पंतनगर एग्रीकल्चर से बीएससी करने गया था। जहां से दिल्ली जाने के बाद अलीगढ़ की एक मुस्लिम महिला के संपर्क में आया था। श्याम प्रताप ने मुस्लिम धर्म अपनाते हुए साल 1984 में दूसरी महिला से शादी कर ली थी। इधर, परिवार से वास्ता रखना बंद कर दिया था। करीब 10 साल बाद दबाव बनाकर पत्नी राजेश कुमारी को रजिया, बेटे का नाम आदिल उमर गौतम व दो बेटियों को तकदीश व फातिमा गौतम नए नाम रखे थे।

राम जन्मभूमि मंदिर की सफाईकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म, आठ गिरफ्तार

अयोध्या, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या जिले के रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा से तीन युवकों ने पखवारे भर तक अलग-अलग होटलों में ले जाकर दुष्कर्म किया। उसके पांच अन्य दोस्तों ने भी उससे छेड़छाड़ की। छात्रा की तहरीर पर कैंट थाने की पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा ने दर्ज एफआईआर में बताया कि वह एक महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा और राम जन्मभूमि मंदिर में सफाई कर्मी है। वह सहादतगंज निवासी वंश चौधरी नामक युवक को पिछले चार वर्ष से जानती है। 16 अगस्त को वंश चौधरी उसके दोस्त विनय और शारिक घूमाने के बहाने उसे अंगूरी बाग स्थित एक गेस्ट हाउस में ले गए। वहां तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद वे लोग उसे बनवीरपुर स्थित एक गैराज में लेकर गए, जहां वंश चौधरी ने फिर से दुष्कर्म किया और उसके दोस्त शिवा ने नशे की हालत में उसके साथ छेड़छाड़ की। इस बीच वह आरोपियों के चंगुल में रही और 18 अगस्त की सुबह 11:00 बजे विनय ने उसे देवकाली बाईपास के पास छोड़ दिया। 22 व 23 अगस्त की रात वंश चौधरी व विनय ने उसी गैराज में उससे दुष्कर्म किया।

25 अगस्त की सुबह चार बजे उदित, वंश चौधरी, सत्यम और दो अज्ञात लोग उसे रामजन्मभूमि ले जाने के बहाने आए और रास्ते में सभी ने छेड़छाड़ की। इस वजह से गाड़ी भी डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वह घायल हो गई तो सभी ने उसे नाका के पास छोड़ दिया। कैंट थानाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है।

शिमला के बाद अवैध मस्जिद का मसला मंडी में भड़का

हिंदुओं का उग्र प्रदर्शन, अवैध मस्जिद हटाएगा प्रशासन

मंडी, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

शिमला में अवैध मस्जिद के खिलाफ चल रहे आंदोलन के साथ ही अब मंडी में भी अवैध मस्जिद का मसला गरमा गया है। इसके खिलाफ हिंदुओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रशासन ने मंडी में अवैध मस्जिद को सील करने का फैसला लिया है। इलाके के डिप्टी कमिश्नर ने सील करने का आदेश सुनाया है। इस मस्जिद को लेकर काफी विवाद था, कई हिंदू संगठन सड़क पर उतर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग भी करना पड़ा, वॉटर कैनन के जरिए पानी की बौछार भी हुई। लेकिन अब विवाद को बढ़ता हुआ देख डिप्टी कमिश्नर ने मस्जिद को सील करने का फैसला किया है।

उल्लेखनीय है कि कंगना रनौत मंडी से ही भाजपा सांसद हैं। अवैध मस्जिद को लेकर हिमाचल की राजनीति में भूचाल मचा हुआ है। जबकि शिमला की संजौली मस्जिद को लेकर बवाल थमा नहीं है। हिंदू संगठन अभी भी सड़क पर उतर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी

बीच अब मंडी विवाद ने तनाव बढ़ा दिया है।

संजौली विवाद खत्म करने के लिए सीएम सुखविंदर सिंह सिक्खू एक्शन में आ गए हैं। उनकी तरफ से एक सर्वदलीय बैठक की जा रही है, एक कमेटी का गठन भी किया गया है। कहा गया है कि हिमाचल एक शांति प्रिय प्रदेश है और इसे ऐसा ही बने रहने दिया जाना चाहिए। अभी के लिए सर्वदलीय बैठक के जरिए वर्तमान हालात पर मंथन किया जाना है और के रोडमैप को लेकर भी चर्चा होनी है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला मुख्यालय के जेल रोड में बिना नक्शा पास करवाए मस्जिद में किए गए निर्माण कार्य के विरोध में मंडी शहर में हिंदू संगठन आंदोलन कर रहे हैं। हिंदू संगठनों ने सेरी मंच से शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू किया। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद हिंदू संगठनों ने सेरी मंच से नारेबाजी करते हुए चौहाटा बाजार की तरफ रैली निकाली। इसके बाद स्कूल बाजार से जेलरोड की तरफ जाते ही प्रदर्शन उग्र हो गया। बेकाबू प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। उधर, भगदड़ में बहुत से लोगों की तबीयत बिगड़ी है। कई प्रदर्शनकारी पानी की बौछारों के लगने से मौके से हट गए। जबकि एक युवती की तबीयत बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

इलाके में माहौल तनावपूर्ण बना है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों को नेता लगातार आह्वान करते रहे कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया जाए। मंडी के डीसी ने प्रदर्शनकारियों से बात की और शांति बनाए रखने का अनुरोध किया। डीसी के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी पीछे हटने लगे और धीरे-धीरे प्रदर्शन स्थल को छोड़कर चले गए। मौके पर पुलिस पूरी तरह से नजर बनाए हुए हैं। जिला दंडाधिकारी अपूर्व देवगन ने मंडी शहर के सात वार्डों में बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी है। पुलिस और प्रशासन मामले की गंभीरता को देखते हुए अलर्ट पर है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस का कड़ा पहरा है।

नगर निगम मंडी के तहत पैलेस कॉलोनी-1 में जेल रोड के पास मस्जिद में कथित अवैध निर्माण को लेकर उपजे विवाद के बाद मुस्लिम वेलफेयर कमेटी ने खुद निर्माण हटाना शुरू कर दिया था। आयुक्त कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू होने से 20 घंटे पहले समुदाय ने निर्माण गिराना शुरू किया। मुस्लिम वेलफेयर कम्यूनिटी के प्रधान रहीम अहमद और सदस्य इकबाल अली ने बताया कि लोनिवि की निशानदेही के बाद अवैध निर्माण गिराया जा रहा है। सुबह निर्माण हटाने को कहा था। मस्जिद अपनी मलकियत पांच बिस्वा जमीन पर बनी है। 33 वर्ग मीटर अवैध हिस्सा निकला है जिसे हटाया जा रहा है। अक्टूबर 2023 में निगम में नक्शे के लिए अप्लाई किया था। तब पीडब्ल्यूडी की एनओसी के बारे में किसी ने अवगत नहीं करवाया था। अब निगम कार्यालय में मस्जिद में अवैध निर्माण हटाने को लेकर पत्र दिया है।

आंदोलनकारी डॉक्टरों ने राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी को लिखा पत्र

चिकित्सकों को दिलाएं न्याय, अब बहुत देर हो रही

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। डॉक्टरों ने पत्र में आरजी कर मामले में मृत चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों को न्याय दिलाने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है। डॉक्टरों ने लिखा है कि उन्हें शीघ्र न्याय दिलाएं, क्योंकि काफी देर हो चुकी है।

डॉक्टरों ने पत्र में लिखा है, हम देश के प्रमुख के तौर पर आपके समक्ष मुद्दा रखते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे जो सहयोगी अपराध का शिकार हुए हैं, उनको न्याय मिले। आपके हस्तक्षेप के बाद ही पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के तहत स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर भय और आशंका के बिना जनता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम हो सकते हैं। उन्होंने लिखा कि कठिन समय में आपका हस्तक्षेप हमारे लिए प्रकाश की किरण के रूप में काम करेगा। जो हमें अंधेरे से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट द्वारा लिखे गए चार पन्नों के पत्र की प्रतियां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भी भेजी गईं। डॉक्टर अनिकेत महतो ने बताया कि पत्र को महीने की शुरुआत में तैयार किया गया था और गुरुवार रात को भेजा गया।

गौरतलब है, अस्पताल के सेमिनार कक्ष में नौ अगस्त को प्रशिक्षु डॉक्टर का शव मिलने के बाद से घटना के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन हो रहे हैं। पुलिस ने इस सिलसिले में कोलकाता पुलिस के नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार किया था। टीएमसी सरकार और पश्चिम बंगाल पुलिस कठघरे में है। सुप्रीम कोर्ट से लगातार फटकार लग रही है। तनाव बढ़ता देख कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 अगस्त को जांच सीबीआई को सौंप दी थी। इससे पहले कोलकाता पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

वहीं, घटना के बाद देशभर के डॉक्टर सड़कों पर उतर आए थे। इससे मरीजों को दिक्कत होने लगी।

एक करोड़ से अधिक का एमडी ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार

कर्णावती, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

अहमदाबाद के सरखेज विस्तार से क्राइम ब्रांच ने एक करोड़ से ज्यादा की कीमत का 984 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त किया है। इस मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस बार ड्रग्स की हेरा-फेरी के लिए नई मोडस ऑपरेंडी सामने आई है। एमडी ड्रग्स का यह जत्था विष्णु वादी नाम का आरोपी उदयपुर से मारुति ईको कार में लाया था। आरोपियों ने ड्रग्स के बारे में पुलिस को भनक न लगे इसलिए ड्रग्स को स्पेयर व्हील में छुपा कर रखा हुआ था। आरोपी विष्णु वादी यह ड्रग्स सरखेज सर्कल के पास रहने वाले आसिफ हुसैन को देने वाला था। लेकिन, ड्रग्स की डिलीवरी होने से पहले ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को ड्रग्स के साथ दबोच लिया। आरोपी विष्णु वादी ईडर तालुका के सादापुर का रहने वाला है। जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत 94.86 लाख है। अन्य सभी जब्त किए

गए सामान समेत पुलिस ने कुल मिलाकर 1.02 करोड़ की चीजें जब्त की है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि उदयपुर के अतीक नाम के शख्स ने ड्रग्स का यह जत्था विष्णु वादी को दिया था और विष्णु यह दूसरी बार ड्रग्स की हेराफेरी कर रहा था। ड्रग्स की हेराफेरी के लिये जो कार इस्तेमाल की गई वह विष्णु के भाई की थी। विष्णु ने अपने भाई से घूमने जाने का बहाना बनाकर उसकी कार मांगी थी। विष्णु के खिलाफ इससे पहले दो शिकायत पुलिस में दर्ज की गई है। ड्रग्स लेने से पहले आरोपी ने ड्रग पैडलर को डाउन पेमेन्ट भी दिया था।

अहमदाबाद का आसिफ हुसैन पिछले डेढ़ साल से ड्रग्स के कारोबार से जुड़ा हुआ है। शातिर आरोपियों ने पुलिस को शक ना हो इसलिए इको कार में अन्य सामान भी भरकर रखा हुआ था। पुलिस ने ड्रग्स का यह जत्था किस रुट से अहमदाबाद तक पहुंचा और इस ड्रग्स की डिलीवरी किसने मंगाई थी। उस दिशा में जांच को आगे बढ़ाया है। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के रास्ते यह ड्रग्स अहमदाबाद तक आया होने की पुलिस को आशंका है और इस दिशा में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने अपने एक्स हैन्डल पर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम की सराहना करते हुए लिखा है कि पुलिस ने एक करोड़ से अधिक की कीमत का ड्रग्स जब्त कर ड्रग्स माफियाओं को बड़ा झटका दिया है। हर्ष संघवी ने स्पियर व्हील में छिपाए गए ड्रग्स का वीडियो भी साझा किया है।

कोलकाता कांड से दुखी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने कहा

मैं ममता के साथ कोई सार्वजनिक मंच साझा नहीं करूंगा

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य में हर जगह हिंसा है। बंगाल में कई चीजें सड़ चुकी हैं। बोस ने यहां तक कह दिया कि ऐसी स्थिति में वो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ कोई भी सार्वजनिक मंच साझा नहीं करेंगे।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्तव्य में विफल रही है। वो लोगों और समाज की भावनाओं को नहीं समझ पाई। बोस ने कहा कि वो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सामाजिक बहिष्कार करेंगे। जिन्हें उन्होंने बंगाल की लेडी मैकबेथ भी कहा। उन्होंने कहा कि बंगाल राज्य में कई चीजें सड़ चुकी हैं। बोस ने कहा कि वह कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जहां 9

अगस्त को एक जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। बोस ने कहा कि राज्य में हिंसा है, घर में हिंसा है, कैंपस में हिंसा है, अस्पताल में हिंसा है, शहर में हिंसा है। लोकतंत्र में बहुमत का चुप रहना ही इसका हिस्सा है, बहुमत के लिए चुप्पी नहीं। याद रखें, चुप्पी हिंसा है। बंगाल के समाज के साथ एकजुटता दिखाते हुए मैं मुख्यमंत्री का सामाजिक बहिष्कार करूंगा। मैं मुख्यमंत्री के साथ कोई सार्वजनिक मंच साझा नहीं करूंगा। न ही मैं किसी ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लूंगा जिसमें मुख्यमंत्री शामिल होंगी।

राज्यपाल सीवी. आनंद बोस ने कहा कि वे संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए मुख्यमंत्री के खिलाफ सक्रिय कदम उठाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत मुख्यमंत्री को अनुपालन के लिए निर्देश जारी कर रहे हैं। अनुच्छेद 167 में कहा गया है कि राज्य के मामलों के प्रशासन और कानून के प्रस्तावों से संबंधित मंत्रिपरिषद के सभी निर्णयों को राज्यपाल को बताना मुख्यमंत्री का कर्तव्य होगा। बोस ने कहा, मुझे लोगों की ओर से कई सवालों का सामना करना पड़ रहा है कि राज्यपाल वर्तमान स्थिति में क्या कदम उठाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। मैं भारत के संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हूं। मैं बंगाल के लोगों के प्रति प्रतिबद्ध हूं। मैं आरजी कर पीड़ित के माता-पिता और विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों के प्रति प्रतिबद्ध हूं। मेरे आकलन में, सरकार लोगों और समाज की भावनाओं को समझने के अपने कर्तव्य में विफल रही है।

राज्यपाल ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात से बहुत दुख हुआ है कि सर्वोच्च अधिकारी कोलकाता पुलिस कमिश्नर, जिनसे कोलकाता में अपराध रोकने की अपेक्षा की जाती है।

उनके खिलाफ आपराधिक प्रकृति के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। राज्यपाल के अनुसार, आयुक्त ने जिस तरह से मामले को संभाला वह अत्यधिक संदिग्ध था। बोस ने कहा, कोलकाता पुलिस आयुक्त को राजभवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आमंत्रित नहीं किया गया था, लेकिन उन्होंने जबरन समारोह में प्रवेश किया, जो कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, आपराधिक प्रकृति का है।

इस कथित मिलीभगत के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग थी। यह बात मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी लाई गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब पुलिस आयुक्त के खिलाफ गंभीर कार्रवाई की जरूरत है, क्योंकि कानून इसकी मांग करता है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 329 के तहत दंडनीय है।

1987 के बाद पहली बार बदला कश्मीर का राजनीतिक परिदृश्य

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 13 सितंबर।

वर्ष 1987 के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर राज्य अपने राजनीतिक परिदृश्य में अभूतपूर्व क्षण देख रहा है। एक समय संघर्ष से घिरे इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और चुनाव एक साथ हो रहे हैं। जिन उम्मीदवारों को कभी सुरक्षा बलों की कड़ी सुरक्षा में दूर से मतदाताओं को संबोधित करना पड़ता था, वे अब अपने प्रचार अभियान के तहत हाथ मिला रहे हैं, समर्थकों को गले लगा रहे हैं और उनके साथ चाय भी पी रहे हैं।

यह जानकार आपको हैरानी होगी कि हिंसा के खतरे के कारण सूर्यास्त से पहले बंद होने वाला प्रचार अभियान अब आधी रात तक जारी है। श्रीनगर के ईदगाह निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व विधायक और वर्तमान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी

(पीडीपी) के उम्मीदवार खुर्शीद आलम ने इस बदलाव पर टिप्पणी की, पहले हम सभी सूर्यास्त से पहले घर लौट आते थे। तब खतरा था। इन दिनों प्रचार रात 12 बजे तक चलता है। वे कहते हैं कि कभी संकोच और डर से ग्रस्त लोग अब खुलेआम नेताओं का अपने घरों में स्वागत करते हैं, उन्हें चाय पिलाते हैं और वोट के लिए आशीर्वाद देते हैं। पिछले 40 वर्षों में इस स्तर की भागीदारी अभूतपूर्व है।

पुलवामा में रहने वाले अब्दुल कयूम भट अतीत को याद करते हुए कहते थे कि प्रत्याशी घर-घर जाकर प्रचार करने से डरते थे। उन्हें आतंकवादी संगठनों और हुर्रियत नेताओं द्वारा किए जाने वाले पथराव और चुनाव बहिष्कार का डर था। अब लोग अपने घरों से निकल रहे हैं और अपने मुद्दों को सीधे उम्मीदवारों से साझा कर रहे हैं। हालांकि पिछले चुनाव चक्रों के घाव गहरे हैं। 1996 के चुनावों के दौरान, अलगाववादियों और आतंकवादी समूहों ने विशेष रूप से नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं को निशाना बनाया। हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों द्वारा पार्टी नेता मोहम्मद गुलाम की नृशंस हत्या और अन्य राजनीतिक हस्तियों पर अनगिनत हमलों ने खुले तौर पर राजनीतिक भागीदारी को हतोत्साहित किया।

पर इस बार एक बड़ा उलटफेर है, जो लोग कभी अलगाववादी समूहों के प्रभाव में चुनाव का बहिष्कार करते थे, वे अब सक्रिय रूप से राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद पहली बार, इस क्षेत्र में जमात-ए-इस्लामी के सदस्य, जो लंबे समय से चुनाव बहिष्कार से जुड़े हुए हैं, राजनीतिक मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। वैसे इस संगठन पर भारत के गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन इसके नेता निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। इन चुनावों को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है, कई लोगों का अनुमान है कि इस बार भारी मतदान होगा, चुनाव प्रचार जोरों पर होगा और राजनीतिक दलों की भागीदारी भी मजबूत होगी।

राजनीतिक विश्लेषकों को पिछले चुनावों की तुलना में इस बार अधिक मतदान की उम्मीद है, जहां प्रतिशत में नाटकीय रूप से उतार-चढ़ाव हुआ है। 1989 में मतदान प्रतिशत घटकर मात्र 5-10 प्रतिशत रह गया था, लेकिन 1996 तक सुरक्षा बलों ने इसे 50 प्रतिशत तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार बिना किसी जोर-जबरदस्ती के पूरे केंद्र शासित प्रदेश में उत्साह का माहौल है। इस राजनीतिक पुनर्जागरण में नए चेहरे उभर रहे हैं। मुफ्ती परिवार की तीसरी पीढ़ी इल्तिजा मुफ्ती राजनीति के मैदान में पदार्पण कर रही हैं, जबकि उमर अब्दुल्ला के बेटे पहली बार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। भाजपा जैसी स्थापित पार्टियों के साथ-साथ कई छोटे समूह भी चुनाव लड़ रहे हैं।

चुनाव भूल कर लोग निहारने लगते हैं धरती का स्वर्ग

जम्मू, 13 सितंबर (ब्यूरो)। यह सच है कि कश्मीर में इस समय चुनाव के माहौल में कहीं न कहीं खतरे की बू भी जरूर आ रही है पर कश्मीर आने वाले पर्यटकों के लिए न ही यह खतरा कोई मायने रखता है और न ही चुनाव। ऐसे में सबका एक ही मंत्र है। चुनावों को भूल जाइए, कश्मीर में सितंबर और अक्टूबर के लिए पर्यटकों की बुकिंग में फिर से उछाल देखने को मिल रहा है। जुलाई और अगस्त के दौरान कम आवक के बाद, एक बार फिर पर्यटकों की संख्या में उछाल देखने को मिल रहा है।

कश्मीर में पर्यटकों की आमद देखी जा रही है। ट्रैवल एजेंटों ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में पर्यटकों की आवक में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। ट्रैवल एजेंट निसार अहमद भट के बकौल, पिछले महीने की तुलना में पर्यटकों की आवक में वृद्धि हुई है। अभी हमारे पास दक्षिण भारतीय राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात से पर्यटक आते हैं। हम एक सफल शरद ऋतु के मौसम की उम्मीद कर रहे हैं। वे मानते हैं कि अब तक, चुनाव की घोषणा का पर्यटन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। हम सितंबर और अक्टूबर के लिए पर्यटकों की आवक में फिर से उछाल देख रहे हैं। कश्मीर ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रऊफ अहमद ट्रंबू कहते थे कि जुलाई और अगस्त के दौरान जब कश्मीर में अमरनाथ यात्रा चल रही थी, तब हमने बहुत कम मांग देखी थी।

उनका कहना था कि कि डर यह था कि चुनावों के दौरान कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट देखी जाएगी। कश्मीर हमेशा से पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित गंतव्य रहा है। ट्रंबू कहते थे कि पहले चुनाव के दौरान पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी जाती थी, लेकिन इस चुनाव में पर्यटन क्षेत्र सबसे कम प्रभावित हुआ है।

यही कारण है कि 20 अक्टूबर को होने वाला कश्मीर मैराथन 2024 भी देश के विभिन्न हिस्सों और दुनिया भर से पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करने वाला है। भट के बकौल, यह एक मेगा मैराथन होने जा रहा है। हमें मैराथन की तारीख के बारे में पर्यटकों से पूछताछ मिल रही है और वे अक्टूबर के लिए अपनी यात्राएँ बुक कर रहे हैं। गौरतलब है कि जून 2024 तक एक करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए हैं। जून तक 26,000 विदेशियों सहित 15.65 लाख पर्यटक कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर में पर्यटकों की आमद में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

संपादकीय

'नैतिक नाकामी' के कारण

दिल्ली के भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने का आग्रह किया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल कई महीनों से जेल में बंद हैं, पांच महीने से कैबिनेट की बैठक तक नहीं हुई है और न ही विधानसभा सत्र बुलाया जा सका है। मुख्यमंत्री किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते, लिहाजा दिल्ली के छठे वित्त आयोग का गठन नहीं किया जा सका है। यह संविधान का सरासर उल्लंघन है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की कई रपटें सदन में पेश नहीं की जा सकी हैं। दिल्ली अद्र्धराज्य में संवैधानिक, प्रशासनिक, सरकार और अंततः जनता के स्तर पर बहुत कुछ ठप पड़ा है, लिहाजा इस सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। भाजपा विधायकों ने यह पत्र तब लिखा है, जब विधानसभा चुनाव मात्र 4-5 माह दूर हैं और बर्खास्तगी के बाद वैकल्पिक सरकार बनाना व्यावहारिक नहीं है। चूंकि पत्र विधायकों ने लिखा है, लिहाजा यह राजनीतिक कवायद है। राष्ट्रपति ऐसे पत्रों के आधार पर सरकारें बर्खास्त नहीं किया करते।

संविधान का सरासर उल्लंघन है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की कई रपटें सदन में पेश नहीं की जा सकी हैं। दिल्ली अद्र्धराज्य में संवैधानिक, प्रशासनिक, सरकार और अंतत: जनता के स्तर पर बहुत कुछ ठप पड़ा है, लिहाजा इस सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। भाजपा विधायकों ने यह पत्र तब लिखा है, जब विधानसभा चुनाव मात्र 4-5 माह दूर हैं और बर्खास्तगी के बाद वैकल्पिक सरकार बनाना व्यावहारिक नहीं है। चूंकि पत्र विधायकों ने लिखा है, लिहाजा यह राजनीतिक कवायद है। राष्ट्रपति ऐसे पत्रों के आधार पर सरकारें बर्खास्त नहीं किया करते। अलबत्ता औपचारिकता निभाते हुए राष्ट्रपति ने वह पत्र गृह मंत्रालय को भिजवा दिया। यदि दिल्ली के उपराज्यपाल सरकार और राजधानी शहर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपनी रपट भेजते और राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करते, तो उस पर गंभीर विचार किया जा सकता था। प्रधानमंत्री के साथ भी इस मुद्दे पर विमर्श किया जा सकता था।

अलबत्ता औपचारिकता निभाते हुए राष्ट्रपति ने वह पत्र गृह मंत्रालय को भिजवा दिया। यदि दिल्ली के उपराज्यपाल सरकार और राजधानी शहर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपनी रपट भेजते और राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करते, तो उस पर गंभीर विचार किया जा सकता था। प्रधानमंत्री के साथ भी इस मुद्दे पर विमर्श किया जा सकता था। तब भी यह जरूरी नहीं था कि फाइल 'राष्ट्रपति भवन' भेजी ही जाती। दरअसल यह अध्याय केजरीवाल ने खुद लिखा है। बीते दोनों चुनावों में उनकी आम आदमी पार्टी (आप) को एकतरफा, प्रचंड बहुमत मिला था। दिल्लीवालों ने उसे एक अवसर देना तय किया था। शराब घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोप में जब मुख्यमंत्री को ही जेल जाना पड़ा, तो उससे पहले ही केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था। यह केजरीवाल की 'नैतिक नाकामी' थी कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। बेशक संविधान इस संदर्भ में खामोश है कि यदि एक मुख्यमंत्री को जेल होती है, तो उसकी संवैधानिक बाध्यता और व्यवस्था क्या होगी? शायद संविधान रचने वाले हमारे पुरखों ने इस स्थिति की कल्पना तक नहीं की थी कि भ्रष्टाचार के आरोप में किसी मुख्यमंत्री को, बिना सजा सुनाए, जेल में बंद करने की नौबत आ सकती है। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने भी केजरीवाल की नैतिकता का फैसला उन्हीं पर छोड़ दिया था। केजरीवाल को अदालत से जमानत भी नहीं मिल पा रही है। इन परिस्थितियों में केजरीवाल एक राष्ट्रवादी आंदोलनकारी की तरह हुंकार भरते रहे हैं कि वह जेल से ही सरकार चलाएंगे। शायद उन्हें जानकारी नहीं थी कि जेल में हदबंदियां और पाबंदियां कितनी होती हैं! वह बैठक तक नहीं कर सकते थे। कैबिनेट की बैठक बुलाना निषेध था। मौखिक रूप से, अपनी पत्नी के जरिए, सरकार के मंत्रियों और 'आप' के ओहदेदारों को कितने निर्देश दे सकते थे? राष्ट्रीय राजधानी में इसके नतीजे सामने और स्पष्ट दिख रहे हैं। केजरीवाल ने अभी तक किसी भी नेता या विधायक पर भरोसा नहीं किया है कि वह उसे नया मुख्यमंत्री बनवा सकते। बेशक पूरी दिल्ली में अराजकता का माहौल है। गर्मियों में आम आदमी को पानी नसीब नहीं हुआ और उसे टैंकर के पानी के लिए हाथापाई तक उतरना पड़ा। मॉनसून का मौसम आया और बारिश होने लगी, तो दिल्ली पानी-पानी हो गई। सांसदों के अतिविशिष्ट क्षेत्र के घरों तक में पानी घुस गया। इतना जलजमाव और जलभराव हुआ कि 50 से अधिक मासूम लोगों की मौत तक हो गई। पानी में करंट तैरने लगा, जिसके संपर्क में आने से भी कुछ मौतें हुईं। चुनाव फरवरी, 2025 से पहले होने हैं। हमें नहीं लगता कि केंद्र सरकार 'राष्ट्रपति शासन' लगाने की पराकाष्ठा तक जाएगी। उससे केजरीवाल और 'आप' के पक्ष में सहानुभूति की लहर पैदा हो सकती है। वैसे भी दिल्ली सरकार पर पूरी हुकूमत केंद्र सरकार की है, क्योंकि उपराज्यपाल उसका प्रतिनिधि है और वही 'मुखिया' है।

भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे

'तरंग शक्ति': गरज रहा भारत का आसमान

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए इन दिनों जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का आयोजन चल रहा है, जो भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इस 'वॉर एक्सरसाइज' में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। जोधपुर के आसमान में जब भारत की 'सूर्य किरण टीम' ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में 'तिरंगा' बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाये उसे निहारता ही रह गया। 'तरंग शक्ति' के दौरान 9 सितंबर को तो जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास रच दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। यह पहला अवसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने 'तेजस' में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तरंग शक्ति में भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिराज, जगुआर और तेजस विमान पूरी दुनिया को अपना जलवा दिखा रहे हैं, वहीं अमेरिका के ए-10 थंडरबोल्ट, ग्रीक के एफ-16 फाइटिंग

फाल्कन, ऑस्ट्रेलिया के एफए-18 हॉरनेट, जापान के मित्सुबिशी एफ-2 सहित अन्य देशों की एफ-16 विमान के साथ आई टीमें साथ मिलकर एयर-टू-एयर तथा एयर-टू-ग्राउंड ऑपरेशन में अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। 'तरंग शक्ति' के पहले और दूसरे चरण में कुल 800 सैनिक शामिल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने भारतीय वायुसेना के 'तरंग शक्ति' अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा के लेने के लिए पहली बार अपने लड़ाकू विमानों को भारत भेजा है। 12 सितंबर से तरंग शक्ति में 'डिफेंस एक्सपो' शुरू होगा. जिसमें स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर ध्रुव शामिल है, साथ ही अन्य हथियारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। 'तरंग शक्ति' का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित किए जा रहे इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दर्शाया जा रहा है। इस वायु अभ्यास में भारतीय वायुसेना अपने हल्के लड़ाकू विमान, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर तथा हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी प्लेटफार्मों का प्रदर्शन कर रही है। इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास का उद्देश्य इसमें हिस्सा लेने वाले सभी देशों की वायुसेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना, उन्हें सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और परिचालन समन्वय में सुधार करने में सक्षम बनाना है। 'तरंग शक्ति' में उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण के अलावा रक्षा प्रदर्शनियां तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं और वायु अभ्यास में हिस्सा ले रहे देशों के रक्षाकर्मी भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों का दौरा भी करेंगे। 'तरंग शक्ति' भारत में आयोजित हो रहा अभी तक का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय वायु अभ्यास है, जो अपने यथार्थवादी युद्ध परिदृश्यों और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए जाने जाते रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले 'रेड फ्लैग' अभ्यास से प्रेरित बताया जाता है। करीब तीन महीने पहले 4 से 14 जून 2024 तक अलास्का में अयोजित हवाई अभ्यास 'रेड फ्लैग 2024' के दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना ने भी हिस्सा लिया था। सिंगापुर तथा अमेरिकी विमानों के साथ भारतीय राफेल भी उस संयुक्त अभ्यास में शामिल हुआ था। इन आयोजित मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लार्ज फोर्स एंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बियॉन्ड विजुअल रेंज युद्ध अभ्यास शामिल थे। अमेरिका द्वारा 'रेड फ्लैग' अभ्यास वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है और इसके दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना के अलावा सिंगापुर वायुसेना, ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स, रॉयल नीदरलैंड्स वायुसेना और जर्मन लूफ्टवाफे ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय वायुसेना ने रेड फ्लैग में पहली बार 8 राफेल लड़ाकू विमान तैनात किए थे, जिन्हें ट्रान्साटलांटिक यात्रा के लिए आईएल-78 मध्य-हवा में ईंधन भरने वाले विमानों के साथ-साथ सी-17 ग्लोबमास्टर विमान की भी सहायता मिली थी। भारतीय वायुसेना द्वारा इससे पहले 1 से 10 अप्रैल 2024 तक अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए 10 दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास 'गगन शक्ति-2024' भी आयोजित किया जा चुका है, जिसमें देश के सभी वायुसेना स्टेशन बारी-बारी से शामिल हुए थे। उस युद्धाभ्यास में करीब 11 हजार वायु सैनिकों ने हिस्सा लिया था। 'गगन शक्ति-2024' में चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयारी का परीक्षण भी किया गया था।

दृष्टि कोण

रिफंड की बाट जोहते पीएसीएल निवेशक

पिछले दिनों चिटफंड कंपनी पीएसीएल यानी पल्स ग्रुप के चैयरमेन निर्मल सिंह भंगू की मौत की खबर आई थी। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली जेल में तबीयत बिगडने के बाद भंगू को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गई। पल्स ग्रुप के मालिक निर्मल सिंह भंगू को पीजीएफ/पीएसीएल लिमिटेड द्वारा संचालित चिटफंड घोटाले में 8 जनवरी 2016 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और वह तभी से जेल में था। हिमाचल, राष्ट्रीय अखबारों और राष्ट्रीय मीडिया में भंगू की मौत की खबर को ज्यादा तवज्जो नहीं मिली। राष्ट्रीय मीडिया वैसे भी अपनी गैर जरूरी बहसों के लिए बदनाम है। क्या ही अच्छा होता जो वह पीएसीएल और सहारा समूह से पीड़ित निवेशकों की व्यथा को उजागर करता। हिमाचल के निवेशकों ने भी पल्स ग्रुप में करोड़ों रुपया लगाया हुआ था और अभी भी हजारों लोगों का रुपया अटका पड़ा है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 45000 करोड़ रुपए के सामूहिक निवेश घोटाले में पीएसीएल (पूर्व में पल्स एग्रोटेक कॉर्प) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया था जिनमें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (एमडी) निर्मल सिंह भंगू, एमडी और प्रमोटर-निदेशक सुखदेव सिंह और दो कार्यकारी निदेशक गुरमीत सिंह और सुब्रत भट्टाचार्य शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निवेशकों का पैसा रिफंड करवाने के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढ़ा के नेतृत्व में एक समिति बनाई हुई है। समिति ने समूह की सारी संपत्ति जब्त कर ली और मार्च 2016 में संपत्ति की नीलामी शुरू की। सेबी ने अभी तक 19000 रुपए तक के दावे वाले 2.08 मिलियन से ज्यादा निवेशकों को 1021.81 करोड़ रुपए का भुगतान का दावा किया है। भारत में चिटफंड, पोंजी स्कीमों, एकत्रित निवेश योजनाओं, एमएलएम यानी बहुस्तरीय विपणन, मनी सरकुलेशन और पिरामिड आकार वाली गैर बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों द्वारा निवेशकों से रुपयों की उगाही और ठगे जाने का एक लंबा इतिहास रहा है। इसी वजह से पीएसीएल लिमिटेड (पर्ल ग्रुप), पश्चिम बंगाल की शारदा ग्रुप और सहारा ग्रुप जैसी कंपनियों के निवेशकों और एजेंटों में व्यापक असंतोष है। 13 फरवरी 1996 से पर्ल एग्रोटेक कंपनी लिमिटेड द्वारा पंजाब से अपना कारोबार बढ़ाना शुरू किया गया और 2010-11 की अवधि तक पूरे भारतवर्ष में पीएसीएल ग्रुप के कुल 283 कार्यालयों द्वारा व्यापक स्तर पर भूखंड आबंटित करने के नाम पर एकत्रित निवेश योजनाओं द्वारा करोड़ों रुपयों को इक_ा किया गया। सीबीआई को 22 अगस्त 2014 को पता चला कि पीएसीएल लिमिटेड की सभी व्यावसायिक गतिविधियां एकत्रित निवेश योजनाएं हैं और कम्पनी के प्रोमोटरों पर मुकद्दमा दर्ज किया गया। भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने सुब्रत भट्टाचार्य बनाम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) सिविल अपील संख्या -13301/2015 के मामले में तथा अन्य संबंधित मामलों में 2 फरवरी 2016 को एक आदेश पारित किया था। उक्त आदेश के माध्यम से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को अन्य बातों के साथ-साथ यह निर्देश दिया गया था कि वे माननीय न्यायमूर्ति श्री आरएम लोढा (भारत के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति) की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करे ताकि पीएसीएल लिमिटेड द्वारा खरीदी गई जमीन की बिक्री को डिस्पोज ऑफ किया जा सके और बिक्री से मिलने वाले पैसों से निवेशकों को भुगतान किया जा सके जिन्होंने पीएसीएल लिमिटेड में पैसा लगाया था। पाठकों को ज्ञात होना चाहिए कि बैंक और एनबीएफसी के बीच में अंतर होता है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का संचालन कंपनी एक्ट 1956 के तहत होता है और आरबीआई के साथ साथ इनका पंजीकरण कंपनी अधिनियम की धारा 609 के तहत नियुक्त कंपनी रजिस्ट्रार, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्य और संघ राज्य क्षेत्र आते हैं, के पास करवाया जाता है। वहीं बैंकों का संचालन बैंकिंग अधिनियम-1949 के तहत होता है। बैंकों में आम जनता के साथ मौद्रिक लेन-देन का दायरा व्यापक होता है जबकि एनबीएफसी छोटे बचतकर्ताओं से डिमांड डिपॉजिट स्वीकार नहीं कर सकते हैं। इसी तरह एनबीएफसी न तो अचल संपत्तियों के निर्माण में निवेश कर सकती हैं और न ही यह प्राथमिक रूप से कृषि या औद्योगिक गतिविधियों में शामिल हो सकती हैं। बैंक कृषि एवं उद्योग दोनों क्षेत्रों की वित्त संबंधी जरूरतों की पूर्ति करने के लिए अधिकृत हैं। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को सामूहिक निवेश योजनाओं, एमएलएमएपोंजी स्कीमों, लकड़ी, भेड़ बकरियों, पशुपालन, कृषि कार्यों इत्यादि से धन स्वीकार करने की अनुमति नहीं है और यह प्राइस चिट एंड मनी सरकुलेशन एक्ट 1978 के अंतर्गत एक संज्ञेय अपराध है। इस अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन पर निगरानी और आवश्यक कानूनी कार्रवाई राज्य सरकारों द्वारा की जा सकती है। मनी सरकुलेशन, मल्टी लेवल मार्केटिंग, पोंजी स्कीम ऐसी योजनाएं हैं जो सदस्यों को नामांकित होने पर आसान या त्वरित धन वापसी का वादा करती हैं। अमूमन इन स्कीमों से उत्पादों की ज्यादा बिक्री नहीं होती है, लिहाजा पिरामिड श्रृंखला टूट जाती है और पिरामिड से जुड़ा सबसे निचला सदस्य अधिकतम प्रभावित होता है।

कुछ अलग

राज सहायता का सच

राजसहायता या सहायिकी किसी आर्थिक या सामाजिक नीति को बढ़ाने के लिए दी गई वित्तीय सहायता होती है। यह आम तौर से सरकार द्वारा व्यक्तियों, कम्पनियों या संस्थाओं को दी जाती है। इसके कई रूप हो सकते हैं, जैसे कि सीधे पैसे देना, कर छूट देना, बिना ब्याज के ऋृण देना इत्यादि। उपभोक्ताओं को सहायिकी किसी माल या सेवा की कीमत घटाने के लिए दी जाती है। मसलन भारत की राशन व्यवस्था में अनाज व अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती है। सहायिकी प्रदान करने का खर्चा अंततः दो ही स्रोतों से मिलता हैः या तो इसे साधारण करदाता पर कर बढ़ाकर लिया जाता है या फिर उसे मुद्रा छापकर पूरा किया जाता है जिससे महंगाई बढ़ती है। कुछ क्षेत्रों में सीमित सहायिकी देने से सामाजिक कल्याण, कमजोर वर्गों की रक्षा और अर्थव्यवस्था में व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है। कर्ज के बोझ तले बुरी तरह दबे हिमाचल प्रदेश की आर्थिक हालत किसी से छिपी नहीं है। हिमाचल प्रदेश पर बढ़ते कर्ज के बोझ की वजह से यहां बड़े विकास कार्यों की राह पर भी रोड़ा अटका पड़ा है। इस बीच हिमाचल प्रदेश सरकार ने 16वें वित्त आयोग से राज्य के विकास को आगे बढ़ाने के लिए स्पेशल ग्रांट देने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने गगल एयरपोर्ट, शिवधाम, सडक़ और पुलों के लिए फाइनेंस कमीशन से उदार मदद की मांग उठाई है। राज्य सरकार ने 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के सामने 15 हजार 700 करोड़ रुपए का विशेष अनुदान देने का आग्रह किया है। यह अनुदान रूटीन में मिलने वाली मदद से अलग होगा है। वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश के आर्थिक हालात लगातार बढ़ रहे कर्ज तले खराब होते जा रहे हैं जिस कारण आम लोगों की चिंता भी बढ़ रही है। प्रदेश में 42 फीसदी बजट कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मियों की पेंशन देने पर ही खर्च हो रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश में विकास के लिए नाममात्र का ही पैसा बचता है। जिस प्रदेश के कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज उठाना पड़ता हो, वहां के आर्थिक सर्वेक्षण का मजमून भी अविश्वसनीय सा लगता है। यह इसलिए कि बोर्ड-निगमों की तश्तरी में सजी राज्य की जीडीपी घाटे में है। राज्य को पर्यटन, ऊर्जा व फल राज्य का दर्जा हासिल है, लेकिन इनसे जुड़े बोर्ड व निगम घाटे में हैं। राज्य सरकार अपने दम पर किसी बड़े प्रोजेक्ट को पूरा नहीं कर सकती। हर बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को केंद्र सरकार पर ही निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में अगर 16वें वित्त आयोग ने राज्य सरकार की मांग मान ली तो इससे राज्य को बड़ी राहत मिलेगी। सुक्खू वित्त आयोग की टीम के सामने राज्य के बदहाल आर्थिक हालात भी बयां कर चुके हैं। इसके अलावा बीते साल आई आपदा के दौरान प्रदेश को हुए नुकसान के लिए भी कम से कम पांच हजार करोड़ रुपए की मदद का आग्रह किया गया है। हाल ही में प्रदेश सरकार ने अमीरों को मिलने वाली बिजली की सब्सिडी को बंद करके भी एक सही फैसला लिया है। इसी तरह हिमाचल परिवहन में भी कुछ व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे कि केवल जरूरतमंद लोगों को ही मुफ्त सेवा मिले। आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवडियां बांटकर वोट बटोरने का कल्चर सा चल पड़ा है। यह रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवडियां बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। इस रेवड़ी कल्चर पर भी रोक लगाने की जरूरत है।

देश दुनिया से

ब्रह्मचर्य और अध्यात्म

जीवन की औसत अवधि 100 वर्ष की है तो पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा-दीक्षा होगी, उसके बाद के अगले 25 वर्ष, यानी 50 वर्ष तक की आयु में गृहस्थ आश्रम में रहते हुए दुनियावी जिम्मेदारियां निभाना, बच्चों का पालन-पोषण और उनकी शिक्षा-दीक्षा आदि की जिम्मेदारी संभालना, यह माना जाता है कि 50 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे जवान हो जाते हैं, समझदार हो जाते हैं, खुद मुख्तार हो जाते हैं और मां-बाप पर निर्भरता नहीं रहती, अत: व्यक्ति अध्यात्म की ओर प्रवृत्त हो सकता है। जीवन के इस भाग को वानप्रस्थ आश्रम का नाम दिया गया है और यह संन्यास और गृहस्थ आश्रम के बीच की स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख-साधन का लालच छोड़ कर खुद को समाज की भलाई के लिए प्रवृत्त करता चलता है।

भारतीय सनातन संस्कृति में जीवन को चार भागों में बांटा गया है। अगर मान लिया जाए कि जीवन की औसत अवधि 100 वर्ष की है तो पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा-दीक्षा होगी, उसके बाद के अगले 25 वर्ष, यानी 50 वर्ष तक की आयु में गृहस्थ आश्रम में रहते हुए दुनियावी जिम्मेदारियां निभाना, बच्चों का पालन-पोषण और उनकी शिक्षा-दीक्षा आदि की जिम्मेदारी संभालना, यह माना जाता है कि 50 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे जवान हो जाते हैं, समझदार हो जाते हैं, खुद मुख्तार हो जाते हैं और मां-बाप पर निर्भरता नहीं रहती, अतः व्यक्ति अध्यात्म की ओर प्रवृत्त हो सकता है। जीवन के इस भाग को वानप्रस्थ आश्रम का नाम दिया गया है और यह संन्यास और गृहस्थ आश्रम के बीच की स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख-साधन का लालच छोड़ कर खुद को समाज की भलाई के लिए प्रवृत्त करता चलता है। इसके बाद के अंतिम 25 वर्ष संसार के काम छोड़ कर व्यक्ति पूरी तरह से अध्यात्म में ही प्रवृत्त हो जाता है। सहज संन्यास मिशन ने आज की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसे और आसान बना दिया है। एक सहज संन्यासी कभी भी अपना परिवार नहीं छोड़ता, समाज से दूर नहीं जाता, दुनिया से दूरी नहीं बनाता, बल्कि परिवार में रहते हुए, समाज में रहते हुए, दुनिया में रहते हुए सिर्फ अपनी सोच और जीवन पद्धति में ऐसे बदलाव लाता है कि जीवन सच्चा हो जाए, प्रेममय हो जाए, आध्यात्मिक हो जाए। इसे हम सहज सुलभ मार्ग कहते हैं क्योंकि यह प्राकृतिक जीवन है और बहुत आसान है, सरल है, सहज है। अगर हम अपना सनातन इतिहास देखें तो हम पाते हैं कि हमारे आदर्श रहे ऋषि-मुनि और मनीषीजन भी विवाहित थे, संन्यासी जीवन में भी उनकी धर्मपत्नी उनके साथ थी, उनके बच्चे भी होते थे और वे आदर्श जीवन जीते थे। महर्षि गौतम की कहानी हम सबने सुन रखी है। वे गंगा स्नान के लिए गए तो देवराज इंद्र ने उनकी धर्मपत्नी देवी अहिल्या के साथ धोखा किया। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि महर्षि गौतम और उनकी धर्मपत्नी देवी अहिल्या साथ-साथ रहते थे, बल्कि संन्यासी होते हुए भी उन्हें कामदेव के आह्वान से परहेज नहीं था। यही कारण है कि अपने सनातन इतिहास में हमें बहुत से ऋषियों, उनकी धर्मपत्नी और बच्चों का जिक्र मिलता है। उस जमाने में भी ऋषि-मुनियों द्वारा गुरुकुल में शिक्षा देने की प्रथा थी तो शिक्षा का काम गुरु देखते थे और गुरुकुल की व्यवस्था की जिम्मेदारी गुरुमाता पर होती थी। एक दो उदाहरणों से ही बात समझ में आ जाएगी। महर्षि कश्यप की धर्मपत्नी देवी अदिति, महर्षि वेदव्यास की धर्मपत्नी देवी वाटिका उर्फ पिंजला थीं। आधुनिक युग में एक बड़ा भ्रम यह है कि संन्यास का मतलब है ब्रह्मचारी होना। सच तो यह है कि ब्रह्मचर्य और अध्यात्म का कोई विरोध नहीं है। ब्रह्मचारी भी आध्यात्मिक हो सकता है और गृहस्थ व्यक्ति भी आध्यात्मिक हो सकता है। यह समझना आवश्यक है कि आध्यात्मिक होने के लिए ब्रह्मचर्य कोई अनिवार्य शर्त नहीं है। यही कारण है कि सहज संन्यास मिशन की परंपरा के संन्यासीगण न केवल गृहस्थ में बने रहते हैं बल्कि वे ब्रह्मचारी भी नहीं होते। हां, यह अवश्य है कि उनमें से कोई भी व्यभिचारी भी नहीं हो सकता। सहज संन्यास परंपरा के पुरुष अथवा महिला संन्यासीगण अपने जीवनसाथी के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से शारीरिक संबंध नहीं रख सकते। दरअसल, शुरुआती जीवन में ब्रह्मचर्य इसलिए आवश्यक है ताकि शरीर का पूरा विकास हो सके और समय आने पर व्यक्ति अपने जीवनसाथी को चरम सुख का आनंद दे सके। गृहस्थ आश्रम में भी व्यभिचार की मनाही इसीलिए है, क्योंकि एक से अधिक व्यक्तियों के साथ शारीरिक संबंध गुप्त रोगों का कारण बनते हैं, सेहत खराब होती है, और सारा परिवार दुख भोगता है। यही नहीं, व्यभिचारी व्यक्ति अपने इन संबंधों को छुपाए रखने के लिए झूठ पर झूठ बोलता रहता है। सहज संन्यास मिशन में हम संन्यासीगण अपने जीवन में व्यभिचार से परहेज के इस नियम का कड़ाई से पालन करते हैं, पर न गृहस्थ जीवन छोड़ते हैं और न ही जीवनसाथी के साथ संबंध बनाने से किनारा करते हैं। गृहस्थ जीवन से बाहर के संबंध पतन का कारण बनते हैं क्योंकि समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए व्यक्ति झूठ बोलता है, अपनी कमाई, जिस पर परिवार का हक है, किसी पराये व्यक्ति पर खर्च करता है, समय बर्बाद करता है, सेहत खराब करता है। यह व्यभिचार है और यह कार्मिक हिंसा है। ऐसे आचरण वाला कोई व्यक्ति आध्यात्मिक दिख सकता है, प्रतिष्ठित हो सकता है, शक्तिशाली हो सकता है, पर आध्यात्मिक तो नहीं ही हो सकता। सहज संन्यास मिशन का स्पष्ट नियम है कि हमें अच्छा दिखना ही नहीं चाहिए, बल्कि सचमुच अच्छा होना भी चाहिए, होना ही चाहिए। सहज संन्यासी बातचीत में, व्यवहार में स्त्री और पुरुष में भेद नहीं करता।

आप का नजरिया

राहुल का 'भारत विरोध'

यह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पुरानी आदत है। यह उनकी राजनीति का हिस्सा भी है अथवा कुछ विदेशी ताकतें ऐसा करने को उन्हें उकसाती रही हैं। करीब 7-8 साल से राहुल गांधी विदेशी सरजमीं से भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। यदि वह आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ ही टिप्पणियां करें, तो उन्हें राजनीति मान कर नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन वह भारत-विरोध की तथ्यहीन, अज्ञानी, अपरिपक्व टिप्पणियां करेंगे, तो बेशक उसे 'देश-विरोध' ही समझा जाए और सरकार गंभीरता से ग्रहण कर निर्णय ले और उचित कार्रवाई करे। अब राहुल गांधी महज एक सांसद ही नहीं, बल्कि लोकसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। वह संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे राजनेता को 'छाया प्रधानमंत्री' आंका जाता है। यदि एक संवैधानिक व्यक्ति ही देश को अपमानित करेगा, चीन की तुलना में 'बौना' करार देगा और गलत तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, तो यह देश, समाज और सरकार को उसे 'अक्षम्य' मानना चाहिए। ऐसा व्यक्ति देश, संविधान और कानून से ऊपर नहीं है। आजकल राहुल गांधी अमरीका में हैं। वह साक्षात्कार दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे हैं। क्या गलत तथ्य पेश कर रहे हैं और नई पीढ़ी को भ्रमित कर रहे हैं? दरअसल भारत के बारे में उनकी सोच ही गलत और पूर्वाग्रही है। वह भारत के मूल विचार को ही नहीं जानते। उनके अनुसार, भारत विचारों की विविधता वाला देश है। अमरीका की तरह राज्यों का संघ है। शायद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद एक में जो परिभाषा दी गई है, उसे नहीं पढ़ा। पढेंग़े नहीं, तो समझेंगे कैसे? उसमें भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र परिभाषित किया गया है। संघीय चरित्र और ढांचा होने के कारण उस राष्ट्र में कई राज्य भी हैं, लेकिन वे निरंकुश नहीं हैं। भारत सरकार ही संवैधानिक तौर पर उन्हें संचालित करती है। अलबत्ता राज्यों को भी कुछ अधिकार दिए गए हैं। बहरहाल राहुल गांधी ने दूसरा मुद्दा रोजगार का उठाया और दावा किया कि चीन, वियतनाम आदि कुछ देशों में 'बेरोजगारी की समस्या' ही नहीं है, जबकि अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या है। यहां विश्व बैंक के आंकड़े गौरतलब लगते हैं, क्योंकि 2023 में चीन की बेरोजगारी दर 4.7 फीसदी थी, जबकि भारत में यही दर 4.2 फीसदी थी। यानी चीन में बेरोजगारी, भारत की तुलना में, अधिक रही है। वहां का एक ही उदाहरण पर्याप्त है कि 2 लाख नौकरियों के लिए करीब 77 लाख चीनियों ने आवेदन किया था। हम मानते हैं कि उत्पादन के क्षेत्र में चीन वैश्विक स्तर पर प्रभुत्व की स्थिति में है, लेकिन भारत भी आज 'एप्पल' और 'आईफोन 16' सरीखे अंतरराष्ट्रीय उत्पादों को बना रहा है। अब दुनिया भर में यही भारत-निर्मित उत्पाद सप्लाई किए जाएंगे और उन पर 'मेक इन इंडिया' अंकित होगा। सवाल है कि विदेशी मंचों पर राहुल गांधी, भारत के बारे में, गलत तथ्य पेश क्यों करते रहे हैं? यही नहीं, उन्होंने यहां तक कहा कि भारतीय राजनीतिक प्रणालियों और पार्टियों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरूरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरूरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी-मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरूरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता-पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएंगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 14 सितंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 08:43 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 08:33 तक
योग : शोभन सायं 06:17 तक
करण : वणिज प्रातः 09:43 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:18 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:21 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:10 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पद्मा जलझूलनी एकादशी व्रत, भद्रा प्रातः 09:42 से रात्रि 08:42 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विधानसभा चुनाव के लिए 1,561 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

चंडीगढ़, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि पांच अक्तूबर को हरियाणा विधानसभा (विस) की सभी 90 सीटों पर होने वाले आम चुनाव के लिये 1,561 प्रत्याशियों ने 1,747 नामांकन पत्र भरे, जिनकी समीक्षा की गयी है। सोमवार तक नामांकन वापिस लिए जा सकते हैं।

श्री अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश में मतदान पांच अक्टूबर तथा मतगणना आठ को होगी और चुनाव परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि सभी राजनीतिक दलों और निर्दलीयों को मिलाकर कुल 1,561 उम्मीदवारों ने 1747 नामांकन पत्र भरे हैं। इनमें भिवानी विधानसभा क्षेत्र से सर्वाधिक 31 उम्मीदवारों तथा नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र से सबसे कम नौ उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। उन्होंने बताया कि कालका और पंचकूला विधानसभा क्षेत्र से 14-14, नारायणगढ़ में 15, अम्बाला कैंट में 16, अम्बाला शहर और मुलाना (आरक्षित) से 15-15, सढ़ौरा (आरक्षित) से 11, जगाधरी और यमुनानगर से 16-16, रादौर से 13, लाडवा से 24, शाहबाद (आरक्षित) से 17, थानेसर से 14, पेहवा से 17, गुहला (आरक्षित) से 20, कलायत से 23, कैथल से 16 और पुंडरी से 28 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा।

इसी प्रकार, नीलोखेड़ी (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से 23, इंद्री से 10, करनाल से 17, घरौंडा से 12, असंध से 22, पानीपत ग्रामीण से 16, पानीपत शहरी से 17, इसराना (आरक्षित) से 13, समालखा से 12, गन्नौर से 15, राई से 18, खरखौदा (आरक्षित) से 15, सोनीपत से 16, गोहाना से 18, बरौदा से 11, जुलाना से 16, सफीदों से 22, जींद से 21, उचाना कलां से 30 और नरवाना (आरक्षित) से 18 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि टोहाना विधानसभा क्षेत्र से 17, फतेहाबाद से 27, रतिया (आरक्षित) से 18, कालांवाली (आरक्षित) से 12, डबवाली से 20, रानियां से 23, सिरसा से 18, ऐलनाबाद से 14, आदमपुर से 18, उकलाना (आरक्षित) से 11, नारनौंद से 25, हांसी से 23, बरवाला से 14, हिसार से 26, नलवा से 25, लोहारू से 18, बाढड़ा से 19, दादरी से 23, तोशाम से 22 और बवानी खेडा (आरक्षित) से 19 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा है।उन्होंने बताया कि महम विधानसभा क्षेत्र से 24, गढी-सांपला- कलोई से 12, रोहतक से 21, कलानौर (आरक्षित) से 15, बहादुरगढ़ से 19, बादली से 10, झज्जर (आरक्षित) से 13, बेरी से 15, अटेली से 14, महेंद्रगढ़ से 21, नारनौल से 17, बावल आरक्षित से 13, कोसली से 23, रेवाड़ी से 17, पटौदी (आरक्षित) से 12, बादशाहपुर से 19, गुडगांव व सोहना से 24-24, नूंह से 11, फिरोजपुर झिरका से 13, पुन्हाना से 11, हथीन से 13, होडल (आरक्षित) से 18, पलवल से 16, पृथला से 19, फरीदाबाद एनआईटी से 16, बडखल से 15, बल्लभगढ़ से 11, फरीदाबाद से 12 तथा तिगांव से 15 उम्मीवारों ने अपने-अपने नामांकन भरे है। उन्होंने बताया कि जिन उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ने के लिए नामांकन भरा है वे उम्मीदवार 16 सितम्बर, 2024 तक अपना नामांकन वापिस ले सकते है।

उसके बाद प्रदेश की 90 विधानसभा क्षेत्रों से लड़ने वाले उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी कर दी जायेगी, और उसी दिन सम्बंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा चुनाव चिन्ह आवंटित भी किया जायेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा विधानसभा आम चुनाव-2014 में 1351 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में यह संख्या 961 उम्मीदवारों की थी।

राजस्थान के पूर्व मंत्री सुंदरलाल का निधन

झुंझुनू, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मंत्री सुंदरलाल का लम्बी बीमारी के बाद गुरुवार की देर रात करीब दो बज कर 40 मिनट पर निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। सुंदरलाल ने जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह 15 अगस्त से अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने अपने पीछे छह पुत्र और तीन पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ कर गये हैं।उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को उनके पैतृक गांव कलवा में किया गया।

उनके पुत्रों ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर राज्य सरकार की ओर से मंत्री सुमित गोदारा, जिला कलेक्टर रामावतार मीणा, जिला पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी के साथ पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी सहित बड़ी संख्या में आमजन उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुये। दिवंगत सुंदरलाल का जन्म 22 अगस्त 1933 को झुंझुनू जिले के बुहाना तहसील के कलवा गांव में हुआ था। पूर्व मंत्री सुंदरलाल ने 22 अगस्त को ही अपना 92वां जन्मदिवस मनाया था। उन्होंने कुल 10 बार विधानसभा चुनाव लड़ा। जिनमें सात बार विधायक चुने गये जबकि तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वह पांच बार सूरजगढ़ और दो बार पिलानी सीट से विधायक चुने गए। वह 1998 में भैंरोसिंह शेखावत की सरकार में उर्जा राज्य मंत्री भी रहे थे। उससे पूर्व कांग्रेस की हरिदेव जोशी सरकार में वह संसदीय सचिव एवं वसुंधरा राजे की सरकार में उन्हें दो बार अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाकर कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया था। वह कांग्रेस की टिकट पर पहली बार 1972 में सूरजगढ़ से विधायक चुने गये।

सुंदरलाल कुल सात बार विधायक बने जिसमें दो बार कांग्रेस, दो बार निर्दलीय एवं तीन बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जीते थे। वह राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं भाजपा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष भी रह चुके थे। शेखावाटी में श्री सुंदरलाल जन-ाधार वाले नेता माने जाते थे। वह क्षेत्र के अकेले ऐसे नेता थे जो कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों से विधायक चुने गये। कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले झुंझुनू जिले में भाजपा को मजबूत करने का श्रेय सुंदरलाल को ही जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाल से हिंदू-राष्ट्र ...

नेपाल में हिंदू राजशाही खत्म हुई तो तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने येचुरी का इस्तेमाल किया था। मनमोहन सिंह का मानना था कि जेएनयू के एक अन्य पूर्व छात्र रहे माओवादी बाबूराम भट्टराई पर वे अपना प्रभाव इस्तेमाल कर सकें। त्रिपाठी भट्टराई को भी अच्छी तरह जानते थे। हिंदू राजशाही खत्म होने से पहले येचुरी दो बार वामपंथियों का प्रतिनिधिमंडल लेकर नेपाल जा चुके थे।नेपाल की राजनीति एवं हिंदू राजशाही के विरोध में सीताराम येचुरी की भूमिका का इसी अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनकी वजह से नेपाल के राजनीतिक दलों और माओवादियों के बीच 12 सूत्री समझौते हुए थे।इसे येचुरी फार्मूला कहा गया था। तब येचुरी ने कहा था, मैं इस तरह की ब्रांडिंग के खिलाफ हूं। यह नेपाली फार्मूला है और नेपाली राजनीतिक दल यही चाहते थे।

नेपाली संसद की बहाली और संविधान सभा के गठन की प्रक्रिया का स्वागत करते हुए माकपा नेता ने कहा था, नेपाल को एक नए लोकतांत्रिक रास्ते पर चलना चाहिए। राजनीतिक प्रक्रिया को 1990 में जो हासिल हुआ था, उसे बहाल करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही समझ माओवादियों को लोकतांत्रिक मुख्यधारा में लाएगी।साल 2006 में नेपाल के लिए जाने से पहले उन्होंने माओवादी नेतृत्व प्रचंड से बात की थी। दिल्ली में उन्होंने कहा था, उनका मुद्दा बिल्कुल स्पष्ट है। संविधान सभा के सवाल पर नेपाली लोगों के साथ दो बार विश्वासघात किया गया है? पहली बार 1951 में और फिर 1990 में। वे इसे दोहराना नहीं चाहते। यह उनके लिए एक उचित पूर्व शर्त है, जिसे वे नेपाल के नए लोकतांत्रिक विकास कहते हैं।उन्होंने कहा, इसका भारत में अति-वामपंथियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आज की क्रांतियों में लोकतंत्र के लिए लोगों की चाहत को भी शामिल किया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद कोइराला के निमंत्रण पर येचुरी और त्रिपाठी नेपाल पहुंचे थे और वहां सात दलों के गठबंधन के नेताओं के साथ बैठक की थी।नेपाल में जब संविधान लागू करने में कुछ ही महीने बाकी रहे तो सीताराम येचुरी वहां के राजनीतिक दलों से विचार विमर्श करने के लिए साल 2010 में तीन दिवसीय यात्रा पर नेपाल पहुंचे। इस दौरान वे नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद कोइराला, नेपाल की एकीकृत कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) के अध्यक्ष झालानाथ खनल से भी मुलाकात की थी।

इस तह सीताराम येचुरी और डीपी त्रिपाठी ने पड़ोसी देश नेपाल की आंतरिक राजनीतिक हालातों में हस्तक्षेप करते हुए वामपंथियों को हर तरह से मदद पहुंचाई। इसके बाद हिंदू राष्ट्र की पदवी को खत्म करके भारत के इस पड़ोसी देश को एक धर्मनिरपेक्ष देश घोषित कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ज्योति बसु सीपीएम पोलित ब्यूरो के सदस्य येचुरी को खतरनाक आदमी कहा करते थे। इसी सीताराम येचुरी के कारण ज्योति बसु भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन पाए थे।

शंकराचार्य पहाड़ी ...

जब पहचान नामों के माध्यम से यात्रा करती है तो वह समूचे क्षेत्र का इतिहास और संस्कृति बन जाता है। और नरसंहार समझने वाले लोग नाम का महत्व भली प्रकार से जानते हैं। इस बात से कोई भी इन्कार नहीं कर सकता है कि भारत में कश्मीर में कश्मीरी पहचान के साथ सैकड़ों वर्षों से नरसंहार होता आया है और वह अभी तक जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि जो नरसंहार हो चुका है, उसे और पुख्ता करने के लिए उसमें और प्रयास किए जा रहे हैं।नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणा पत्र में शंकराचार्य पहाड़ी को तख्त-ए-सुलेमान के रूप में संबोधित किया गया है। हरिपर्वत को कोहे मारन बताया गया। जरा सोचें कि जिस कश्मीर की पहचान स्वयं महादेव और महादेवी से होती हो और जहां के पर्वतों के नाम भी उसी पहचान को लेकर हों, अब नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में इनके नाम बदल दिए गए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के घो-षणापत्र में क्या घोषणा की गई है? इसमें लिखा गया है कि हम तख्त-ए-सुलेमान (शंकराचार्य हिल) को कोह-ए-मारन (हरि पर्वत किला) के साथ एक गोंडोला प्रणाली के माध्यम से जोड़ने की व्यवहार्यता का आकलन करेंगे, जिससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

एक पहाड़ी से दूसरी पहाड़ी तक जाने के लिए मार्ग बनाने में कोई समस्या नहीं है और न ही कोई मुद्दा है, परंतु मुद्दा है शंकराचार्य पर्वत और हरिपर्वत का नाम बदलना। उनका नाम इस्लामीकृत कर देना? शंकराचार्य पर्वत महादेव को समर्पित है और यहां पर महादेव का जो मंदिर है वह कश्मीर के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। कल्हण के अनुसार पर्वत को मूल रूप से गोपद्रिक या गोपा पर्वत के नाम से जाना जाता था। यह भी माना जाता है कि इस मंदिर का इतिहास ईसापूर्व से जुड़ा हुआ है। इस मंदिर को शंकराचार्य पर्वत नाम महान विचारक एवं आदि गुरु शंकराचार्य के नाम पर दिया गया।

इस मंदिर की मान्यता और इतिहास इस्लाम से भी पुराना है। यह स्पष्ट है कि यह पर्वत एक विशिष्ट पहचान को साथ लेकर चलता है जो हिंदुओं के इतिहास को या कहें कश्मीर के हिंदू इतिहास और कश्मीर की हिंदू परंपरा को दिखाता है। हरिपर्वत के साथ भी यही है। हरिपर्वत को इसलिए हिंदुओं द्वारा पवित्र माना जाता है क्योंकि यहां पर जगदंबा भगवती का मंदिर है। वे यहां पर स्वयंभू शिला के रूप में उपस्थित हैं। इस मंदिर को श्रीनगर की इष्ट देवी भी कहा जाता है। यहां पर छड़ी मुबारक भी आती है। हरिपर्वत और शंकराचार्य पर्वतों को आखिर इस्लामी पहचान किसलिए दी जा रही है? कांग्रेस भी इस मामले पर चुप है। स्वयं को महादेव का भक्त कहने वाले राहुल गांधी कश्मीर की आत्मा के साथ हो रहे इस छल पर मौन हैं? भारत की पहचान को विदेशों में नीचा दिखाने वाले और देवता आदि की परिभाषा अपने मन से गढ़ने वाले राहुल गांधी कश्मीर के साथ किए जा रहे इस जीनोसाइड के कृत्य पर एकदम मौन धारण करके बैठे हुए हैं।नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस घोषणापत्र को लेकर कश्मीरी हिंदू भी आक्रोश में हैं। उनका कहना है कि शंकराचार्य पर्वत का नाम बदलना पहचान बदलने का कोई पहला प्रयास नहीं है। यह लगातार होता आ रहा है। यह भी ध्यान में रखा जाए कि कश्मीर की प्रख्यात संत लल्लेश्वरी देवी, जो हिंदू दर्शन शैववाद की प्रख्यात विदुषी थीं, और जिन्होंने इस रहस्यवाद पर असंख्य वाख रचे हैं, उन्हें लल्ला आरिफ या लैला आरिफ कहकर भी प्रचारित किया जा रहा है। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ कश्मीर आधारित दल कश्मीरी हिंदुओं को बसाने की बात करते हैं तो वहीं उनकी पहचान को ही मिटाने का षड्यंत्र हर दिन रचा जा रहा है।

84 के सिख...

सिखों को मारो, उन्होंने हमारी मां को मार डाला है, जिसके बाद हिंसा भड़क गई। इस उकसावे का परिणाम कई सिखों की हत्या के रूप में सामने आया।

अदालत ने टाइटलर के खिलाफ हत्या, गैरकानूनी सभा, दंगा, विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, घर में अतिक्रमण और चोरी जैसे गंभीर अपराधों के तहत आरोप तय किए हैं। इन सभी आरोपों के तहत अब टाइटलर को कानूनी प्रक्रिया से गुजरना होगा, जहां उन पर मुकदमा चलेगा। 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पूरे देश में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे, जिसमें दिल्ली सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। इन दंगों में हजारों सिखों की हत्या कर दी गई थी और सैकड़ों गुरुद्वारों और घरों को लूटा व जलाया गया था। कांग्रेस के कई नेताओं पर इन दंगों में शामिल होने और भीड़ को उकसाने के आरोप लगे थे, जिनमें से एक प्रमुख नाम जगदीश टाइटलर का भी है।जगदीश टाइटलर कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं। उनका राजनीतिक करियर कई दशकों का है और वे दिल्ली में कई बार सांसद रह चुके हैं। टाइटलर का नाम 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद से विवादों में रहा है, जब उन पर आरोप लगे कि उन्होंने दंगों के दौरान सिख समुदाय के खिलाफ भीड़ को उकसाया। टाइटलर का जन्म 11 जनवरी, 1944 को हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा दिल्ली में प्राप्त की और भारतीय राजनीति में कांग्रेस के टिकट पर प्रवेश किया। 1980 के दशक में, टाइटलर दिल्ली की राजनीति में उभरे और केंद्र सरकार में भी मंत्री रहे। हालांकि सिख दंगों से जुड़ी विवादित घटनाओं के कारण उनका राजनीतिक करियर कई बार प्रभावित हुआ है। उनके खिलाफ आरोपों के चलते कांग्रेस ने भी कई बार उन्हें जिम्मेदार पदों से हटाया है।जगदीश टाइटलर के खिलाफ अदालत का यह आदेश न केवल सिख दंगों से जुड़े मामले को फिर से सुर्खियों में लाता है, बल्कि देश की न्यायिक प्रणाली में विश्वास को भी प्रबल करता है। हालांकि, टाइटलर ने खुद को निर्दोष बताया है, लेकिन अब उन्हें अदालत में मुकदमे का सामना करना होगा। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस मामले का कानूनी परिणाम क्या होता है, और क्या यह फैसला सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए न्याय की दिशा में एक कदम साबित होगा।

सीएम ऑफिस ...

जबकि उसने उन्हें 22 महीने तक गिरफ्तार नहीं किया था और उन्हें तभी गिरफ्तार किया जब वे ईडी मामले में जमानत पाने के कगार पर थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी शक्तियों का संयम से प्रयोग किया जाना चाहिए, किसी व्यक्ति की एक दिन के लिए भी अनावश्यक गिरफ्तारी एक दिन ज्यादा है।उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा केजरीवाल की विलम्ब से की गई गिरफ्तारी अनुचित है।

केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। 26 जून को सीबीआई ने कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी और वे वर्तमान में सीबीआई के भ्रष्टाचार मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। जुड़े मामलों में 40 आरोपियों में से केवल दो केजरीवाल और व्यवसायी अमनदीप सिंह ढल्ल ही सलाखों के पीछे हैं।

भाजपा ने अप्रासंगिक ...

स्पष्ट कर दिया है कि उनकी गिरफ्तारी वैध है, उन पर आरोप वैध हैं। केजरीवाल को सशर्त जमानत मिलना कोई विशेष उपलब्धि नहीं है।उन्होंने कहा कि मुकदमा चलेगा और उन्हे शीघ्र लंबी सजा होगी। केजरीवाल याद रखें वह अब जयललिता, लालू यादव, मधु कोड़ा जैसे मुख्यमंत्रियों की सूची में जुड़ गए हैं और उन्हे भी जमानत मिली थी और वह शीघ्र सजा पा कर फिर जेल जाएंगे। जिन शर्तों पर अरविंद केजरीवाल को जमानत मिली है उनके चलते, केजरीवाल को जमानत बेशक मिली हो पर उन्हे अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। जब वह मुख्यमंत्री का काम नहीं कर सकेंगे तो वो मुख्यमंत्री क्यों। अगर वो सच्चे हैं तो यह शर्त क्यों, इस्तीफा दें?

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय ने कट्टर बेईमान, आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल को फिर से आइना दिखाया है। जो आदेश पारित हुआ है, उसमें भ्रष्टाचारी अरविंद केजरीवाल को सशर्त जमानत मिली है। जेल वाला सीएम अब बेल वाला सीएम बन गया है। अब अरविंद केजरीवाल को चाहिए कि वो अपने पद से इस्तीफा दे दें, लेकिन अरविंद केजरीवाल ऐसा करेंगे नहीं क्योंकि उनमें जरा भी नैतिकता नहीं बची है..अब ये कहना गलत नहीं होगा कि भ्रष्टाचार युक्त सीएम अभियुक्त। अब वो अभियुक्त की श्रेणी में हैं।गौरव भाटिया ने कहा, सशर्त बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अन्य आरोपियों के जमानत आदेश की शर्तें अरविंद केजरीवाल पर भी लागू होंगी। अरविंद केजरीवाल का पासपोर्ट कोर्ट में रहेगा। वह विदेश यात्रा पर नहीं जा सकते हैं। अरविंद केजरीवाल को हर सोमवार और गुरुवार को जांच अधिकारी के सामने पेश होना पड़ेगा। वह गवाहों को डरा नहीं सकते और साक्ष्य को नष्ट नहीं कर सकते। सीबीआई के खिलाफ पिंजरे का तोता वाली टिप्पणी पर गौरव भाटिया कहते हैं, कोलगेट घोटाले के समय भ्रष्ट कांग्रेस ने सीबीआई को पिंजरे का तोता बना दिया था। सीबीआई पिंजरे का तोता नहीं है। आज बाज बन चुका है, भ्रष्टाचारियों को चोट लग रही है, इसलिए भ्रष्टाचारियों को दर्द हो रहा है।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, KYATHAMONI SHEKHAR S/o. BALAIAH, No. 15795004x Rank:Nk, KYATHAMONI SHEKHAR, my Wife name of Polemoni Lavanya (Existing name of Wife as per change in official records/service documents), Presently Residing at Vaspula village, Midjil -Mandal, Mahabubnagar District, Telangana State, PIN- 509357, have change my wife's name from **POLEMONI LAVANYA** (Existing name of Wife as per change in official records) to **KYATHAMONI LAVANYA** (Proposed/adopted new name) vide Affidavit No. 37AA 229539.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Shahnaz Khaname spouse of No.JC 722371F Sub Shakil Ahmed Khan, R/o.Vill&Po:Khajurar, Teh:Pandarak, Dist:Patna, Bihar - 803213 have changed my name & DOB from **SHAHNAZ KHANAME**, DOB:**01-07-1957** to **SHAHNAZ KHANAM**, DOB:**15-02-1947** vide affidavit dt:13-9-2024 before C.Samuel, Advocate & Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15815589A Hav Naresh Kumar of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my mother name is changed from **RAJKALI** to **RAJ KALI**

CHANGE OF NAME
I, SUNITA Spouse of No.JC 735754A Nb Sub RAHISH KUMAR, R/o.Vill:Nihalpura, Po:Sohali, Teh:Buhana, Dist:Jhunjhunu, Rajasthan-333515 have changed my name from **SUNITA** to **SUNITA DEVI** vide affidavit dt:13-9-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 14 सितंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एससीआर ने सीआईआई से पांच ऊर्जा दक्षता इकाई पुरस्कार जीते

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) को ऊर्जा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए 25वें राष्ट्रीय पुरस्कार-2024 में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) से पांच ऊर्जा कुशल इकाई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। हैदराबाद डिवीजन को भवन निर्माण क्षेत्र के लिए चार पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा को ऊर्जा के प्रति अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए एक कुशल इकाई पुरस्कार मिला है। ये पुरस्कार वर्ष 2024 के दौरान सर्वोत्तम ऊर्जा प्रबंधन प्रथाओं के लिए घोषित किए गए हैं। ये पुरस्कार हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई ने अपनी टीम और कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा के अधिकारियों के साथ ऊर्जा दक्षता पुरस्कार समारोह के दौरान शुक्रवार 12 सितंबर को हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी), नोवोटेल, हैदराबाद में प्राप्त किए।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई, जी. सुमना, कैरिज वर्कशॉप मैनेजर, लालागुडा वर्कशॉप और उनकी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी ।

उन्होंने कहा कि एससीआर सर्वोत्तम ऊर्जा संरक्षण प्रथाओं के कार्यान्वयन में सबसे आगे रहा है। महाप्रबंधक ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि जोन को कई वर्षों से लगातार राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ज़ोन लगातार इन उपायों को लागू कर रहा है जिससे ऊर्जा संरक्षण में मदद मिलती है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा उस्मानिया अस्पताल में जलशाला स्थापित

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार, दि. 13 सितंबर को अग्रवाल समाज तेलगाना की केंद्रीय समिति द्वारा उस्मानिया अस्पताल में महाराजा अग्रसेन शीतल पेय जलशाला स्थापित किया गया । समिति के चेयरमैन महेश कनोडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कुल चार पेयजल संयंत्र स्थापित किये गये। जिसमें 3 नई मशीने हैं और एक का संयंत्र का नवीनीकरण किया गया। मशीनों के साथ-साथ आर.ओ.वाटर प्लांट भी लगाये गये हैं । उक्त जलशाला संयंत्र भरतचंद गुप्ता एवं राजलक्ष्मी ज्वेलर्स के सौजन्य से स्थापित किये गये। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष एवं डॉ. राकेश (डिप्टी सुपरिंडेंट उस्मानिया) ने जलशा-लाओं का उद्घाटन किया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल नें उस्मानिया अस्पताल के उपस्थित डॉक्टरों का सम्मान किया गया ।संयोजक महेश कनोडिया ने बताया कि अग्रवाल समाज द्वारा श्री अग्रसेन महाराज शीतलपेय जलशाला योजना के अन्तर्गत स्थापित यह पंचम जलशाला स्थल है। इससे पूर्व चार स्थलों पर जलशाला स्थापित की जा चुकी है और जानकारी प्राप्त करने पर सभी जलशालाओं से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। कई लोगों ने इन जलशालाओं से लाभ उठाया है ।इस अवसर पर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने संयोजक महेश कनोडिया को बधाई दी और उनके कार्य के प्रति समर्पण भावना की सराहना की । अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने दानदाताओं का भी आभार जताया और धन्यवाद किया। इस अवसर पर हैदरगुडा शाखा से श्रीमति सत्वंती सरायवाला भी उपस्थित थी ।

सोलिटेयर हारमोनी विट्ठलराव नगर माधोपुर में गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। राधा अष्टमी पर राधाकृष्ण और गणपति को छप्पन भोग अर्पित किए गए एवं सामूहिक आरती की गई। पूजा में सम्मिलित राष्ट्रीय चेतना सेवा समिति तेलांगना प्रदेश अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, नम्रता, शिरिषा, चारु, लावण्या,सरोज, श्रुति, भाग्यलक्ष्मी, मीता, वैन्नारसी, माधवी, श्रीदेवी, उमा, दीपा, चैतन्या, रोहिणी, सोनी, नीलिमा, विजया गौरी, राधिका सभी ने उत्साहपूर्ण राधाजी का जन्मोत्सव और गणेशोत्सव मनाया।

गुलाबराय कान्तिलाल द्वारा उनके वैदिक संस्कार भवन, गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स में श्रीराम कथा में श्रीराम सीता जी के विवाह प्रसंग के दिन कथा वाचक स्वामी श्री राघवाचार्य जी का आशीर्वाद लेते अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल।

अत्तापुर के तेजस्वी नगर स्थित ईस्टवुड अपार्टमेंट में जय श्री केदारनाथ संगठन द्वारा आयोजित विशालकाय गणेश प्रतिमा की पूजा करते हुए मुख्य अतिथि अत्तापुर इंस्पेक्टर वेंकट रामी रेड्डी, राजेंद्र नगर प्रेस एसोसिएशन के प्रेसिडेंट बालू सुब्रमण्यम, पवन भारती, श्रीकांत, राजगोपाल झवर, राजेश कुमार लोया, प्रभाकर रेड्डी, नरेश अग्रवाल, संजय जोशी, विनय कुमार अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य महिलाएं एवं नन्हे मुन्ने बच्चे।

जय श्री कृष्ण यादव गणेश मण्डल द्वारा बेगम बाजार में स्थापित पहल-वान गणेश के दर्शन करते हुए अरुण डाकोतिया, संतोष पहलवान, मुकेश पंवार, नागेश अग्रवाल।

अग्रवाल समाज की प्रथम विशेष साधारण सभा आज

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज समस्त केन्द्रीय समिति सदस्यों, शाखाओं के पदाधिकारीगणों एवं सभी समिति के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन को सूचित किया है कि 2024-25 की प्रथम विशेष साधारण सभा का आयोजन शनिवार, दि. 14-09-2024 को शाम 7:30 बजे से अग्रवाल समाज बैंक्वट हॉल, पैराडाइज, सिकंदराबाद में किया की जा रही है। जिसमें महाराजा श्रीअग्रसेनजी की पूजा-अर्चना, (2) अध्यक्षीय स्वागत संबोधन, (3) पूर्व सभा के मिनट्स पारित करना, (4) अग्रसेन जयंती समारोह 2024 हेतु विस्तृत परिचर्चा, (5) समाज की गतिविधियों के बारे में विस्तार से सूचना, (6) अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर विचार तथा (7) धन्यवाद ज्ञापन रहेगा। सभा के पश्चात सहभोज की व्यवस्था रहेगी।

हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह 17 सितंबर को

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संस्कृति मंत्रालय, तेलंगाना के शहर हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह का आयोजन 17 सितंबर को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में आयोजित करेगा।आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि समारोह के हिस्से के रूप में, अर्ध-सैन्य और रक्षा बल राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद परेड आयोजित करेंगे।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान, हैदराबाद की मुक्ति के ऐतिहासिक संघर्ष पर प्रकाश डालने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। शनिवार को सुबह नौ बजे परेड ग्राउंड में पूर्ण रिहर्सल आयोजित की जाएगी।राज्यसभा सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण परेड रिहर्सल की निगरानी करेंगे और सांस्कृतिक प्रदर्शन की तैयारी की समीक्षा करेंगे।

बेगम बाजार पोस्ट आफिस के पास स्थापित गणेश मण्डप में दर्शन करते हुए अरुण डाकोतिया, अविनाश देवड़ा एवं नागेश अग्रवाल।

अग्रवाल बालिका विद्यालय में महाराजा अग्रसेन जी का पूजन कल

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अग्रकुल शिरोमणी महाराजा अग्रसेन जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में 15 सितंबर रविवार प्रातः 9.30 बजे अग्रवाल समाज रिकाबगंज, उर्दुगल्ली, चारमीनार और राणीसती दादी महिला शाखा घांसी बाजार शाखाओं द्वारा अग्रवाल शिक्षा समिति की अग्रवाल बालिका विद्यालय प्रांगण में स्थित महाराजा अग्रसेनजी की मूर्ति का पूजन किया जाएगा। आप सभी से विनम्र निवेदन है कि समय से पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

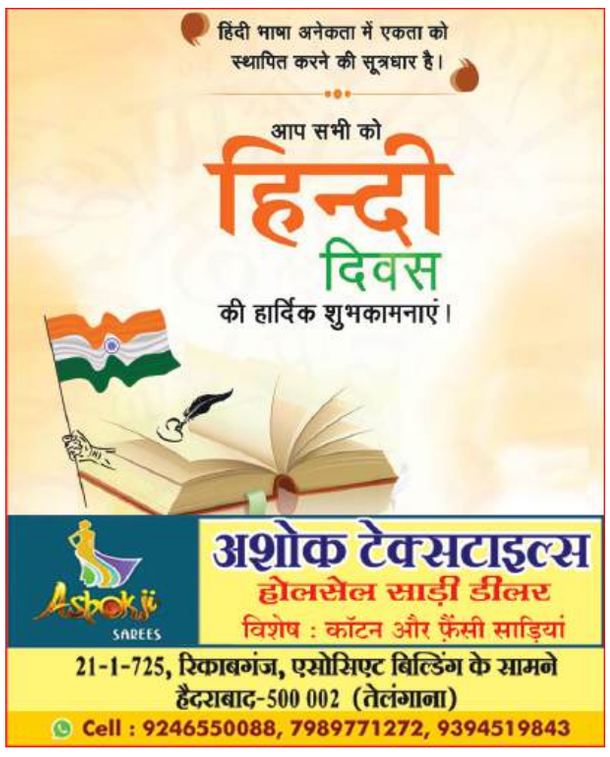

सुधीर जोशी महाराज, किशोर चिटगोपेकर और जी. राघवेंद्र नामपल्ली स्थित देवी बाग मंदिर में स्थापित गणेश प्रतिमा की पूजा करते हुए।

विप्र फाउण्डेशन ज़ोन-16, तेलंगाना द्वारा रविवार 15 सितम्बर को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन स्थल बद्रुका कॉलेज ऑडिटोरियम का निरीक्षण राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास, संयोजक आनन्द शर्मा, प्रदेश महामंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष मदनगोपाल व्यास, हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत व्यास, महामंत्री प्रदीप खण्डेलवाल, कोषाध्यक्ष भरत चाण्डा, संयोजक मण्डल के सुरेशकुमार व्यास व विजय व्यास ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर संतोष व्यक्त किया।

शासन दीप संस्था संबंधी प्रचार सामग्री का विमोचन

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामकोट स्थित श्री जैन सेवा संघ भवन में शासन दीप संस्था की प्रचार सामग्री का विमोचन शुक्रवार दि. 13 सितम्बर 2024 को सायं 6.30 बजे से आयोजित संस्था की बैठक जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में मनोज तातेड ने बताया कि आयोजित बैठक में श्री जैन सेवा संघ पूर्व अध्यक्ष शासनसेवी जसराज श्रीश्रीमाल, भारतीय जैन संघठन के अध्यक्ष निर्मल सिंघवी, श्री जैन सेवा संघ के मानद् मंत्री अशोक मुथा, बोलारम जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप सुराणा, मारेडपल्ली जैन संघ के संस्थापक महावीर तातेड, श्री जैन सेवा संघ के नवल बाफना, भगवान महावीर आत्म गौरव ट्रस्ट को कोषाध्यक्ष मनोज तातेड, जैन माईनोरिटी काउनसिल के रिद्धीश जागीरदार, गोशामहल जैन संघ के ललित भंडारी, फीलखाना जैन संघ के किरण टापराणी, आनंद बोहरा जैन, मलकपेट जैन संघ के पारस नाबरीया, प्रीतेश बोहरा, नवनीत नाहर, अमीरपेट जैन संघ से संदीप पीपाड़ा, श्रमणोपासक जैन संघ के कार्यकारीणी सदस्यपवन बलावत, सिकंदराबाद जैन संघ के घेवर कोठारी, अशोक नगर जैन संघ के महावीर दक, जीवदया प्रेमी सुरेंद्र जी आदि ने भाग लिया।

मनोज तातेड ने बताया कि शासन दीप संस्था की स्थापना की अधिकारीक घोषणा रविवार दि. 15 सितम्बर 2024 को लोअर टैंक बंड स्थित भाग्यनगर गौसेवा सदन मे श्री जैन सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित सामूहिक क्षमापना सम्मेलन में की जायेगी तथा इसके मनोनित पदाधिकारीयो की घोषणा भी इसी के साथ कि जायेगी।

बैठक का शुभारंभ नवकार महामंत्र के पठन के साथ किया गया अवसर पर पधारे सभी का स्वागत करते हुए सुरेन्द्र भंडारी ने कहा कि शासन दीप संस्था का मुख्य उद्देश्य जैन समाज मे घटती जन संख्या के प्रति जागृति फैलाना व समाज हेतु दूरदर्शिता का कार्यक्रम तैयार करना है ।

जसराज श्रीश्रीमाल ने बैठक को संबोधीत करते हुए कहा कि जैन समाज की घटती जनसंख्या पर बुद्धिजीवी समाज काफी चिन्तित है। एक अनुमान के मुताबिक समाज की जनसंख्या दर 2:1.05 यानि 2 मृत्यु दर है तो जन्म दर 1.05 ही है। इस अनुमान से हर साल तकरीबन 42000 जनसंख्या कम हो रही है। यदि यही सिलसिला चालु रहा तो आने वाले 50 सालों में हमारी जनसंख्या 5 से 10 लाख रह जाए तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी।

निर्मल सिंघवी ने कहा कि जैन समाज की इस गम्भीर सत्य को समाज के सामने रखना और इस विषय में जागृति फैलाना तथा इस संदर्भ में युवा सोच को तैयार करना ही शासन दीप संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होने इस योजना के मुख्य बिन्दु पर सभी को अवगत कराया।

जिसमें 1) इस विषय में संगोष्ठिया करना, हर क्षेत्र मे युवाओं से मिलकर समाज संरचना हेतु उनसे विचार विमर्श करना। 2) त्रयनगर (हैदराबाद, सिकंदराबाद, बोलारम) जैन समाज सदस्य जिनको दिसम्बर 2023 के बाद तीसरी बार की संतान (पुत्र या पुत्री) होनेपर 2 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित करना। 3) इसके अलावा भगवान महावीर जैन मेडिकल ट्रस्ट हैदराबाद द्वारा जरूरतमंद को तीसरी प्रसुति हेतु उचित राशि दी जायेगी। 4) इस कार्य में गोडवाड भवन ट्रस्ट बेंगलोर से मार्गदर्शन लेना।

बैठक मे विभिन्न क्षेत्रो से पधारे जैन बंधुओ ने इस योजना के लिये तन, मन, धन से सहयोग करने का आस्वासन दिया।

जामबाग स्थित गणेश मंडप में उपस्थित भाजपा नेता गोविंद राठी, मनोज जायसवाल, किरण, भारत, लोकेंद्र, जगदीश सुरेश एवं अन्य।

जामबाग डिविजन के सुंदरबाग में यारों के यारी गणेश मंडल में स्थापित गणेश जी की पूजा एवं दर्शन करने के बाद उपस्थित गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल, मंगलहाट के पार्षद लाल सिंह, श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, मोहन सिंह एवं मंडल के सदस्य।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का पंचम टैली शिविर प्रारंभ

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना अग्रवाल समाज में बंधुओं को रोज़गार के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्य कर रहा है। जिसमें टैली प्रशिक्षण प्रमुख है और अभी तक चार प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं । संयोजक प्रेम अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि गुरुवार, दि. 12 सितंबर से दिलसुख नगर स्थित पीआर सॉफ्टवेर में 25 प्रशिक्षार्थियों के साथ पंचम टैली शिविर प्रारंभ किया गया। अब तक इन शिविरों से लगभग 110 बंधुओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और लगभग 46 बंधुओं को रोज़गार मिला ।अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने संयोजक प्रेम अग्रवाल सहसंयोजक आशुतोष अग्रवाल और पीआर सॉफ्टवेर के डायरेक्टर रोशन अग्रवाल के इस कार्य की सराहना की और भविष्य में उक्त कार्य को निरंतर जारी रखने का आग्रह किया । अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आश्वासन दिया कि उक्त कार्य को केंद्रीय समिति की ओर हर संभव सहायता दी जाएगी।

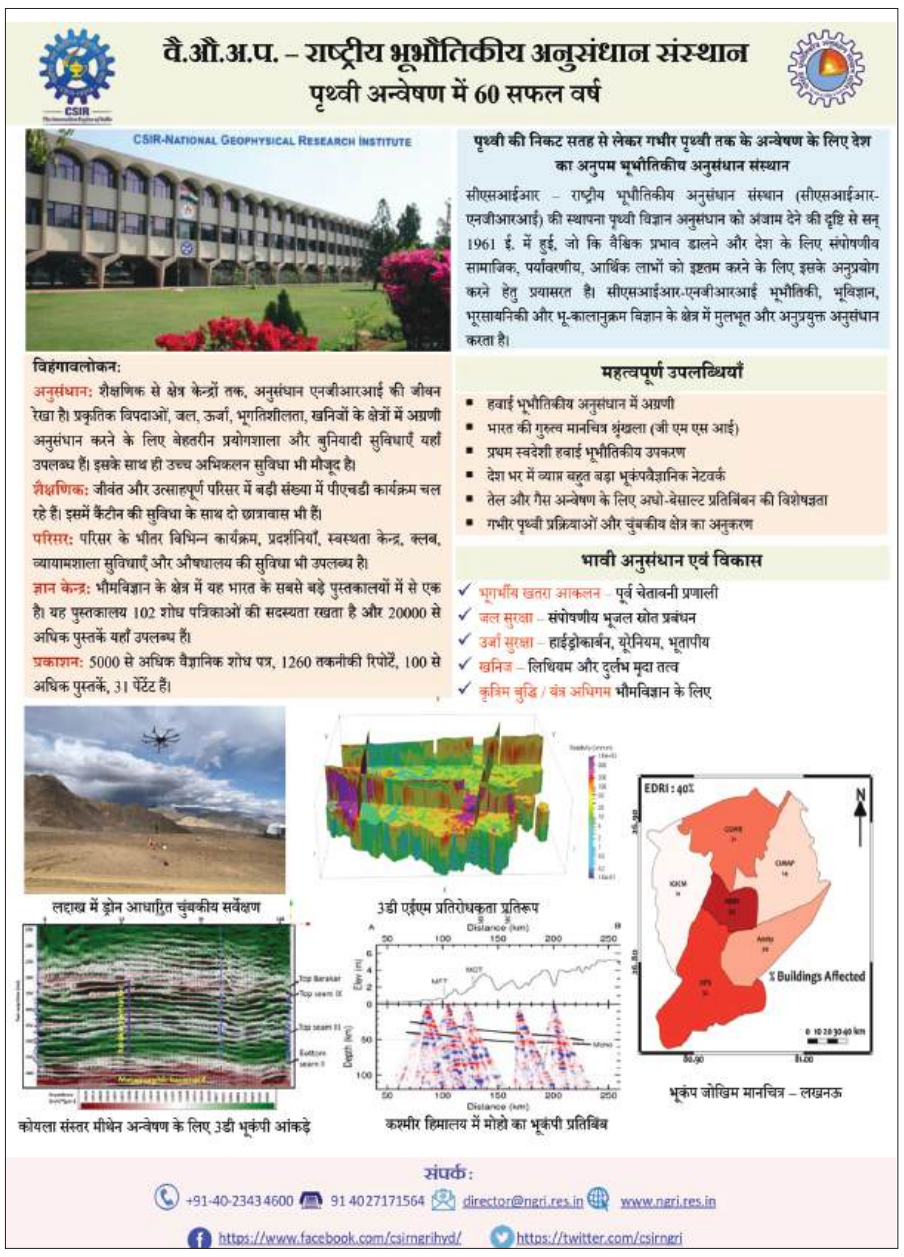

पीएम मोदी की जेलेंस्की से वार्ता के बाद रूस पहुंचे एनएसए

युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हो रहा स्टेज

मॉस्को, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पतिन से मुलाकात की है। इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। पिछले महीने ही पीएम मोदी ने यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की थी। उस मुलाकात के जरिए पीएम मोदी ने यूक्रेन और रूस को शांति संदेश देने का काम किया था। अब अजित डोभाल रूस पहुंचे। उनकी तरफ से पीएम मोदी का संदेश पुतिन को बताया गया। माना जा रहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समुचित माहौल और मंच तैयार किया जा रहा है।

श्री श्रीनिवास वेलफेयर यूथ एसोसिएशन, किनारीगल्ली, गोला खिड़की द्वारा महा न्यावेद्यम 56 भोग (5600 किलो), 56 प्रकार के मिठाइयों से बनाये गये भगवान श्री गणेश महाराज।

झारखंड के संथाल परगना में बेइंतिहा आबादी असंतुलन

हिंदू आदिवासी 16% घटे, ईसाई 6000 गुणा बढ़े

रांची, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

झारखंड में हो रहे डेमोग्राफिक बदलावों पर कुछ हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। ये खुलासे केंद्र सरकार द्वारा झारखंड हाईकोर्ट में एक याचिका पर दिए गए जवाबों से हुए हैं। अपने जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि झारखंड के संथाल परगना में जनजातीय आबादी में 16 फीसदी की कमी आई है। ये आबादी परगना में पहले 44 फीसदी थी लेकिन अब ये मात्र 28 रह गई है।

केंद्र ने अपने जवाब में बताया कि जनजातीय आबादी के कम होने के पीछे दो कारण हैं, पहला पलायन और दूसरा धर्मांतरण। केंद्र सरकार के जवाब में ये भी बताया गया कि एक तरफ जहां जनजातीय आबादी घटी है तो वहीं दूसरी ओर संथाल परगना के छह अलग-अलग जगहों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 फीसदी तक बढ़ी है। वहीं ईसाइयों की संख्या भी इन इलाकों में 6000 गुणा तक बढ़ी है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों झारखंड में हो रही बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर दानियल दाश की ओर से जनहित याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में बताया गया था कि संथाल के छह जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं जिसकी वजह से संथाल की जनसंख्या बदल रही हैं। इलाकों में मदरसे बनाए जा रहे हैं। स्थानीय जनजातीय महिलाओं को फंसा कर वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है। याचिका के कोर्ट पहुंचने के बाद उस समय संथाल के छह जिलों (पाकुड़, साहिबगंज, दुमका, गोड्डा, देवघर और जामताड़ा) के डिप्टी कमीशनरों ने कहा था कि उनके जिले में कोई बांग्लादेशी घुसपैठ नहीं हुई है। इस तरह साफ नकारे जाने की बात पर कोर्ट ने उन्हें चेताया भी था कि अगर इलाके में एक भी घुसपैठ का मामला मिला तो उनके ऊपर कोर्ट की अवमानना का मामला चलेगा। इस मामले में इससे पहले 5 सितंबर को हाईकोर्ट में एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ के

समक्ष सुनवाई हुई थी। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने बताया था कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के प्रवेश काफी संवेदनशील मामला है। घुसपैठिया झारखंड के रास्ते देश के अन्य राज्यों में भी प्रवेश कर वहां की आबादी को प्रभावित करेंगे। इसे हर हाल में रोकना होगा।

उन्होंने कोर्ट को जानकारी दी थी कि जनजातीय समुदाय की कम होती संख्या केंद्र सरकार के लिए भी चिंता का विषय है। ऐसे में केंद्र सरकार बीएसएफ-आईबी सब से विचार विमर्श करके इस मामले में जवाब तैयार करेगी और कोर्ट को पेश करेगी। 5 सितंबर को हुई इस सुनवाई के बाग मामले के संबंध में 12 सितंबर को जवाब दाखिल किया गया। केंद्र सरकार ने बताया कि घुसपैठ साहिबगंज और पाकुड़ जिलों से हुई है। ये इलाके पश्चिम बंगाल से सटे हुए हैं। घुसपैठिए इन इलाकों में इसलिए आए क्योंकि यहां की बोली एक जैसी थी, जिससे उन्हें घुलने-मिलने में मदद मिली। अब इस मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

मालूम हो कि केंद्र के अनुसार, 1951 की जनगणना में संथाल परगना की कुल जनसंख्या 23,22,092 थी, जिसमें हिंदू 90.37 प्रतिशत, मुस्लिम 9.43 प्रतिशत और ईसाई 0.18 प्रतिशत थे। वहीं 2011 की जनगणना में संथाल परगना की कुल जनसंख्या 69,69,097 हो गई, जिसमें हिंदू 67.95 प्रतिशत रह गए, मुस्लिमों की संख्या 22.73 प्रतिशत हो गई और ईसाई 4.21 प्रतिशत हो गए।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल में हिंदी दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल मिधानि कंचनबाग, हैदराबाद में उत्साह और जोश के साथ हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने मिलकर हिंदी भाषा की समृद्धि और महत्व को मनाया। हिंदी दिवस का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार, हिंदी भाषा के महत्व को बताना, हिंदी भाषा को उन्नति की राह पर आगे बढ़ाना आदि है। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रधानाचार्य वी एस प्रशांत ने हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बताया, उन्होंने बच्चों को हिंदी भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही साथ हिंदी में विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए भी कहा। समारोह के दौरान, छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इनमें कविता पाठ, नाटक, गायन, और नृत्य शामिल थे। सभी प्रस्तुतियों ने हिंदी भाषा की सुंदरता और गहराई को प्रदर्शित किया। हिंदी न केवल हमारी राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है, बल्कि यह एकता और विविधता की भावना को भी प्रोत्साहित करती है। समारोह के अंत में स्कूल के प्राचार्य ने सभी छात्रों और हिंदी विभाग के सभी शिक्षकों को हिंदी दिवस समारोह की सफलता के लिए धन्यवाद दिया। हिंदी दिवस समारोह एक सफल आयोजन था, जिसने छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति गर्व और सम्मान की भावना पैदा की। स्कूल ने इस तरह के आयोजनों के माध्यम से हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की त्रासदी पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया मांगी तो

...पत्रकार से हाथापाई की और कैमरा छीन लिया

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश में जाकर अफवाह उड़ाते हैं कि भारत की मौजूदा सरकार के शासन में देश में पत्रकारिता की स्वतंत्रता कम हो गई है। वे अपनी हर अमेरिकी यात्रा में इस बात को दोहराते रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी के टीम के लोग ही मनमाफिक सवाल नहीं पूछने पर पत्रकारों के साथ मारपीट करते हैं और उनके मोबाइल फोन छिन लेते है। भारत के पत्रकार के साथ अमेरिका में ऐसा ही किया गया।

राहुल गांधी की हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान एक राष्ट्रीय मीडिया समूह के वरिष्ठ पत्रकार रोहित शर्मा के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेसियों ने दुर्व्यवहार हुआ। रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर सवाल किया कि क्या राहुल गांधी बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार का मसला उठाएंगे? इस सवाल बुरी तरह बिदके कांग्रेस समर्थकों ने पत्रकार का मोबाइल फोन छीन लिया, फुटेज डिलीट करने के लिए धमकाने लगे और उनके साथ बदसलूकी की। पत्रकार से बदसलूकी करने वालों में राहुल गांधी के निजी सचिव अलंकार भी शामिल थे। अलंकार ने ही रिकॉर्डिंग डिलीट करने को कहा। पत्रकार ने मना कर दिया तो अलंकार ने उनका आईफोन छीन लिया और उनकी गर्दन पकड़ ली। इसके बाद फोन को जबरन अनलॉक करके रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी। पत्रकार रोहित शर्मा ने बताया कि वे 7 सितंबर 2024 को भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बहुप्रतीक्षित यात्रा का कवरेज करने के लिए अमेरिका के डलास स्थित टेक्सास गए थे। वहां राहुल गांधी आने वाले थे और भारतीय प्रवासियों, छात्रों, प्रेस और कैपिटल हिल के नेताओं के साथ मुलाकात करने वाले थे। रोहित शर्मा ने वहां इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा से भी सम्पर्क किया। पित्रोदा का भी इंटरव्यू लिया।

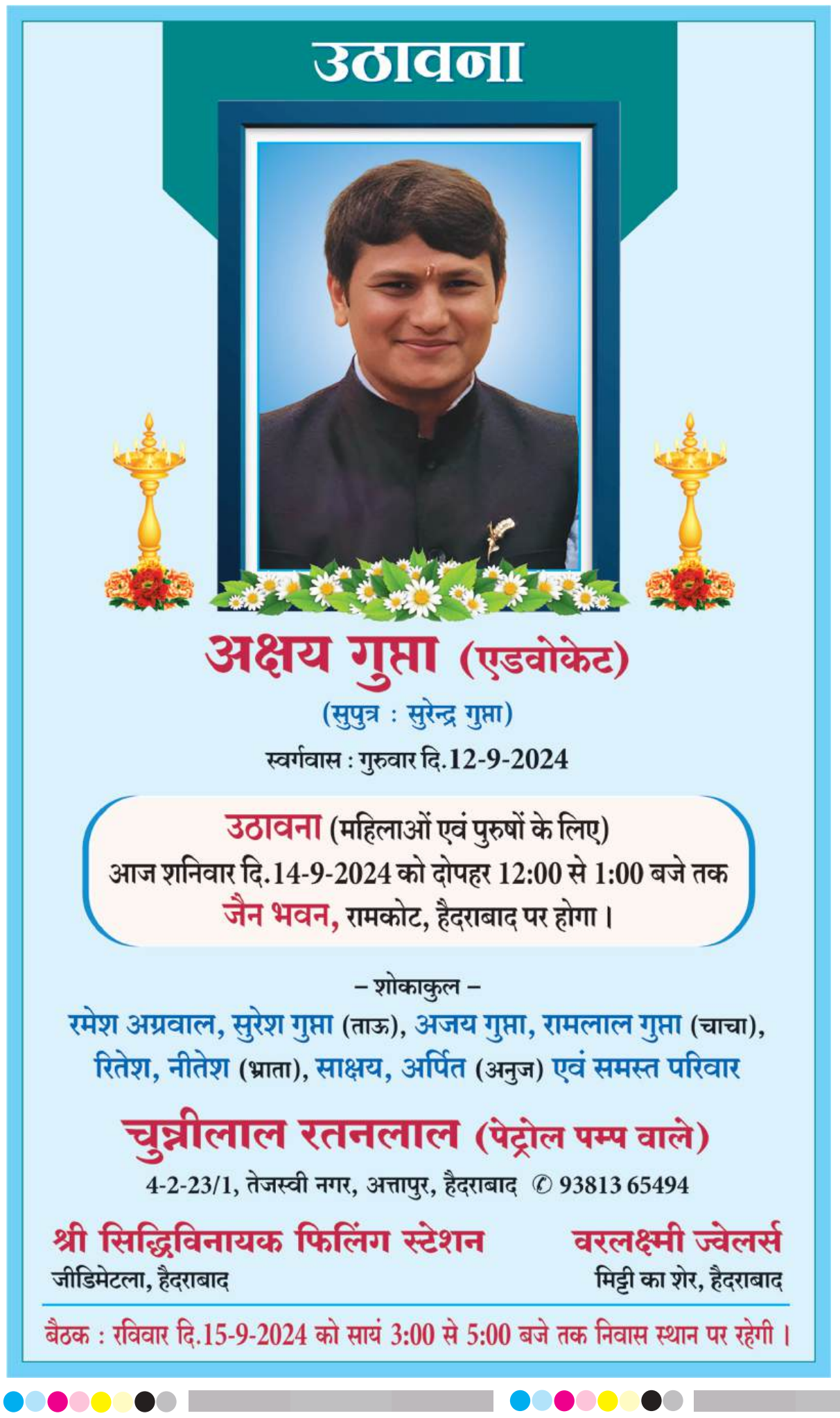

सर्वे भवन्तु सुखिनः

Regd. No. 160/98

मानव सेवा–माधव सेवा

अग्रवाल समाज तेलंगाना

301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद

Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com Website : www.agarwalsamajtelangana.com

SRI ADITYA
Taking lives forward!

SRI ADITYA HOME

in association with

BOUNDARIES UN-LTD

BOUNDARIES UN-LTD.

Presents

अग्रसेन जयंती महोत्सव 2024

गुरुवार दि. 3 अक्टूबर 2024

महाराजा श्री अग्रसेनजी 5148 वाँ जयन्ती समारोह

क्लासिक कनवेंशन 3, शमशाबाद

के अन्तर्गत

D.E.C
THE STANDARD OF QUALITY
DEC INFRASTRUCTURE & PROJECTS (INDIA) PVT LTD
Co-Sponsor

MPL
STEEL PIPES
Issi par hai bharosa
Presents

CHESS & CARROMS TOURNAMENT 2024

Only for Agarwals

15th Sept. 10 am to 5 pm

Organised by :
Agarwal Samaj Sports Committee & Mansarovar Shakha

Venue :
Agarwal Samaj Banquet Hall, Paradise, Sec-Bad

Keshan Industries LLP
Sports Event Co-Sponsor

REGISTRATION FEE 300/-

FOR REGISTRATION

Rajesh Saraf 8639045499 | Rohit Jain 8639678007 | Aviral Bansal 9030442672

Scan for Registration

Other Sport Events :

BOX CRICKET LEAGUE Saturday 28th Sept. 2024 Venue : THE PITCH, Katedan

BADMINTON TOURNAMENT 2024 Sunday 29th Sept. 2024 Venue : Gachibowli Stadium

Supported by

Lite Gold Refined Sunflower Oil | Rajalakshmi Jewellers | Mickey Sri Balaji | PSR REAL INFRA LLP | LETS GO AHEAD | Renu Steel Tubes Co. Distributor of Astral Pipes & Bathware | DRS International School | CULTURE Fashion · Art · Tradition

Co-ordinators

Rakesh Jalan | Neeraj More | Ashish Dochania | Achal Gupta | Sunil Kedia | Nitin Agarwal | Hari Mohan Saraf | Lokesh Sanghai | Nitin Surekha | Rohit Jain | Rahul Goyal | Manish Darolia | Satprakash Bansal | Rajesh Saraf | Abiral Bansal

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष एवं जयंती समारोह प्रधान संयोजक	मानद मंत्री	सह-मंत्री	कोषाध्यक्ष	निवर्तमान अध्यक्ष
मनीष अग्रवाल	पुरुषोत्तम अग्रवाल	कपूरचन्द गुप्ता	कंचन अग्रवाल	नवीन कुमार अग्रवाल	अंजनी कुमार अग्रवाल

शुभ कामनाओं सहित

मनोज कुमार अग्रवाल

DSL INFRASTRUCTURE & SPACE DEVELOPERS PRIVATE LIMITED

DSL VIRTUE MALL

SBI | HOME LOANS
हर भारतीय का बैंक

सॉलिड बैंक की सॉलिड बैकिंग

करें गर्व का अनुभव
पाएं झंझट-मुक्त ओनरशिप

एसबीआई होम लोन्स के लिए आवेदन कीजिए त्वरित प्रक्रिया के साथ

#SolidBankKiSolidBacking

कोई पूर्व भुगतान प्रभार नहीं । चुकौती 30 वर्ष तक आकर्षक ब्याज दरें । कोई अघोषित शुल्क नहीं

होम लोन के लिए आवेदन करने हेतु, विजिट करें: homeloans.sbi

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

सहायता के लिए कॉल करें 1800 11 2018 | 1800 1234

हमें यहाँ फॉलो करें

नियम व शर्तें लागू.

एनएमडीसी

NMDC
जिम्मेवार खनन

हिन्दी दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ

नई पहचान
उच्च आकांक्षाएं
असीम संभावनाएं

1958 में स्थापना के बाद से ही हमने खनन के नए मानदंड स्थापित किए हैं और भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक बन गए हैं। जिम्मेवार खनन कंपनी के हमारे दर्शन से हमारी परियोजनाओं के आस–पास के लोगों की सामाजिक–आर्थिक प्रगति हुई है।

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

पंजीकृत कार्यालयः खनिज भवन, 10–3–311/ए, कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद – 500028

सीआईएनः L13100TG1958GOI001674

nmdc.co.in
/nmdclimited

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.